वर्ष : 19 अंक : 26 लखनऊ बुधवार, 11 फरवरी 2026 पृष्ठ : 12, मूल्य: ₹4/-

विश्ववार्ता

www.vishwavarta.com

सच्ची ख़बर, पैनी नज़र

मौसम
सूर्योदय : 06:46
सूर्यास्त : 05:56
अधिकतम : 26:00°
न्यूनतम : 12:00°

ई-पेपर पढ़ने के लिए स्कैन करें हमारा क्यू आर कोड

मूल्य ₹4

नगर संस्करण **

10

दिन भर चली विधान परिषद की कार्यवाही 2 | जनता जान रही है कौन चाहता है... 6 | बच्चों के गायब होने के पीछे कोई... 12 | एक ही भवन में चल रहा...

बांग्लादेश चुनाव से पहले फिर हिंदू की हत्या

ढाका। बांग्लादेश में चुनाव से पहले एक बार फिर अल्पसंख्यक हिंदुओं को निशाना बनाया गया है। सोमवार देर रात मैमनसिंह जिले में एक हिंदू व्यापारी की उसकी दुकान के अंदर चाकू मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने बताया है कि मरने वाले की पहचान 62 साल के सुशेन चंद्र सरकार के रूप में हुई है। वह साउथकांडा के रहने वाले थे। सुशेन चावल व्यापारी थे और त्रिशाल उपजिला के बोगर बाजार में उनकी 'मेसर्स भाई भाई एंटरप्राइज' नाम से एक दुकान थी। इस हत्या के बाद भारत में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। सोशल मीडिया पर कई लोगों ने बांग्लादेश को लेकर तीखी प्रतिक्रियाएं दी है।

मैमनसिंह जिला पुलिस ने बताया है कि यह घटना रात करीब 11 बजे हुई। सुशेन चंद्र सरकार अपनी दुकान के अंदर मौजूद थे, तभी अज्ञात हमलावरों ने उन पर धारदार हथियारों से हमला कर दिया। हमलावरों ने हत्या करने के बाद दुकान का शटर गिरा दिया और शव को अंदर छोड़कर मौके से फरार हो गए। बाद में स्थानीय लोगों ने शटर को आधा खुला देखा तो उन्हें कुछ शक हुआ। अंदर देखने पर सरकार की लाश पड़ी हुई नजर आई। त्रिशाल पुलिस स्टेशन के ऑफिसर-इन-चार्ज मुहम्मद फिरोज हुसैन ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि अपराधियों को ट्रैक करने और उनकी पहचान करने के लिए जांच शुरू कर दी गई है।

स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस

118 सांसदों के दस्तखत, बिरला ने कहा फैसला होने तक लोकसभा नहीं जाऊंगा

विश्ववार्ता ब्यूरो

नयी दिल्ली। विपक्ष ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस पेश कर दिया। इसमें 118 सांसदों के हस्ताक्षर हैं। सम्भवतः 9 मार्च को अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा हो सकेगी। बजट सत्र के 10वें दिन मंगलवार को दो बार स्थगन के बाद लोकसभा में बजट पर चर्चा शुरू हो गयी। लोकसभा में प्रश्नकाल में कार्यवाही नहीं हो सकी। 11 बजे सदन शुरू होते ही विपक्ष ने जमकर हंगामा किया। महज 1 मिनट बाद चेयर पर मौजूद पीसी मोहन ने 12 बजे तक के लिए सदन स्थगित कर दिया।

दोपहर 12 बजे सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू हुई। इस बीच भी विपक्ष का हंगामा जारी रहा। सांसद वी वॉन्ट जस्टिस के नारे लगाते रहे। इसके बाद सदन 2 बजे तक स्थगित कर दिया गया। हंगामे के बीच संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्षी सांसदों से हाथ जोड़कर कहा कि बजट पर चर्चा होने दें। इससे हम सबका नुकसान हो रहा है। आप रोज आकर हंगामा करते हैं। ऐसे में काम नहीं हो पा रहा।

इस बीच लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने बड़ा फैसला लिया है। उन्होंने कहा है कि जब तक अविश्वास प्रस्ताव पर फैसला नहीं हो जाता, तब तक सदन के अंदर प्रवेश नहीं करेंगे। उन्होंने साफ-साफ कहा है कि जब तक अविश्वास प्रस्ताव पर फैसला नहीं हो जाता, तब-तक कुर्सी पर नहीं बैठेंगे। बता दें कि इस तरह का कोई नियम नहीं है, फिर भी उन्होंने सदन में नहीं जाने का फैसला लिया है। बताया जा रहा है कि सरकार या विपक्ष की ओर से मनाने की कोशिश भी होगी, तब भी वे सदन के अंदर नहीं जाएंगे।

इससे पहले लोकसभा अध्यक्ष महासचिव उत्पल कुमार सिंह को निर्देश दिया कि उन्हें पद से हटाने के लिए प्रस्ताव लाने संबंधी विपक्ष के नोटिस की जांच करें। बिरला ने महासचिव को निर्देश दिया है कि वह इस नोटिस की जांच कर उचित कार्रवाई करें। दरअसल, विपक्ष ने बिरला को पद से हटाने के लिए प्रस्ताव लाने संबंधी नोटिस मंगलवार को लोकसभा महासचिव को सौंपा और बिरला पर पक्षपातपूर्ण तरीके से सदन संचालित करने, कांग्रेस सदस्यों पर झूठे इल्जाम लगाने तथा अपने पद का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है।

गौरतलब है कि लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को 'बोलने की इजाजत नहीं देने' तथा

अन्य कुछ मुद्दों की पृष्ठभूमि ने विपक्ष ने अध्यक्ष ओम बिरला को पद से हटाने के लिए प्रस्ताव लाने संबंधी नोटिस मंगलवार को लोकसभा महासचिव को सौंपा। लोकसभा सचिवालय के सूत्रों ने विपक्ष का नोटिस मिलने की बात स्वीकार करते हुए कहा कि इस पर विचार किया जाएगा और नियमों के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

बता दें कि 2 फरवरी को राहुल गांधी को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान पूर्व सेना प्रमुख एम एम नरवणे के अप्रकाशित संस्मरण से जुड़ा विषय उठाने की अनुमति नहीं मिलने, सदन की अवमानना के मामले में आठ विपक्षी सांसदों को निलंबित किए जाने तथा अन्य मुद्दों पर सदन में गतिरोध की स्थिति बनी हुई है। विपक्ष का आरोप है कि लोकसभा में विपक्षी नेताओं को बोलने नहीं दिया जा रहा है, जबकि सत्तापक्ष के लोगों को कुछ भी बोलने की छूट दी गई है।

संसदीय नियमों के अनुसार, नोटिस की वैधता जांच के बाद कम से कम 14 दिनों के बाद इसे सदन में चर्चा के लिए सूचीबद्ध किया जा सकता है। हालांकि, प्रस्ताव को पारित होने के लिए लोकसभा की कुल सदस्यता का बहुमत चाहिए, जिसकी विपक्ष के पास संभावना कम है। नोटिस पर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, द्रमुक और कई अन्य विपक्षी दलों के 100 से अधिक सांसदों ने हस्ताक्षर किए हैं। तृणमूल कांग्रेस के सांसदों ने इस नोटिस पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं।

बहरहाल, ऐसा पहली बार नहीं है, जब किसी लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया है। आजादी के बाद से अब तक लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ यह चौथा अविश्वास प्रस्ताव है। यानी ओम बिरला से पहले कुल तीन लोकसभा अध्यक्षों के खिलाफ ऐसे प्रस्ताव आ चुके हैं लेकिन अब तक किसी के खिलाफ भी ये प्रस्ताव पास नहीं हो सके हैं। देश में किसी स्पीकर के खिलाफ सबसे पहला अविश्वास प्रस्ताव लोकसभा के पहले अध्यक्ष जी.वी. मावलंकर (गणेश वासुदेव मावलंकर) के खिलाफ दिसंबर 1954 में लाया गया था। बिहार के सोशलिस्ट पार्टी के नेता और सांसद विघ्नेश्वर मिस्र ने यह प्रस्ताव पेश किया था। हालांकि, सदन में करीब दो घंटे की बहस के बाद यह प्रस्ताव खारिज हो गया था।

इसके बाद 1966 में दूसरी बार तत्कालीन लोकसभा अध्यक्ष सरदार हुकुम सिंह के खिलाफ ऐसा ही प्रस्ताव लाया गया था, जिसे समाजवादी नेता मधु लिमये ने पेश किया था लेकिन सरदार हुकुम सिंह को भी पद से हटाया नहीं जा सका। इसके बाद तीसरी बार 1987 में तत्कालीन लोकसभा अध्यक्ष बलराम जाखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था। प्रस्ताव सीपीआई (एम) के सांसद सोमनाथ चटर्जी द्वारा लाया गया था लेकिन इसका भी वही हश्र हुआ, जो इससे पहले के दो प्रस्तावों का हुआ था।

अब चौथी बार ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव कांग्रेस लेकर आई है। नियमानुसार अब 14 दिन के बाद उस प्रस्ताव का परीक्षण होगा, जब तक लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला सदन की कार्यवाही का संचालन नहीं करेंगे। बिरला के खिलाफ पेश तीन पेज के इस नोटिस में पहला हस्ताक्षर कांग्रेस नेता के सी वेणुगोपाल का है जबकि दूसरे स्थान पर द्रमुक के टी आर बालू का और फिर समाजवादी पार्टी के धमेंद्र यादव का है।

योगी सरकार आज विधान मण्डल में पेश करेगी बजट

2026–27 के बजट पर वित्त मंत्री ने किये हस्ताक्षर

विश्ववार्ता ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार विधानमंडल के बजट सत्र में आज बुधवार को वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट पेश करेगी। प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने मंगलवार को विधानसभा स्थित अपने कार्यालय कक्ष में वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट पर हस्ताक्षर किया। उन्होंने कहा कि यह बजट प्रदेश की जनता की अपेक्षाओं, विकास की जरूरतों और सुशासन की प्रतिबद्धता को ध्यान में रखते हुए अंतिम रूप दिया गया है। यह बजट केवल आंकड़ों का दस्तावेज नहीं, बल्कि डबल इंजन सरकार की विकासशील सोच और मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति का प्रतिबिंब है।

वित्त मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने बीते वर्षों में कानून-व्यवस्था, निवेश और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में जो भरोसा कायम किया है, यह बजट उसी भरोसे को और सशक्त करता है। कृषि, युवा, महिला, श्रमिक और वंचित वर्गों के कल्याण के साथ-साथ पूंजीगत व्यय को प्राथमिकता देकर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को दीर्घकालिक मजबूती देने का स्पष्ट रोडमैप इसमें शामिल है। उन्होंने कहा कि यह बजट उन लोगों के लिए ठोस उत्तर है जो उत्तर प्रदेश के विकास पर सवाल खड़े करते हैं। आज प्रदेश निवेश, आधारभूत संरचना और रोजगार के मामले में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो रहा है और यह बजट उस यात्रा को और रफ्तार देगा।श्री खन्ना ने कहा कि वित्तीय अनुशासन बनाए रखते हुए तैयार किया गया यह बजट आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश की दिशा में एक निर्णायक कदम है और आने वाले वर्षों में प्रदेश को आर्थिक, सामाजिक और औद्योगिक रूप से नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा।

वित्त मंत्री ने कहा कि प्रस्तावित बजट में कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचा, औद्योगिक निवेश, रोजगार सृजन तथा महिला और युवा सशक्तिकरण को प्राथमिकता दी गई है। विशेष रूप से पूर्वांचल, बुंदेलखंड एवं अन्य पिछड़े क्षेत्रों के संतुलित विकास के लिए लक्षित प्रावधान सुनिश्चित किए गए हैं।

योगी कैबिनेट की बैठक सुबह नौ बजे

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में बुधवार को सुबह 9 बजे कैबिनेट की बैठक होगी। इस बैठक में विधानसभा में पेश होने वाले बजट से जुड़े अंतिम प्रस्तावों पर मुहर लगाई जाएगी। कैबिनेट बैठक के बाद 11 बजे विधानसभा में राज्य के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना वित्तीय वर्ष 2026–27 का बजट पेश करेंगे। यह बजट योगी सरकार के दूसरे कार्यकाल का अंतिम और दसवां बजट होगा। बजट का आकार लगभग 9 लाख करोड़ रुपये से अधिक होने का अनुमान है, जो पिछले वर्षों की तुलना में काफी बड़ा होगा। यह बजट उत्तर प्रदेश को 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। सत्र के दौरान विपक्ष ने कुछ मुद्दों पर हंगामा भी किया, लेकिन सरकार ने सभी दलों से सहयोग की अपील की है ताकि चर्चा सकारात्मक और जनहित में हो सके।

कभी नहीं आने वाला कयामत का दिन

बाबरी ढांचे का सपना देखने वालों को सीएम योगी की दो टूक

- हिंदुस्तान में कायदे में रहोगे तो फायदे में रहोगे

विश्ववार्ता संवाददाता

बाराबंकी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाबरी ढांचे का सपना देखने वालों को कड़े शब्दों में चेतावनी दी है। उन्होंने दो टूक कहा कि कयामत का दिन कभी आने वाला नहीं है, जो लोग इसका सपना देख रहे हैं, सड़-गल जाएंगे। हिंदुस्तान में कायदे में रहने वाले फायदे में रहेंगे। अगर कोई कानून तोड़कर जन्नत जाने का सपना देख रहा है तो उसका यह सपना कभी पूरा नहीं होने वाला। कानून तोड़ने वाले का रास्ता कहीं और नहीं, सीधे जहन्नुम की तरफ ले जाता है।

मुख्यमंत्री ने पूरी दृढ़ता के साथ कहा कि यह डबल इंजन सरकार पीएम मोदी के मार्गदर्शन में जो बोलती है, वह करके दिखाती है और जितना करती है, उतना

ही बोलती है। हमने कहा कि रामलला आएंगे...। अब मंदिर भी बन गया है। हम विरासत को सम्मान देते हुए भारत व सनातन धर्म की गौरवशाली परंपरा को अक्षुण्ण रखेंगे। पीएम मोदी ने 25 नवंबर को अयोध्या में सनातन के प्रतीक श्रीराम मंदिर में भव्य केसरिया ध्वज का आरोहण किया था, यह ध्वज सदा भारत व सनातन के गौरव को आगे बढ़ाएगा।

मुख्यमंत्री मंगलवार को हिंद केसरी ब्रह्मलीन महंत बाबा हरिशंकर दास जी महाराज की पुण्य स्मृति में श्रीराम जानकी मंदिर, दुल्हदेपुर कुटी (बाराबंकी) में आयोजित दशम श्री हनुमत विराट महायज्ञ एवं श्री रामार्चा पूजन में सम्मिलित हुए। सीएम ने केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाएं व उपलब्धियां गिनाने के साथ ही कहा कि बाराबंकी में जल्द ही विकास प्राधिकरण प्रारंभ होगा।

सीएम योगी ने कहा कि अयोध्या में 500 वर्ष पश्चात यह गौरवशाली क्षण आया। इतने वर्षों में अनेक राजा-महाराजा आए। 1952 के बाद से अनेक सरकारें बनीं, लेकिन किसी से मन में यह नहीं आया कि भगवान राम की जन्मभूमि अयोध्या पर भव्य मंदिर निर्माण हो। राम सबके हैं, लेकिन कुछ लोग ऐसे हैं जो अवसरवादी रवैया अपनाते हैं। जब संकट आता है तो उन्हें राम याद आते हैं, बाकी समय राम को भूल जाते हैं। ऐसे लोगों को भगवान राम भी भूल चुके हैं, अब उनकी नैया कभी पार नहीं होनी है।

जिन्होंने गोली चलवाईं, वे राम मंदिर बनवा रहे

अखिलेश यादव ने लोकसभा से विरोधियों पर साधा निशाना

विश्ववार्ता ब्यूरो

नयी दिल्ली। समाजवादी पार्टी के मुखिया और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मंगलवार को लोकसभा से यूपी की सियासत साधते हुए विरोधियों पर तीखे वार किए। लोकसभा में बजट पर चर्चा के दौरान सपा प्रमुख ने भाजपा पर सीधा हमला बोला। उन्होंने कहा कि आपने मनरेगा का नाम बदलकर वीबी जी राम जी रखा लेकिन आप राम जी का अपमान कर रहे हैं। एक सांसद द्वारा कारसेवकों पर गोली चलवाने की बात उठाने पर अखिलेश यादव ने बिना किसी का नाम लिए तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि जिन्होंने गोली चलाई वे राम मंदिर बना रहे हैं। अखिलेश के इस बयान की सोशल मीडिया में काफी चर्चा हो रही है। लोग 35 साल पहले अयोध्या में उमड़े कारसेवकों पर गोली चलाए जाने की उस

घटना को याद कर रहे हैं। इन चर्चाओं में यह भी शामिल है कि 30 अक्टूबर 1990 और 2 नवंबर 1990 को अयोध्या की धरती पर क्या-क्या हुआ था? और उसमें किसकी क्या भूमिका थी।

अखिलेश यादव ने इसके पहले कहा कि वित्त मंत्री को सदन के सामने मनरेगा को लेकर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। यह एक महत्वपूर्ण योजना थी जिसमें गरीबों को ग्राम स्तर पर रोजगार मिलता था। राइट टू वर्क के अनुसार थी। इस योजना को समाप्त करते हुए आपने नाम रखा है राम जी। इसके बाद अखिलेश ने चुटकी लेते हुए कहा कि आपने योजना का नाम रखा है वीबी जी राम जी और हमारे राम कहां बैठे हैं? उनके सवाल पर अयोध्या के सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा कि वह पीछे बैठे हैं। इस पर अखिलेश ने कहा कि जिन्हें बचपन से हम रामजी के रूप में देखते आए, हमारी खुशकिस्मती है कि 'रामजी' सदन में बैठे हैं लेकिन आप 'रामजी' का अपमान कर रहे हैं। आप उन्हें वहां नहीं बैठा सकते आपको उन्हें यहां बैठाना चाहिए, नंबर दो पर।

इसी दौरान किसी सदस्य ने कारसेवकों पर गोली चलाए जाने की बात उठाई तो अखिलेश यादव रुक गए। उन्होंने संबंधित सदस्य से अपनी बात दोहराने को कहा। इसके बाद उन्होंने कहा कि जिन्होंने गोली चलवाई वो राम मंदिर बनवा रहे हैं। अगर पता न हो पता कर लीजिए। आधी अधूरी जानकारी के साथ नहीं आइए यहां पर।

एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत से खप्परपुर में हड़कंप

संभवत : तीन बच्चों को मौत के घाट उतारने के बाद दंपति ने की आत्महत्या

डॉ. कमल कान्त उपमन्यु

मथुरा। महावन के गांव खप्परपुर में एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत से सनसनी फैल गई। बताया जाता है कि तीन बच्चों की हत्या कर दंपति ने भी आत्महत्या कर ली है। उनके मोबाइल में एक वीडियो मिला है, जिसमें आत्महत्या की बात कही है तथा इस घटना के लिए किसी को परेशान न करने को कहा गया है।

जानकारी मिलते ही आगरा मंडल कमिश्नर, एडीजी आगरा जोन, डीआईजी, डीएम और एसएसपी मौके पर पहुंच गए। सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। आत्महत्या के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है। घर की दीवार और एक पर्ची पर भी आत्महत्या करने की बात लिखी है। फिलहाल पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।

मिली जानकारी के अनुसार आज

सुबह महावन के गांव खप्परपुर निवासी मनीष जाटव, उनकी पत्नी सीमा, 5 वर्षीय बेटी हनी, 4 वर्षीय प्रियांशी और 2 वर्ष के बेटे पंकज का शव सुबह घर के अंदर पड़ा मिला। जब काफी देर तक दरवाजा नहीं खुला तो पड़ोस में रह रहे मनीष के भाई ने घर जाकर देखा तो घर में पांचों मृत पड़े थे। मनीष ने अपने घर की दीवार पर लिखा है कि मैं मनीष आत्महत्या कर रहा हूं, किसी को परेशान न किया जाए। घर के कमरे में एक पर्ची मिली है, इस पर भी लिखा है कि मैं आत्महत्या कर रहा हूं, किसी को परेशान न किया जाए। बताया गया कि मनीष की शादी आठ साल पहले मड़नई सादाबाद से हुई थी। मृतक के दो भाई और हैं, जो गांव में ही अलग-अलग घरों में रहते हैं। मृतक अपनी पत्नी और बच्चों के साथ इस मकान में रहता था।

पुलिस ने मृतक के मोबाइल फोन से एक वीडियो भी बरामद किया है, इसमें उसने कहा है कि वह आत्महत्या कर रहा है। इसमें किसी का कोई दोष नहीं है। यह भी कहा है कि कुछ दिन पहले उन्होंने साढ़े 12 लाख रुपये की जमीन बेची थी, उसका पैसा भी उन्हें मिल गया है। मौत कैसे हुई है, इसे लेकर पुलिस अभी कुछ भी स्पष्ट नहीं बता पा रही है। जहर खाने और बच्चों की गला दबाकर हत्या करने की आशंका जताई जा रही है। इस परिवार के आत्महत्या के पीछे की आखिर वजह क्या रही, ये फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस जांच में जुटी हुई है। आसपास के लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। बेटी सीमा और दामाद मनीष के साथ मासूम धेवता और धेवती की मौत की खबर मिलते ही विजेन्द्र भी गांव पहुंच गए। विजेन्द्र ने बताया कि बेटी और दामाद से एक दिन पहले ही मिलने आए थे।

संभल हिंसा में अनुज चौधरी समेत सभी को राहत

प्रयागराज। संभल हिंसा के मामले में पुलिस अधिकारी अनुज चौधरी समेत सभी पुलिस वालों को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिल गई है। हाइकोर्ट ने पुलिसकर्मियों पर मुकदमा दर्ज करने के सीजेएम संभल के आदेश पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने विपक्षी शिकायतकर्ता को जवाब दाखिल करने के लिए दो सप्ताह का समय दिया है। राज्य सरकार और संभल के पूर्व सीओ अनुज चौधरी सहित अन्य पुलिस कर्मियों ने सीजेएम के आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की है। याचिका पर न्यायमूर्ति समित गोपाल सुनवाई कर रहे हैं।

कोर्ट ने कहा है कि याचिका की पोषणीयता का प्रश्न शिकायतकर्ता द्वारा जवाब दाखिल किए जाने के बाद विचार किया जाएगा। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से अपर महाधिवक्ता मनीष गोयल और अधिवक्ता एके संड ने दलील दी कि सीजेएम ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत तय अनिवार्य प्रक्रियाओं की अनदेखी करते हुए आदेश पारित किया।

तीन घंटे में हटाना होगा फेक कंटेंट

एआई फोटो और वीडियो को लेकर नये नियम, लेबल लगाना जरूरी

विश्ववार्ता ब्यूरो

नयी दिल्ली। सरकार ने डीपफेक सहित एआई से तैयार कंटेंट को लेकर ऑनलाइन मंचों के लिए सख्त नियम लागू किए हैं। इसके तहत एक्स और इंस्टाग्राम जैसे मंचों को किसी सक्षम अधिकारी या अदालतों की ओर से निर्देशित की गई ऐसी किसी भी सामग्री को 3 घंटे के भीतर हटाना होगा। सरकार ने सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021 में संशोधनों को मंजूरी दी है। इसके जरिए औपचारिक रूप से एआई से तैयार और बनावटी कंटेंट को परिभाषित किया गया है। ये नए नियम 20 फरवरी, 2026 से लागू होंगे।

संशोधनों में ध्वनि, दृश्य या ध्वनि-दृश्य जानकारी और बनावटी रूप से तैयार की गई जानकारी को परिभाषित

किया गया है, जिसमें एआई की ओर से निर्मित या बदली गई ऐसी सामग्री शामिल है जो वास्तविक या प्रामाणिक प्रतीत होती है। सामान्य एडिट, किसी कंटेंट को बेहतर बनाने और नेक नीयत से किए गए शैक्षिक या डिजाइन कार्यों को इस परिभाषा से बाहर रखा गया है।

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने अधिसूचना में कहा कि प्रमुख परिवर्तनों में बनावटी सामग्री को सूचना के रूप में मानना शामिल है। आईटी नियमों के तहत गैरकानूनी कार्यों के निर्धारण के लिए एआई-जनित सामग्री को अन्य सूचनाओं के समान माना जाएगा। सोशल मीडिया मंच को सरकारी या अदालती आदेशों पर अब 36 घंटे के बजाय तीन घंटे के भीतर कार्रवाई करनी होगी। इसके अलावा, उपयोगकर्ता की शिकायतों के निवारण की समयसीमा भी कम कर दी गई है।

नियमों के तहत एआई कंटेंट की अनिवार्य रूप से लेबलिंग जरूरी है। बनावटी सामग्री बनाने या साझा करने की सुविधा देने वाले मंच को यह सुनिश्चित करना होगा कि ऐसी सामग्री पर स्पष्ट रूप से और प्रमुखता से लेबल लगाया जाए। जहां तकनीकी रूप से संभव हो, वहां इसे स्थायी मेटाडेटा या पहचानकर्ताओं के साथ जोड़ा जाना चाहिए। नोटिफिकेश में कहा गया कि इंटरमीडियरीज एक बार एआई लेबल या मेटाडेटा लगाए जाने के बाद उन्हें हटाने या छिपाने की इजाजत नहीं दे सकते।

पवार के प्लेन क्रैश में साजिश की बू : रोहित पवार

मुम्बई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) के विधायक रोहित पवार ने मंगलवार को आरोप लगाया कि पिछले माह हुए उस विमान हादसे में साजिश का संदेह है जिसमें उनके चाचा और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की मौत हो गयी थी। उन्होंने विशेषज्ञ एजेंसियों द्वारा इस हादसे की विस्तृत जांच की मांग की है। हालांकि, रोहित पवार के दादा और एनसीपी संस्थापक शरद पवार ने इस त्रासदी में किसी भी साजिश की आशंका को खारिज करते हुए इसे एक दुर्घटना करार दिया था। रोहित पवार ने एक संवददाता सम्मेलन के दौरान विमान की कमान संभाल रहे कैप्टन सुमित कपूर के पिछले रिकॉर्ड पर सवाल उठाया और अतीत में शराब के सेवन के लिए उनके तीन साल के निलंबन का हवाला भी दिया।

उन्होंने कहा कि अपराध जांच विभाग के पास इस हादसे की पूरी जांच करने का अधिकार नहीं है।

ओम बिरला का काला अध्याय, अविश्वास प्रस्ताव का रिकार्ड तोड़ा

अध्यक्ष को हटाने के लिए अब तक पेश हुए तीन बार अविश्वास प्रस्ताव, तीनों ही बार गिरे

अमलेंदु भूषण खां

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को नहीं बोलने देना लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला पर भारतीय संसदीय इतिहास में गहरा दाग लगा दिया। संसदीय इतिहास में बिरला ऐसे स्पीकर बन गए हैं जिनके खिलाफ दूसरी बार अविश्वास का प्रस्ताव विपक्ष लाया है। पहली बार ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने में नाकाम होने के बाद विपक्ष इस बार अपने मकसद में सफल रहा। हालांकि भारतीय संसदीय इतिहास में लोकसभा अध्यक्ष को उनके पद से हटाने के लिए अब तक तीन बार प्रस्ताव लाए गए हैं, लेकिन ये तीनों ही बार सदन में गिर गए और कभी भी किसी अध्यक्ष को हटाया नहीं जा सका।

भारत में अब तक किसी भी लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव या उन्हें पद से हटाने का औपचारिक प्रस्ताव पारित नहीं हुआ है, जिससे उनका राजनीतिक भविष्य सीधे तौर पर कभी समाप्त नहीं हुआ। इसके बजाय, ऐसे प्रस्तावों का सामना करने वाले स्पीकर अक्सर अपने पद पर बने रहते हैं या अपनी पार्टी में प्रमुख भूमिकाएँ जारी रखते हैं। इसके अलावा, 1967 में डॉ. नीलम संजीव रेड्डी, 2001 में जीएमसी बालयोगी, 2011 में मीरा कुमार और 2020 में ओम बिरला के खिलाफ नोटिस की चर्चाएं जोरों पर रहीं, लेकिन ये कभी अमल में नहीं आए।

स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया जाता है, तो उसे तत्कालीन सदस्यों

के बहुमत से पारित होना अनिवार्य है, जो भारत के संसदीय इतिहास में अभी तक नहीं हुआ है। 17वीं लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव का सामना करने के बावजूद, ओम बिरला न केवल अपनी सीट से पुनः निर्वाचित हुए, बल्कि लगातार दो बार स्पीकर बनने वाले इतिहास के गिने-चुने लोगों में शामिल हुए। भारत में अब तक 27 से अधिक अविश्वास प्रस्ताव पेश किए गए हैं, लेकिन स्पीकर के खिलाफ ऐसे प्रस्तावों का राजनीतिक करियर पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ा है।

भारत के पहले लोकसभा अध्यक्ष जी.वी. मालवंकर के खिलाफ 18 दिसंबर 1954 को अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था। विपक्ष ने उन पर पक्षपातपूर्ण आचरण करने और सदन की कार्यवाही के दौरान विपक्षी सदस्यों के अधिकारों की रक्षा न करने का आरोप लगाया था। विपक्ष का मानना था कि वे सरकार के प्रति अधिक झुकाव रख रहे थे। हालांकि, मालवंकर के मामले में भी, तत्कालीन सरकार के पास भारी बहुमत होने के कारण यह प्रस्ताव पारित नहीं हो सका था। 15 अप्रैल 1987 को भी तत्कालीन लोकसभा स्पीकर बलराम जाखड़ को हटाने के लिए एक प्रस्ताव लाया गया था। इसे माकपा सांसद सोमनाथ चटर्जी की तरफ से पेश किया गया। उन पर भी पक्षपात के आरोप लगे थे। हालांकि, सदन में उनके खिलाफ लाया गया प्रस्ताव पारित नहीं कराया जा सका।

दिसंबर 1954 में भारत के पहले लोकसभा अध्यक्ष जी.वी. मालवंकर के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने विपक्ष के इस कदम की तीखी आलोचना की थी। स्पीकर हुकम सिंह को हटाने के लिए दूसरी बार अविश्वास प्रस्ताव 24 नवंबर 1966 को लाया गया था। इसमें आरोप था कि उन्होंने कई प्रश्नों को सदन में रखने की इजाजत नहीं दी, क्योंकि यह सवाल प्रधानमंत्री, अन्य मंत्रियों, कांग्रेस के अन्य नेताओं और उच्च अधिकारियों के लिए शर्मिंदगी का कारण बन सकते थे। स्पीकर पर यह भी आरोप लगे थे कि वे खुद सांसदों के विशेषाधिकारों का हनन कर रहे थे, क्योंकि वे सदन में दूसरे नेताओं के खिलाफ विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव लाने तक की अनुमति नहीं दे रहे थे। हालांकि, विपक्ष इस प्रस्ताव को लोकसभा में पेश ही नहीं कर सका, क्योंकि उसे इसे पेश करने के लिए 50 सांसदों का समर्थन भी हासिल नहीं हुआ। तीसरी बार 1987 में अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था। ये प्रस्ताव तत्कालीन लोकसभा अध्यक्ष बलराम जाखड़ के खिलाफ लाया गया था। पिछले तमाम प्रस्तावों की तरह ये अविश्वास प्रस्ताव भी खारिज हो गए थे।

बाबरी बनवाने वाले हुमायूं कबीर पर कसा शिकंजा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल पुलिस ने तृणमूल कांग्रेस के निलंबित नेता और बाबरी मस्जिद बनाने वाले हुमायूं कबीर के एक रिश्तेदार की लगभग 11 करोड़ रुपये की संपत्ति को कुर्क करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह कार्रवाई कथित मादक पदार्थ तस्करी मामले के संबंध में की जा रही है। पुलिस अधीक्षक धृतिमान सरकार ने पत्रकारों को बताया कि मुर्शिदाबाद जिले के लालगोला के नालदाहारी जैसे इलाकों में जमीन, मकान और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों सहित कुल 14 संपत्तियां, 15 बैंक खाते और वाहन कानूनी प्रक्रिया के तहत कुर्क किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि कबीर की बेटी के ससुर शरीफ-उल-इस्लाम की संपत्तियों को जब्त करने की प्रक्रिया तब शुरू की गई जब आरोप लगे कि ये संपत्तियां पिछले कई वर्षों में नशीले पदार्थों के व्यापार के माध्यम से अर्जित की गई थीं।

अपने बूते पर पढ़े और बढ़े ट्रांसजेंडर : राज्यपाल

● बस्ती जनपद में आनंदीबेन पटेल ने ट्रांसजेंडरों के गरिमा गृह का शिलान्यास किया, इंद्रा चैरिटेबल ट्रस्ट की अनूठी पहल को सराहा

विश्ववार्ता ब्यूरो

बस्ती। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने सोमवार को बस्ती जिले में ट्रांसजेंडरों के लिए गरिमा गृह का शिलान्यास किया। वह लखनऊ से राजकीय हेलीकाप्टर से सुबह साढ़े नौ बजे पुलिस लाइन के हेलीपैड स्थल पर पहुंची। वहां से वह कार से कार्यक्रम स्थल रैनबो हाउस लैबुड्वा ताल आई। 11 बजे ट्रांसजेंडर समुदाय एवं समाज विषयक संवाद स्थापित किया।

माधव प्रसाद के सवाल पर राज्यपाल ने कहा कि मां के गर्भ से ही ट्रांसजेंडर का जन्म होता है। यह कमाई का साधन नहीं है। वह घर-घर बच्चों का जन्म होता है तो बधाई देती हैं। ऐसे बच्चों को घर में रखें जो भी थर्ड जेंडर हो, विदेशों में नहीं है। फिर यहां क्यों नहीं रखा जाता है। बस्ती में अच्छा कार्य शुरू हुआ है। मैं चाहती हूं कि कोई बच्चा ट्रांसजेंडर जन्म लेता है तो घर में रखें। पड़ोस वाले टीका टिप्पणी न करें। यह पुण्य का कार्य है। हमारी परीक्षा करने के लिए ऐसे बच्चे घर में आते हैं। उन्होंने कहा कि मैं ट्रांसजेंडर को यही कहना चाहती हूं कि अपने बूते पर आगे बढ़े। पढ़ें आगे बढ़ें। समाज आपको स्वीकारने के लिए तैयार है। इसकी शुरुआत बस्ती से हुई है। आसपास के लोग मदद करें। अपने घरों में बुलाएं, उन्हें सम्मान दें। आशा दुबे ने पूछा कि अक्सर भेदभाव की शुरुआत परिवार से होती है, कैसे बचें। इस पर राज्यपाल ने कहा कि खुद पालन पोषण करना चाहिए। कई लोग पालन पोषण करते हैं। लेकिन जो बाहर निकाल दिए जाते हैं, उन्हें पंजीकरण कराया जाता है। उन्होंने कहा कि अक्सर पड़ोस के ताने से हम घरों से ऐसे जन्म लेने वाले बच्चों को निकाल देते हैं। ऐसा न करें। इंद्रा चैरिटेबल ट्रस्ट के अजय पांडेय इस दिशा में अच्छा काम कर रहे हैं। कई लोगों ने अपने होटल में काम पर रखे हैं। कुछ लोग गोशाला में काम कर रहे हैं। इज्जत से काम करने पर सम्मान मिलता है। बस्ती में इस शुरुआत में आप लोग आएं। उन्हें सिलाई मशीन दें। उन्हें सीख दें। काम करना ट्रांसजेंडर चाहते हैं, लेकिन काम न मिलने से वह मांग कर अपना गुजरना करना पड़ता है। उन्होंने कहा ट्रांसजेंडर से कहना चाहती हूं कि ऐसे बच्चे पढ़े। उनके लिए क्लास की व्यवस्था की गई है। कम से कम ग्रेजुएट के बाद ही शिक्षा दिलाएं और नौकरी भी लें। पुलिस में भी भर्ती होगी। अनपढ़ न रहें। अजय पांडेय ने कहा कि अनपढ़ को काम पर लगवाएं और उसके रुचि के अनुसार रखें। एक जिला से जब यह अभियान चलेगा तो दूसरे के जिलों में भी जाएगा।

दिन भर चली विधान परिषद की कार्यवाही

कार्यस्थगन के दौरान सपा का वेल में प्रदर्शन, 15 मिनट स्थगित हुई परिषद

विश्ववार्ता ब्यूरो

लखनऊ। बजट सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को विधान सभा की कार्यवाही दो सदस्यों को श्रृद्धांजलि देते हुए बुधवार तक स्थगित हो गई। उधर विधान परिषद में चली कार्यवाही के दौरान प्रश्नपहर के बाद कार्यस्थगन की चर्चा के दौरान नेता सदन के जवाब से असंतुष्ट सपा सदस्यों ने बेल में आकर प्रदर्शन किया। काफी हो-हंगामें के बीच सदन की कार्यवाही 15 मिनट के लिए स्थगित हुई।

परिष्ज़द की कार्यवाही 11 बजे सभापति कुँवर मानवेन्द्र सिंह के सभापतित्व में प्रारम्भ हुई। प्रश्न प्रहर प्रारम्भ होने पर सदस्यों ने प्रश्न पूछे जिस पर तत्संबन्धित मंत्रियों ने प्रश्नों के उत्तर दिए।प्रश्नों के क्रम में सपा के आशुतोष सिन्हा ने जनपद-कन्नौज के तिर्वा क्षेत्र में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे के मध्य छूटी हुई सर्विस लेन के निर्माण के संबंध में औद्योगिक विकास मंत्री से प्रश्न किया। मंत्री के उत्तर से सदस्य के संतुष्ट न होने पर सभापति ने मंत्री से अधिग्रहण की कार्यवाही आरम्भ कर जल्दी पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

विशेषाधिकार मामले में डीजीपी से जांच कराने के निर्देश

सपा के आशुतोष सिन्हा ने 25 जनवरी 2026 को वाराणसी में पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर पुलिस अधिकारियों ने मेरे विशेषाधिकार एवं

मौलिक अधिकारों का हनन और काल्पनिक दफाओं में गिरफ्तार किए जाने के संबंध में सूचना दी। सभापति कुँवर मानवेन्द्र सिंह ने सम्बन्धित अधिकारियों से इस प्रकरण के साक्ष्य उपलब्ध कराकर पुलिस महानिदेशक से जांच कराने के निर्देश दिए।

वेल में सपा का धरना

सपा के लाल बिहारी यादव, राजेन्द्र चैधरी, डॉ. मान सिंह यादव, मुकुल यादव, आशुतोष सिन्हा, बलराम यादव एवं अन्य ने प्रदेश में आरक्षण के नियमों का पालन एवं भर्तियों में भ्रष्टाचार के संबंध में सूचना दी। सूचना की ग्राह्यता पर आशुतोष सिन्हा, किरण पाल कश्यप एवं लाल बिहारी यादव ने अपने विचार व्यक्त किये। नेता सदन ने सदन को तथ्यों से अवगत कराया। सरकार के उत्तर से संतुष्ट न होने पर सपा के सभी सदस्य बेल में आ गये और सरकार विरोधी नारे लगाते हुये धरने पर बैठ गये। सभापति ने सूचना पर कार्यस्थगन अस्वीकार कर सरकार को आवश्यक कार्यवाही के लिए संदर्भित किये जाने के निर्देश दिये। इसी दौरान सदन अव्यवस्थित होने के कारण सदन की कार्यवाही एक बजकर 20 मिनट पर 15 मिनट तक के लिये स्थगित कर दी गयी। भोजनावकाश के बाद सदन की बैठक अपराह्न तीन बजकर 30 मिनट पर अधिष्ठाता जयपाल सिंह व्यस्त के सभापतित्व में प्रारम्भ हुई। कार्यसूची की मदो को निपटाया गया। याचिकाओं को याचिका समिति को संदर्भित किया गया।

राज्यपाल के अभिभाषण जो उन्होंने राज्य विधान मण्डल के एक साथ समवेत दोनों सदनों के समक्ष नौ फरवरी 2026 को दिया है पर सत्यपाल सिंह एवं उमेश द्विवेदी जी ने कृतज्ञतापूर्वक धन्यवाद प्रकट किया। सपा के लाल बिहारी यादव का धन्यवाद प्रस्ताव के विरोध में व्यक्त चर्चा जारी रही। अधिष्ठाता जयपाल सिंह व्यस्त ने पांच बजे सदन की बैठक बुधवार अपह्न 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

डेढ़ करोड़ लोगों को खिलाई जाएगी फाइलेरिया बचाव की : ब्रजेश पाठक

● केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने की मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन की शुरुआत, देश भर के 12 राज्यों में अभियान प्रारंभ

विश्ववार्ता ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश में एक करोड़ 40 लाख लोगों को फाइलेरिया बचाव की दवा खिलाने का लक्ष्य रखा गया है। देश के 12 राज्यों के 124 जनपदों में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के साथ संयुक्त रूप से एमडीए अभियान का शुभारंभ हुआ है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने मंगलवार को वर्चुअल माध्यम से इस अभियान की शुरुआत की। यह जानकारी उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने दी।

विधानसभा स्थित सभागार में उपमुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल एवं दूरदर्शी मार्गदर्शन में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एमडीए) अभियान का शुभारम्भ किया। प्रदेश के फाइलेरिया प्रभावित 21 जनपदों के 64 प्लानिंग यूनिटों में वृहद अभियान चलाया जाएगा। अभियान के अंतर्गत 12332 टीमें और 2246 पर्यवेक्षकों को लगाया गया है। उपमुख्यमंत्री श्री पाठक ने बताया कि इस अभियान में उत्तर प्रदेश के फाइलेरिया प्रभावित 21 जनपद शाहजहांपुर, बलिया, बाराबंकी, चित्रकूट, उन्नाव, प्रतापगढ़, अयोध्या, भदोही, हरदोई, कौशांबी, प्रयागराज, सोनभद्र, अबंडेकरनगर, औरैया, बहराइच, बांदा, फतेहपुर, खीरी, लखनऊ, पीलीभीत और रायबरेली के 64 प्लानिंग यूनिटों में अभियान चलाया जाएगा। डिप्टी सीएम ने कहा कि फाइलेरिया के दुष्प्रभाव से मानव जीवन, कार्यक्षमता और उत्पादकता तीनों प्रभावित होते हैं। सभी आयोग्य आयुष्मान केंद्रों पर फाइलेरिया की दवा उपलब्ध है। इस अवसर पर राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह, अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित घोष, डीजी, हेल्थ डॉ. पवन कुमार, एमडी, एनएचएम पिंकी जोएल एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

नोएडा एयरपोर्ट लगभग तैयार : एसके गोयल

नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। यहां टर्मिनल बिल्डिंग से लेकर एयरपोर्ट सर्विलांस रडार और नेविगेशन सिस्टम तक हर प्रकार के उपकरण की व्यवस्था हो चुकी है। उप्र के मुख्य सचिव एसपी गोयल ने अपने एक्स हैंडल पर एयरपोर्ट के कार्य प्रगति का वीडियो भी साझा किया।

मुख्य सचिव की ओर से एक्स पर साझा किए गए वीडियो में एयरपोर्ट के संचालन के लिए जरूरी हर पहलु की प्रगति के बारे में बताया गया है।इनमें एयरपोर्ट की एक्सिस रोड से लेकर ईंधन टैंक, ऑपरेशन सेंटर, जल और सीवेज व्यवस्था, चेक पोस्ट, टर्मिनल बिल्डिंग, घरेलू टर्मिनल काउंटर, ईगेट्स, बैगेज हैंडलिंग, लाउंज, विमानों को खड़ा करने के लिए एप्रन, कार्गो टर्मिनल, सोलर फॉर्म, एटीसी, ग्राउंड हैंडलिंग के वाहनों के लिए सीएनजी पंप, ईवी चार्जिंग स्टेशन, रनवे, नेगिवेशन सिस्टम, टेक्सी-वे इत्यादि के कार्यों को दर्शाया गया है। कुल मिलाकर अब एयरपोर्ट का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। सिर्फ एयरोड्रम लाइसेंस से संबंधित औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं, जो अंतिम चरण में बताई गई हैं। एयरपोर्ट का प्रथम चरण कुल 1334 हेक्टेयर में विकसित हुआ है। एयरपोर्ट के रनवे पर दिसंबर 2024 में इंडिगो के यात्री विमान को उतारकर ट्रायल किया गया था, जो सफल रहा था। वर्ष 2025 में अक्तूबर अंत और नवंबर के पहले सप्ताह में भी रनवे पर छोटे विमान को उतारकर उपकरणों को परखा गया था।

पिछड़ों के आरक्षण पर डाका डाल रही सरकार : लाल बिहारी यादव

विश्ववार्ता ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानमंडल के बजट सत्र के दूसरे दिन आज विधान परिषद में नियम 105 के तहत समाजवादी पार्टी के सदस्यों ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग से विज्ञापित पदों में आरक्षण के नियमों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। इस मौके पर सदस्यों ने विरोध भी जताया।

आज सदन में अपनी बात रखते हुए नेता विरोधी दल लाल बिहारी यादव ने कहा कि भाजपा सरकार पिछड़ों के आरक्षण पर डाका डाल रही है। उन्होंने कहा व्यक्ति के लिए भी समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए आरक्षण की व्यवस्था की गयी है। वर्तमान सरकार अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, शोषित वंचित एवं पिछड़ा वर्ग के हितों के संरक्षण का दिखावा करती है। इस सरकार को इन वर्गों के हितों से कोई लेना-देना नहीं है।

उन्होंने कहा कि आयोग से संचालित विभिन्न भर्तियों में व्याप्त भ्रष्टाचार, अनियमितताओं संविधान प्रदत्त आरक्षण व्यवस्था का खुला उल्लंघन किया जा रहा है। यह विषय न केवल लाखों शिक्षित युवाओं के भविष्य से जुड़ा है बल्कि राज्य की प्रशासनिक निष्पक्षता सामाजिक न्याय और संवैधानिक मूल्यों पर सीधा प्रहार करती है।

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा विज्ञापित पदों में आरक्षण के नियमों का पालन नही किया जा रहा है। उदाहरण के लिए उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग

द्वारा स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी और पशु चिकित्सा अधिकारी के पदों पर विज्ञापन जारी किये गये है। इस विज्ञापन में आरक्षण के नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है।

लाल बिहारी यादव ने कहा स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी के ओबीसी के लिए 221 पदों में 27 प्रतिशत के हिसाब से 60 की जगह पर 20 पद अनुसूचित जाति को 21 प्रतिशत के हिसाब से 46 पद की जगह 21 पद ही दिए गये हैं। इसी तरह पशु चिकित्सा अधिकारियों के 404 पदों पर 27 प्रतिशत ओबीसी के हिसाब से 110 पद मिलने चाहिये थे, लेकिन ओबीसी को शून्य पद मिले । इन सभी विज्ञापनों में ईडब्लूएस को सभी सीटें आवंटित कर दी गयीं। आरक्षण के नियमों का पालन और भर्तियों में भ्रष्टाचार से प्रभावित लोगों में सरकार के प्रति भारी रोष एवं आक्रोश व्याप्त है, लोग आन्दोलित हो रहे हैं।

आरक्षण के प्रावधानों का अक्षरश: पालन कर रही सरकार : केशव

● नेता विरोधी दल के सवाल का जवाब देते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा विपक्ष आरक्षण के नाम पर घड़ियाली आंसू बहा रहा

विश्ववार्ता ब्यूरो

लखनऊ। विधान परिषद में नेता बिरोधी दल लाल बिहारी यादव के पूछे गए प्रश्न के उत्तर में उपमुख्यमंत्री एवं नेता सदन केशव प्रसाद मौर्य ने सरकारी भर्तियों में आरक्षण के विषय पर सरकार का पक्ष स्पष्ट करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार आरक्षण के प्रावधानों का अक्षरशः पालन कर रही है। उपमुख्यमंत्री मौर्य ने सदन को अवगत कराया कि दिनांक 30 फरवरी 2026 को प्रदेश के समस्त विभागों को स्पष्ट निर्देश जारी किए जा चुके हैं, जिनमें यह सुनिश्चित करने को कहा गया है कि सभी भर्तियों में आरक्षण संबंधी नियमों का शत-प्रतिशत पालन किया जाये। किसी भी स्तर पर नियमों की अनदेखी स्वीकार नहीं की जाएगी।

उन्होंने कहा कि यदि किसी भर्ती प्रक्रिया में आरक्षण नियमों के उल्लंघन की शिकायत प्राप्त होती है, तो उसकी निष्पक्ष जांच कराई जाएगी तथा दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। प्रदेश सरकार पारदर्शी, निष्पक्ष और नियम सम्मत भर्ती प्रणाली के माध्यम से युवाओं को समान अवसर देने के लिए संकल्पित है। मौर्य ने विपक्ष, विशेषकर सपा और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग आज आरक्षण के नाम पर घड़ियाली आंसू बहा रहे हैं, उनके शासनकाल में पिछड़ों और दलितों का हक छीनकर केवल एक खास वर्ग और परिवार को लाभ पहुंचाया जाता था। उन्होंने कहा विपक्ष का इतिहास नियुक्तियों में धांधली और भ्रष्टाचार से भरा रहा है, जहां योग्यता और सामाजिक न्याय को दरकिनार कर पर्ची-खर्ची का बोलबाला था। वर्तमान सरकार बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के दिए गए संवैधानिक आरक्षण के प्रावधानों का अक्षरशः पालन कर रही है। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा विपक्ष हार की हताशा में युवाओं को गुमराह करने की कोशिश कर रहा है। जनता उनके आरक्षण विरोधी चेहरे को पहचान चुकी है। हम पिछड़ों और दलितों के हक के लिए प्रतिबद्ध हैं और उनके अधिकारों पर कोई आंच नहीं आने देंगे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकार हर स्तर पर निगरानी रख रही है, ताकि भर्ती प्रक्रियाएं संविधान और कानून के अनुरूप पूरी निष्पक्षता के साथ संपन्न हों।

विद्युत बिल जारी करने में लापरवाही से उपभोक्ता परेशान : पाठक

विश्ववार्ता ब्यूरो

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के विधान परिषद सदस्य विजय बहादुर पाठक ने मंगलवार को विधान परिषद में नियम 111 के अंतर्गत विद्युत बिल के नियमित भुगतान के बावजूद विद्युत बिल में बकाया दर्शाने के विषय को प्रमुखता से उठाया।

विजय बहादुर पाठक ने कहा कि विद्युत बिल जारी करने में हो रही लापरवाही से उपभोक्ता परेशान है। करोड़ों लोग ऐसे हैं जो नियमित विद्युत भुगतान ऑनलाइन भी करते हैं जितने का बिल आया उतना करते हैं उसके बावजूद जब अगला बिल आता है तो उसमें बकाया दर्शाया मिलता है। पाठक ने कहा कि उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड का प्रथम उद्देश्य प्रदेश के प्रत्येक विद्युत उपभोक्ताओं को विश्वस्तरीय, किफायती और निरन्तर विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कराने के साथ ही साथ पारदर्शी और तर्कसंगत टैरिफ के अनुसार विद्युत बिल उपलब्ध कराना है। इस दिशा में बेहतर कार्य भी हो रहा है, निर्बाध विद्युत आपूर्ति के कारण राज्य में आमजन का जनजीवन भी व्यवस्थित हुआ है। किन्तु पावर कॉरपोरेशन द्वारा विद्युत उपभोक्ताओं के साथ बड़े पैमाने पर लापरवाही की जा रही है।

ऊर्जा प्रभार के नाम पर तर्क संगत टैरिफ के अनुसार शहरी और ग्रामीण विद्युत उपभोक्ताओं के विद्युत बिल जारी करने में लापरवाही बरती जा रही है, कई स्थानों पर टैरिफ के आधार पर विद्युत बिल प्रस्तुत नहीं किए जा रहे है।

कार्यालय नगर पंचायत ठिरिया निजावत खाँ बरेली

पत्रांक 824/न०पं०ठि०नि०खाँ०/2025-26 दिनांक- 10/02/2026

ई-निविदा सूचना

नगर पंचायत ठिरिया निजावत खाँ द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में वंदन योजना के अन्तर्गत शासन के पत्र सं0-5430/2025/001-Com.No. 1954407 नगर विकास अनुभाग-1 लखनऊ दिनांक 24 नवंबर 2025 को प्रशासनिक / वित्तीय स्वीकृति उपरान्त से निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ठेकेदारों से ई-टेण्डरिंग की वेबसाइट www.etender.up.nic.in पर निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि निविदा डालने से पूर्व निविदा की शर्तों को ध्यानपूर्वक अध्ययन कर ले।

टेन्डर	प्रारम्भ दिनांक	समय
Tender Release	11-02-2026	10:00 AM
Tender Downlond	11-02-2026	11:10 AM
Bid Submission	11-02-2026	11:30 AM
Close for Bid	05-03-2026	11:00 AM
Bid Opening	05-03-2026	01:00 PM

नोट- निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण www.etender.up.nic.in देखें व डाउनलोड किये जा सकते है। जहां पर उपलब्ध है।

अधिशासी अधिकारी
न0पं0 ठिरिया निजावत खाँ
बरेली

अध्यक्ष
न0पं0 ठिरिया निजावत खाँ
बरेली

एक नजर

फोन बजने पर भड़के विधानसभा अध्यक्ष

लखनऊ। यूपी विधानमंडल में आज बजट सत्र का दूसरा दिन था। सदन में दिवंगत विधायकों को श्रद्धांजलि दी जा रही थी। तभी 2 विधायकों के मोबाइल फोन बजने लगे। इस पर स्पीकर सतीश महाना भड़क गए। उन्होंने तुरंत सिक्योरिटी बुलाई और विधायकों की ओर इशारा करते हुए कहा- दोनों माननीय सदस्यों से टेलीफोन ले लो, वो जो पीछे टोपी वाले बैठे हैं। बताया जा रहा कि भाजपा के फतेहपुर सीकरी विधायक चौधरी बाबूलाल और एक अन्य विधायक के मोबाइल बज रहे थे।

केशव बोले- सपा का चरित्र 'मीठा-मीठा गप और तीखा-तीखा थू वाला है...

लखनऊ। विधान परिषद में सपा विधायकों के सवालों पर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा- मीठा-मीठा गप और तीखा-तीखा थू वाला है समाजवादी पार्टी का चरित्र है। हम आरक्षण के मामले में किसी तरह की गड़बड़ी के पक्ष में नहीं रहते हैं। विधायकों ने जो मुद्दा उठाया है हम उसकी जांच करेंगे। बाकी सपा का चरित्र नहीं बदल सकता। पहले तो वह एक ही वर्ग को सारा लाभ देते थे। हमने साढ़े 8 लाख पदों पर सरकारी नौकरी दी। हमने नकल माफियाओं पर कार्रवाई की। मैं आश्वासन देता हूं कि हर भर्ती में 60 फीसदी आरक्षण का पूरा पालन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आरक्षण में गड़बड़ी करने वालों को उल्टा लटका देंगे।

दिव्यांगजन पेंशन तीन गुना बढ़ी, कोई भी पात्र वंचित नहीं:नरेंद्र कश्यप

लखनऊ। प्रदेश के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेन्द्र कश्यप ने विधानपरिषद में पूछे गए प्रश्नों एवं जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए कहा कि योगी सरकार दिव्यांगजनों के सशक्तीकरण, पारदर्शिता और समयबद्ध लाभ सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा किया कि विभाग की सभी योजनाएं ऑनलाइन, पारदर्शी और दलाल-मुक्त प्रणाली के तहत संचालित की जा रही हैं। मंत्री कश्यप ने सदन को अवगत कराया कि दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग से संचालित विशेष विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में वर्ष 2011 में चयनित जेटीसी ग्रेड शिक्षकों में से एलटी ग्रेड शिक्षक के नौ रिक्त पदों पर पदोन्नति के अध्याचन दिनांक 16 जुलाई 2025 को तथा एलटी ग्रेड से प्रवक्ता के 28 पदों के सापेक्ष अध्याचन दिनांक 12 दिसंबर 2022 को उप्र लोक सेवा आयोग को प्रेषित किए जा चुके हैं, जिन पर वर्तमान में कार्रवाई प्रक्रियाधीन है। उन्होंने सदन के माध्यम से यह भी स्पष्ट किया कि वितरण कार्यक्रमों में वरिष्ठ अथवा कनिष्ठ सभी जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाना अनिवार्य है। यदि भविष्य में किसी अधिकारी पर ऐसा न किए जाने की शिकायत प्राप्त होती है, तो उसके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। मंत्री नरेन्द्र कश्यप ने बताया आकांक्षी जनपद सिद्धार्थनगर में 31 जनवरी 2026 तक कुल 24,414 दिव्यांगजनों को यूडीआईडी कार्ड जारी किए जा चुके हैं।

संस्कृत महाविद्यालयों के शिक्षकों के साथ हो रहा सौतेला व्यवहार : ध्रुव

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानमंडल बजट सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को विधान परिषद में संस्कृत महाविद्यालयों के शिक्षकों के स्थानान्तरण का मुद्दा छाया रहा। आजादी के 79 वर्ष के बाद भी संस्कृत महाविद्यालय के शिक्षक स्थानान्तरण की सुविधा से वंचित हैं।

शिक्षक एमएलसी ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने सदन को अवगत कराते हुए कहा कि प्राच्य भाषा एवं देववाणी के ध्वजवाहक संस्कृत महाविद्यालयों के शिक्षकों के साथ यह सनातनी सरकार सौतेला व्यवहार कर रही है। सनातनी परम्परा की विचारधारा वाली प्रदेश सरकार के रहते एकल स्थानान्तरण ऑनलाइन व ऑफलाइन अभी तक प्रभावी नहीं हो सका है।

इन्वेस्टर समिट के माध्यम से धरातल पर उतरी यूपी में 16,478 इकाइयां : नन्दी

विश्ववार्ता ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा बजट सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को उप्र सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने विधान परिषद में विधान परिषद सदस्य डॉ. मान सिंह यादव एवं आशुतोष सिन्हा के पूछे गए तारांकित प्रश्नों का जवाब दिया। प्रश्नों का उत्तर देते हुए प्रदेश की औद्योगिक नीतियों, ऐतिहासिक उपलब्धियों एवं निवेशोन्मुख वातावरण से अवगत कराया।

मंत्री नन्दी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में आज प्रदेश में औद्योगिक क्रान्ति ने गति पकड़ी है। उत्तम प्रदेश के संकल्प के साथ उत्तर

प्रदेश अपने निर्धारित लक्ष्यों की ओर निरंतर अग्रसर है। इलाहाबाद-झांसी खण्ड स्नातक विधान परिषद सदस्य डॉ. मान सिंह यादव ने तारांकित प्रश्न के माध्यम से पूछा था कि प्रदेश में इन्वेस्टर समिति के माध्यम से कितनी कम्पनियों ने भाग लिया है और उनमें से कितनी कम्पनियों ने अपना उद्योग स्थापित करते हुए कार्य शुरू किया।

पूर्व सरकारों ने किसानों को वोट बैंक समझा : चौधरी

सुलतानपुर में किसान संवाद में कहा- भाजपा सरकार पिछली सरकारों के पाप धो रही है

विश्ववार्ता ब्यूरो

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश के जिला सुलतानपुर में भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने किसानों को सम्बोधित करते हुए कहा कि भाजपा के शासन में किसान सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। सरकार उनकी हर समस्या के समाधान के लिए उनके साथ खड़ी है। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती सरकारों ने किसानों की अनदेखी की और उन्हें केवल वोट बैंक समझा। वर्तमान भाजपा सरकार पिछली सरकारों के पाप धोने का काम कर रही है।

पीपी कमैचा ब्लॉक स्थित कोथरा मेला वाली बाग में मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा ने किसान संवाद कार्यक्रम आयोजित किया। केंद्र और प्रदेश सरकार की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए किसानों को समृद्धि का

आधार बताया। उन्होंने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि और फसल बीमा योजना जैसी योजनाओं पर चर्चा की । उन्होंने बताया कि इन योजनाओं के माध्यम से पैसा सीधे किसानों के खातों में पहुंच रहा है, जिससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त हो गई है। श्री चौधरी ने 2026-27 के केंद्रीय बजट को किसानों के सपनों को पूरा करने वाला बताया। उन्होंने कहा कि यह बजट किसानों की आय बढ़ाने और खेती को आधुनिक बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने खेती को देश की अर्थव्यवस्था का मजबूत आधार बताते हुए आधुनिक तकनीक अपनाने और खेती में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग पर जोर दिया। तकनीक से किसान खाद, मौसम और दवाइयों के छिड़काव की सटीक जानकारी प्राप्त कर सकेंगे, जिससे लागत कम होगी और उपज बढ़ेगी। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं और किसानों को आगामी चुनावों के लिए सक्रिय होने का आह्वान किया और बूथ विजय का संकल्प दिलाया। उन्होंने 2030 तक भारत को काजू और कोको जैसे उत्पादों में एक ग्लोबल ब्रांड बनाने के सरकार के संकल्प को भी दोहराया।

कार्यालय- उपनिदेशक (निर्माण), राज्य कृषि उत्पादन मण्डी परिषद, उ0प्र0 नवीन मण्डी स्थल, पीलीभीत रोड, बरेली

पत्रांक-नि0ख0 बरेली/(निविदा)/2026- 1721 दिनांक- 10/02/2026

ई-निविदा सूचना

मण्डी परिषद निर्माण खण्ड बरेली क्षेत्रान्तर्गत अधोलिखित तालिका में अंकित कार्यों के प्रविधानित बजट के अनुसार गढढामुक्तिकरण योजनान्तर्गत मरम्मत कार्यों हेतु वित्तीय रूप से सुदृढ़ एवं अनुभवी मण्डी परिषद में पंजीकृत ठेकेदारों से ई-निविदा दिनांक 06.03.2006 को अपरान्ह 3.00 बजे तक आनलाइन आमंत्रित की जाती है। ऑनलाइन निविदा वेबसाइट- https:etender.up.nic.in पर दिनांक 06.03.2026 के अपरान्ह 3.00 बजे तक डाउनलोड कर अपलोड की जा सकती है। निविदा की तकनीकी बिड दिनांक 06.03.2026 को सायं 5.00 बजे एवं तकनीकी बिड उपयुक्त पाये जाने के उपरान्त वित्तीय बिड अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में खोली जायेगी। उक्त निर्धारित तिथि को सार्वजनिक अवकाश घोषित हो जाने की स्थिति में अगले कार्य दिवस में उक्त निर्धारित समय के अनुसार ही तकनीकी बिड व वित्तीय बिड खोली जायेगी। कार्य का विवरण निम्नानुसार है।

क्र. सं.	कार्य का विवरण	कार्य की लागत (लाख में) जीएसटी सहित	कार्य की अनुरक्षण लागत (लाख में) जीएसटी सहित	निविदा का मूल्य 18% जीएसटी सहित	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (माह में)	पंजीकरण श्रेणी
1	मण्डी समिति शाहजहांपुर के क्षेत्रान्तर्गत सं0 मार्ग पीलीभीतरोड ढकिया तिवारी अवशेष भाग (ग्राम परसरा परसरी मोड विलन्दनगर) तक मरम्मत कार्य। चैनेज 7.10 से 995 कि0मी0 (लं0 285 कि0मी0)	61.03	4.15	11600.00	5.26	3 माह	'स'

नोटः-
1- बिड सिक्योरिटी हेतु निर्धारित धरोहर धनराशि, उपनिदेशक (निर्माण) मण्डी परिषद, बरेली के पदनाम भारतीय स्टेट बैंक, एकता नगर, बरेली आई0एफ0एस0सी0 कोड-SBIN0005362 के खाता सं0-30394479771 में तथा निविदा प्रपत्र मूल्य सम्बन्धी नॉन रिफन्डेबिल शुल्क खाता सं0 -30394479590 में जमा कराकर रसीद ई-निविदा के साथ पोर्टल पर अपलोड कराना अनिवार्य है।
2- ई-निविदा स्वीकृत/अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार निदेशक (निर्माण) मण्डी परिषद, बरेली को होगा।
3- मण्डी परिषद मुख्यालय के आदेश पत्रांक- मु0अभि0गेड-2/(1168)/2022-041 दिनांक 11.08.2022 में उल्लिखित व्यवस्था एवं शर्तों के अधीन केवल 'अ' एवं 'ब' श्रेणी में पंजीकरण भवन कार्य के लिये भवन का पंजीकरण एवं मार्ग विकास कार्यों के लिये मार्ग विकास कार्यों का पंजीकरण होना अनिवार्य होगा तदानुसार निर्धारित नियमों के अनुरूप प्रतिभाग करेंगे।
4- परिषद पत्रांक मु0अभि0-2(1168/भाग-4/2005)/2022-1190 दिनांक 17.11.2022 द्वारा निविदाओं की पारदर्शिता बनी रहे तथा और अधिक प्रतिस्पर्धात्मक दरें प्राप्त हो सके, हेतु अन्य विभागों में पंजीकृत ('अ' श्रेणी, 'ब' श्रेणी) तथा विभाग में 'अ', 'ब', 'स' श्रेणी के पंजीकृत ठेकेदार Standard Bidding Documents (SBD) में Qualification of Bidders के section 4.6 में दी गई व्यवस्था के अनुसार निविदाओं में प्रतिभाग कर सकेंगे।
5- निविदा के साथ टी-4, टी-5, टी-6 तथा जी0एस0टी, पेन कार्ड की फोटो प्रति नोटरी के द्वारा सत्यापित कर अण्डर टेकिंग के साथ संलगन करना होगा तथा निविदा प्रपत्र के साथ अपलोड करना अनिवार्य होगा।
6- मण्डी परिषद में पंजीकृत (अ) श्रेणी के ठेकेदार समस्त श्रेणी एवं (ब) श्रेणी के पंजीकृत 'ब', 'स', एवं 'द' श्रेणी तथा 'स' श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार जोन में 'स' एवं 'द' श्रेणी तथा 'द' श्रेणी के पंजीकृत ठेकेदार मात्र 'द' श्रेणी की निविदाओं में प्रतिभाग कर सकेंगे।
7- 'द' श्रेणी की निविदाओं में 'द' श्रेणी में पंजीकृत अनुभव रहित ठेकेदार 20.00 लाख एवं अनुभवी ठेकेदार 40.00 लाख तक की निविदाओं मो भाग ले सकेंगे।
8- ठेकेदार को निविदा के साथ रू0 10.00 स्टाम्प पेपर पर पंजीकरण के विरुद्ध वर्तमान में निर्माणाधीन अवशेष कार्यों की लागत का विवरण संलग्न करना होगा।
9- निविदा के साथ 100.00 स्टाम्प पेपर रू0 1.00 रसीदी टिकट लगा हुआ तीन माह की वैधता अवधि के लिए लिखकर देना होगा।
10- निविदा टी-1 में टी-2 के अन्तर्गत वर्णित नियमों के अनुसार ही निविदा माग्य होगी।
11- अनुबंध में निर्धारित कार्य समाप्ति की तिथि तक कार्य पूर्ण करना होगा, यदि निर्धारित कार्य समाधि की तिथि तक कार्य पूर्ण नहीं किया जाता है तो टी-1 एवं टी-2 के अनुसार विलम्ब हेतु अर्थदण्ड अरोपित किया जायेगा। अकारण विलम्ब करने पर कोई दावा मान्य नहीं होगा।
12- मुख्य नियम व शर्त एवं सामान्य नियम व शर्ते कार्यालय अवधि में तथा वेबसाइट www.etender.up.nic.in पर एवं उक्त निर्धारित अवधि में कार्यालय/ऑनलाइन देखी/डाउनलोड की जा सकती है।

उपनिदेशक (निर्माण)
मण्डी परिषद, बरेली

विधायक पल्लवी पटेल की पुलिस से झड़प, गिरफ्तार

अपना दल कमेरावादी के साथ विभिन्न संगठनों ने निकाला मार्च, विधायक का दावा यूजीसी रेगुलेशन लागू होने तक प्रदेश में चलेगा आंदोलन

विश्ववार्ता संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ में पुलिस और पल्लवी पटेल के बीच आज झड़प हो गई। पल्लवी यूजीसी इक्विटी रेगुलेशन 2026 के समर्थन में सैकड़ों लोगों के साथ पैदल मार्च निकाल रही थीं। उनके साथ सैकड़ों महिलाएं इस मार्च में शामिल थीं। महिलाओं संग वह आईटी चौराहे से निकलीं और यहां से विधानसभा तक जाना था।

मार्च जब रिजर्व पुलिस लाइन के पास से गुजरने लगा तो पुलिस ने पल्लवी पटेल को रोक दिया। वहां बड़ी-बड़ी कंटीली बैरिकेडिंग की गई थी। पल्लवी ने इस पर चढ़ने की कोशिश की तो पुलिस ने रोका। इस दौरान पुलिस और पल्लवी के बीच झड़प हो गई। झड़प के बाद वह सड़क पर ही धरने पर बैठ गईं। पुलिस काफी देर तक समझाती रही लेकिन पल्लवी वहां से हटने को तैयार नहीं हुईं। करीब 15 मिनट की मान-मनौव्वल के बाद पुलिस ने एक-एक सभी कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। इस दौरान सबको गाड़ियों में बैठा दिया गया, लेकिन पल्लवी सड़क पर लेट गईं। उन्हें पुलिस की गाड़ी तक ले जाने में मशक्कत करनी पड़ी। वह गाड़ी तक तो किसी तरह पहुंचीं, लेकिन गाड़ी के गेट पर अड़ गईं। महिला पुलिसकर्मी ने उनको हाथ और पीठ के सहारे अंदर करने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं जा रही थीं।

इसके बाद उनके बाल पकड़कर गाड़ी के अंदर डाल दिया। अपना दल कमेरावादी की शीर्ष नेता व सिराथू विधायक डॉ. पल्लवी पटेल ने जारी बयान में कहा कि जाति लिंग धर्म या अक्षमता के आधार पर उच्च शिक्षण संस्थानों में हो रहे भेदभाव एवं उत्पीड़न की घटनाओं में लगातार बढ़ोतरी को देखते हुए, सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के मुताबिक विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विनियम 2026 लाया गया। जिसे तथ्यों और तर्कों के आधार पर समझने की बजाय कुतर्कों के आधार पर प्रायोजित विरोध की आड़ में न्यायिक प्रक्रिया में ले जाकर फंसा दिया गया।

पीजीआई के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. सत्येंद्र तिवारी सम्मानित

विश्ववार्ता संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना ने मंगलवार को यहां विधान भवन स्थित अपने कक्ष में एसजीपीजीआई के वरिष्ठ प्रोफेसर डाक्टर सत्येंद्र तिवारी को सम्मानित किया। डाक्टर तिवारी नेशनल कार्डियोलॉजी सोसायटी आफ इंडिया (सीएसआई) के नेशनल प्रेसीडेंट चुने गये हैं। वह सीएसआई के उत्तर प्रदेश से पहले अध्यक्ष हैं। इसी उपलक्ष्य में कनाडा स्थित फ्रीडम फ्राम पावर्टी फाउंडेशन तथा भारत स्थित उसकी सहयोगी संस्था फ्रीडम फ्राम पावर्टी ट्रस्ट के सौजन्य से श्री महाना ने डाक्टर तिवारी को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष डॉ. शिवेन्द्र धर द्विवेदी (कनाडा) व ट्रस्ट के उपाध्यक्ष हेमंत कुमार दीक्षित ने श्री महाना को सामाजिक सेवा एवं जनकल्याण संबंधी पहल में उनके सतत मार्गदर्शन और सहयोग के प्रति कृतज्ञता स्वरूप एक स्मृति चिह्न भेंट किया।

डाक्टर द्विवेदी ने कहा कि डॉ. तिवारी को सीएसआई का अध्यक्ष चुना जाना उत्तर प्रदेश के लिए अत्यंत गौरव का विषय है। वह इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संस्था के पहले अध्यक्ष हैं, जो उत्तर प्रदेश से हैं। यह उपलब्धि न केवल कार्डियोलॉजी क्षेत्र, बल्कि पूरे राज्य और देश के चिकित्सा समुदाय के लिए गर्व का विषय है।

विधानसभा अध्यक्ष श्री महाना ने संस्था द्वारा सामाजिक एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में किये जा रहे कार्यों की सराहना की तथा जनहित में ऐसे प्रयासों के प्रति शुभकामनाएँ व्यक्त कीं।

एक नजर

सेवानिवृत्त अधिकारी के निधन पर पुलिस मुख्यालय में शोक सभा

लखनऊ। राजधानी में सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी अखिलेश मेहरोत्रा के निधन पर मंगलवार को गोमती नगर स्थित पुलिस मुख्यालय पर शोक-सभा का आयोजन किया गया। पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारीगणों ने दिवंगत पुलिस अधिकारी को श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री मेहरोत्रा का निधन विगत तीन फरवरी को हुआ था। अधिकारियों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण करते हुए उन्हें श्रृद्धा सुमन अर्पित किए। डीजीपी ने कहा स्वर्गीय अखिलेश मेहरोत्रा ने सेवाकाल में पूर्ण निष्ठा व लगन से कार्य सम्पादित कर पुलिस विभाग को गौरवान्वित किया है। स्वर्गीय अखिलेश मेहरोत्रा का लगभग 32 वर्षों से अधिक का सेवाकाल उपलब्धियों से भरा रहा है। सेवाकाल के दौरान उन्हें गणतंत्र दिवस 2000 के अवसर पर दीर्घ एवं सराहनीय सेवाओं के लिये पुलिस पदक से सम्मानित किया गया। स्वर्गीय अखिलेश मेहरोत्रा जी अपनी उपलब्धियों के लिये सदैव हमारी स्मृति में बने रहेंगे।

पेड़ से टकराई बाइक युवक की मौत

लखनऊ। गोसाईगंज क्षेत्र के एक युवक की बाइक सतरिख बाराबंकी क्षेत्र में पेड़ से टकराने के कारण युवक की मौत हो गई। पोस्टमार्टम के बाद मृतक का अंतिम संस्कार कर दिया गया। गोसाईगंज के भमरौली गांव निवासी मनोहरलाल यादव के पुत्र सत्येंद्र यादव सोमवार को देर शाम बाराबंकी के सतरिख क्षेत्र में स्थित देबिहा गांव बारात में गए थे। दावत से वापस लौटते समय देआत नगर गांव के पुल के पास उनकी बुलेट मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर सड़क के नीचे जाकर पेड़ से टकरा गई। गंभीर रूप से घायल सत्येंद्र यादव 30 को ट्रामा सेंटर ले जाया गया जहां उनकी मौत हो गई। पीछे बैठा साथी भी घायल हो गया। पोस्टमार्टम के बाद मृतक का अंतिम संस्कार कर दिया गया।

ग्रीन कॉरिडोर के नीचे बनेंगे स्पोर्ट्स एरीना

एलडीए बच्चों के खेल-कूद, ओपन जिम के साथ ही बनाएगा बैडमिंटन-बास्केटबॉल कोट

विश्ववार्ता संवाददाता

लखनऊ। राजधानी में बन रहे ग्रीन कॉरिडोर के नीचे खाली पड़ी जगहों को अब खेल और मनोरंजन के लिए विकसित किया जाएगा। लखनऊ विकास प्राधिकरण डालीगंज पुल, हनुमान सेतु और निशातगंज पुल के पास तीन स्थानों पर स्पोर्ट्स एरीना विकसित करेगा। इनमें बैडमिंटन, बास्केटबॉल, टेनिस, पिकेल बॉल और बॉक्स क्रिकेट जैसी सुविधाएं होंगी। इसके साथ ही बच्चों के लिए किड्स प्ले एरिया और युवाओं के लिए ओपन जिम भी बनाया जाएगा।

मंगलवार को प्राधिकरण उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने समतामूलक चौक से डालीगंज तक बन रहे ग्रीन कॉरिडोर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को इन स्थानों पर खेल और मनोरंजन से जुड़ी सुविधाएं विकसित करने के निर्देश दिए। उपाध्यक्ष ने बताया ग्रीन कॉरिडोर के नीचे काफी जगह खाली है, जिसका उपयोग लोगों की जरूरतों को देखते हुए किया जा सकता है। हाल ही में गोमती नगर स्थित ग्वारी फ्लाईओवर के नीचे स्पोर्ट्स एरीना विकसित किया गया है, जहां बास्केटबॉल और बैडमिंटन की सुविधा है। उसी मॉडल पर ग्रीन कॉरिडोर के नीचे भी खेल सुविधाएं विकसित की जाएंगी।

इसी महीने खुलेगा ग्रीन कॉरिडोर

समतामूलक चौक से डालीगंज पुल तक ग्रीन कॉरिडोर का निर्माण अंतिम चरण में है। इसी महीने लोकार्पण के बाद इसे आम लोगों के लिए खोल दिया जाएगा। निरीक्षण के दौरान उपाध्यक्ष ने नए चौराहों पर स्कल्पचर लगाने और रोड मीडियन पर पौधरोपण कराने के निर्देश दिए। साथ ही निशातगंज से हनुमान सेतु के बीच डबल आर्म स्ट्रीट लाइट लगाने को कहा।

उर्मिला वन-रिवर फ्रंट के लिए बनेगी स्लिप रोड

कुकरैल नदी के पास लगभग 18 एकड़ क्षेत्र में विकसित किए जा रहे उर्मिला वन तक फिलहाल बंधा रोड ही एकमात्र रास्ता है, जो काफी संकरा है। निरीक्षण के दौरान उपाध्यक्ष ने कुकरैल नदी की ओर से उर्मिला वन और रिवर फ्रंट को जोड़ने के लिए स्लिप रोड बनाने के निर्देश दिए। इससे इन दोनों स्थानों तक पहुंच आसान होगी और क्षेत्र की उपयोगिता भी बढ़ेगी। निरीक्षण के दौरान अधीक्षण अभियंता नवनीत शर्मा, पीआईयू प्रभारी एके सिंह सेंगर, अधिशासी अभियंता अजीत सिंह सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

खाटू श्याम मंदिर के पास बनेगी पार्किंग और वेंडिंग जोन

निरीक्षण में पाया गया कि खाटू श्याम मंदिर के पास सड़क किनारे वाहन खड़े हो रहे हैं और पूजन सामग्री की अस्थायी दुकानें लगती हैं। इस पर उपाध्यक्ष ने मंदिर परिसर के पास पार्किंग और वेंडिंग जोन विकसित करने के निर्देश दिए, ताकि सड़क पर अतिक्रमण न हो और यातायात सुचारु रहे।

पार्षद पति भूमाफिया है: बेदीराम

विश्ववार्ता संवाददाता

> भरवारा में नाला कब्जा मामले में विधायक पार्षद विवाद गहराया, नगर निगम पहुंचे सुभासपा विधायक ने दी अपनी सफाई कहा मुख्यमंत्री से करूंगा शिकायत

लखनऊ। गोमती नगर के खरगापुर इलाके में नाले की जमीन पर कब्जे को लेकर बवाल मचा हुआ है। सुभासपा के विधायक और महिला पार्षद आमने-सामने है। मंगलवार को सपा महिला पार्षद ममता रावत की शिकायत लेकर सुभासपा विधायक बेदी राम लखनऊ नगर निगम ऑफिस पहुंचे। यहां विधायक ने कहा मैंने किसी को गाली नहीं दी है। न ही वायरल वीडियो में मेरी आवाज है।

स्थानीय पार्षद ममता रावत के पति गौतम रावत भू-माफिया हैं। उन्होंने प्रॉपर्टी डीलर टीएस मनराल के साथ मिलकर अवैध रूप से सरकारी जमीनों को बेंच दिया है। मैंने सीएम योगी से मुलाकात कर भरवारा गंगोत्री विहार में अवैध प्रॉपर्टी डीलर्स के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। आरोप है कि भू-माफिया पार्षद पति के गोमती नगर में एमजी ग्रैंड होटल और ममता पैलेस नाम से अवैध प्रॉपर्टी हैं। मौके पर नगर आयुक्त गौरव कुमार के नहीं होने से विधायक वापस लौट गए। विधायक बेदी राम ने कहा अगर कब्जा किया होता तो मुद्दा विधानसभा में नहीं उठाता। मेरा 1034 नंबर प्लाट है। मैंने जो लॉन बनाया है, उसे गरीब असहाय को कल्याण के लिए देता हूं। जिसको शादी करने की जगह नहीं है, उसको फ्री में देता हूं।

उन्होंने कहा कि उन्हें नगर निगम नहीं बदनाम कर रहा है, सपा के पार्षद ऐसा कर रहे हैं। स्थानीय भाजपा विधायक योगेश शुक्ला के मौके पर जाने पर उन्होंने कहा कि उनसे बात की गई। उन्हें गलत बताया गया था। विधायक ने कहा कि उनकी तरफ से किसी भी नाले को नहीं कब्जाया गया है। सरकारी नाला कहीं और से है। न कि उनके मैरिज लॉन के बगल से। मामले में सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर कार्रवाई की मांग की है। पूरे घटनाक्रम की जानकारी सीएम को दी है। विपक्षी दल की पार्षद ममता रावत के पति बदनाम करने की साजिश कर रहे हैं। जमीन पर अतिक्रमण, नाले को बदलने कथित भू-माफिया, प्रापर्टी डीलर का मुद्दा विधान सभा नियम 51 के तहत जनता के समर्थन में उठा चुके हैं।

जवाहरलाल नेहरू इंटर कॉलेज में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर बच्चों को कृमिनाशक दवा का वितरण

विश्ववार्ता संवाददाता

नगराम, लखनऊ। नगराम क्षेत्र के बहरौली स्थित जवाहरलाल नेहरू इंटर कॉलेज में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अवसर पर मंगलवार को छात्र-छात्राओं को कृमिनाशक गोलियों का वितरण किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य अनिल कुमार वर्मा द्वारा कुछ विद्यार्थियों को एल्बेंडाजोल की गोली खिलाकर किया गया। प्रधानाचार्य अनिल कुमार वर्मा ने इस अवसर पर बताया कि राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस प्रत्येक वर्ष 10 फरवरी एवं 10 अगस्त को मनाया जाता है। इसका उद्देश्य 1 से 19 वर्ष तक के बच्चों को कृमि संक्रमण से मुक्त करना है, ताकि उनका शारीरिक एवं मानसिक विकास बेहतर ढंग से हो सके।

उन्होंने कहा कि कृमि संक्रमण बच्चों में एनीमिया, कुपोषण और कमजोरी का बड़ा कारण बनता है, जिससे उनकी पढ़ाई और दैनिक गतिविधियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।विद्यालय प्रशासन द्वारा बच्चों को दवा के साथ-साथ स्वच्छता एवं व्यक्तिगत साफ-सफाई के महत्व की जानकारी भी दी गई। बच्चों को हाथ धोने, साफ पानी पीने, खुले में शौच न करने तथा आसपास स्वच्छता बनाए रखने की सलाह दी गई, जिससे कृमि संक्रमण की रोकथाम की जा सके।कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों ने बताया कि कृमिनाशक दवा से बच्चों में खून की कमी दूर होती है, पोषण स्तर सुधरता है और ऊर्जा बढ़ती है। इससे बच्चों की एकाग्रता क्षमता और सीखने की गति में सुधार होता है, जिसका सीधा असर उनकी शैक्षिक प्रगति पर पड़ता है।इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय स्टाफ का सराहनीय सहयोग रहा।

राजनीति का उद्देश्य सत्ता नहीं, समाज सेवा : डॉ . नीरज

विश्ववार्ता संवाददाता

लखनऊ। पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने समाज के वंचित, गरीब और पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए जीवनभर कार्य किया। उनकी शिक्षाएं और आदर्श आज भी हमारे लिए प्रेरणास्रोत हैं। यह बात पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि की पूर्व संध्या पर भाजपा वरिष्ठ नेता डॉ.नीरज सिंह ने क्षत्रिय लोधी राजपूत सभा की ओर से बुद्धेश्वर चौराहा स्थित लोधी भवन में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि कही। उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

इस अवसर पर डॉ.नीरज सिंह ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने भारतीयता और भारत के मूल्यों पर गहन चिंतन के आधार पर एकात्म मानवदर्शन जैसा मूल्यवान वैचारिक दर्शन प्रतिपादित किया जो भारतीय राजनीति और समाज के लिए दिशा-निर्देशक सिद्ध हुआ। नीतियां व विचार चाहे वह स्वदेशी हो, आर्थिक क्षेत्र हो, कृषि, कुटीर उद्योगों का सशक्तीकरण हो, या विकेंद्रीकरण की अवधारणा हो, आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं। एकात्म मानववाद वह समग्र दर्शन है, जिसका व्यावहारिक लक्ष्य अंत्योदय है वह मानते थे कि हमारी समस्त व्यवस्थाएं मानव-केंद्रित होनी चाहिए उनका आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक दर्शन भारतीयता के मूल्यों से प्रेरित था। उन्होंने कहा कि दीनदयाल के विचारों को आदर्श मानने वाली पार्टी ने आज सत्ता में होते हुए उनके अंत्योदय और आत्मनिर्भर भारत के सिद्धांत को शासन की मुख्य धुरी बना लिया है पिछले एक दशक में आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में भारत ने कई असाधारण उपलब्धियां हासिल की हैं। रक्षा क्षेत्र में जो राष्ट्र कभी विदेशी शक्तियों पर आश्रित था, आज वह स्वदेशी युद्धपोत, तेजस जैसे अत्याधुनिक लड़ाकू विमान और ब्रह्मोस जैसी मारक मिसाइलें बना रहा है। डिजिटल क्रांति भी आत्मनिर्भर भारत की बड़ी सफलताओं में से एक है। कार्यक्रम में जिला लोधी क्षत्रिय राजपूत सभा लखनऊ अध्यक्ष संजय कुमार वर्मा, संरक्षक रामकुमार वर्मा, अमर सिंह लोधी, महेंद्र राजपूत, दिनेश प्रताप सिंह, जगन्नाथ लोधी, ब्रह्मानंद लोधी, राम शंकर राजपूत, जिला महामंत्री भारत सिंह राजपूत, ब्रजलाल लोधी, संरक्षक राजेंद्र सिंह लोधी उर्फ राजू, अमर सिंह लोधी, राजेंद्र जी, कुमकुम राजपूत, राम प्रसाद वर्मा, किशन कुमार, रामस्वरूप वर्मा, जयपाल सिंह लोधी, ब्रह्मानंद लोधी, राजेंद्र सिंह लोधी प्रधान सहित बड़ी संख्या सामाजिक जन उपस्थित रहें।

अमेरिका–भारत समझौता किसान विरोधी :सुनील सिंह

विश्ववार्ता संवाददाता

लखनऊ। लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी सुनील सिंह ने मंगलवार को किसान संगठनों के साथ एक आपात बैठक बुलाई, जिसमें किसान संगठन के नेताओं ने अमेरिका के दबाव में किए जा रहे तथाकथित भारत–अमेरिका व्यापार समझौते को किसान विरोधी, संविधान विरोधी और राष्ट्र विरोधी बताया। इस बैठक में लोकदल के पदाधिकारी और संगठनों के वक्ताओं ने कहा कि यह समझौता देशहित में नहीं, बल्कि दबाव में आए प्रधानमंत्री की राजनीतिक मजबूरी का परिणाम है, जिसकी कीमत भारतीय किसान चुका रहा है। यह समझौता भारतीय कृषि को तबाह करने की एक सोची-समझी साज़िश है।

किसान नेताओं ने कहा कि जहां अमेरिका में एक किसान को हर साल 60 लाख से दो करोड़ रुपए तक की सरकारी सब्सिडी, आधुनिक तकनीक, सस्ती बिजली, सस्ता डीज़ल और पूरी सरकारी सुरक्षा मिलती है, वहीं भारत का किसान महंगे बीज, महंगी खाद, महंगे डीज़ल, कर्ज़ और बिना एमएसपी की कानूनी गारंटी के खेत में खड़ा है।

ऐसी स्थिति में शून्य आयात शुल्क पर अमेरिकी कृषि उत्पादों को भारत में खोलना और भारतीय किसानों पर 18 से 28 प्रतिशत तक निर्यात शुल्क थोपना प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि सीधा आत्मसमर्पण है। लोकदल किसान संगठन ने स्पष्ट कहा कि यह समझौता किसान, संविधान और राष्ट्र विरोधी है। इसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। आपात बैठक में देश के वरिष्ठ किसान नेताओं ने एक स्वर में संघर्ष का एलान किया है।

महाशिवरात्रि पर शिव मंदिरों में व्यवस्थाएं करें दुरुस्त : विशाख जी

डीएम ने आलाधिकारियों के साथ मनकामेश्वर व बुद्धेश्वर मंदिर का किया निरीक्षण, दिये निर्देश

विश्ववार्ता संवाददाता

लखनऊ। महाशिवरात्रि पर्व पर शहर के सभी शिव मंदिरों के आस-पास नागरिक सुविधाओं का व्यापक इंतजाम किया जाए। जाम से बचने, साफ-सफाई, पर्याप्त रोशनी आदि की व्यवस्था के साथ ही नागरिकों की सुविधाओं का बेहतर इंतजाम किया जाए। यह निर्देश जिलाधिकारी विशाख जी व संयुक्त पुलिस आयुक्त बबलू कुमार ने डालीगंज स्थित मनकामेश्वर र और पारा स्थित बुद्धेश्वर मंदिर का निरीक्षण कर दिए है।

डालीगंज स्थित मनकामेश्वर मंदिर पहुंच कर जिलाधिकारी व संयुक्त पुलिस आयुक्त ने मंदिर तक के रूट का भ्रमण और मंदिर परिसर का भ्रमण किया । जिलाधिकारी ने नगर निगम को निर्देश दिए कि मंदिर के पहुंच मार्ग पर जो स्ट्रीट लाइट लगी है सबकी चेकिंग कराना सुनिश्चित किया जाए। जो लाइट खराब है उनको तत्काल बदलते हुए मार्ग प्रकाश की व्यापक व्यवस्था को सुनिश्चित करें। निरीक्षण के दौरान प्रभारी निरीक्षक बताया कि शिवरात्रि के पर्व के समय रात्रि तीन बजे से दूसरे दिन की रात्रि 11 बजे तक बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन करने आते है। जिसके लिए बंधे के नीचे के रोड पर वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित होता है, केवल पैदल ही आवागमन होता है। साथ ही मंदिर गेट से मंदिर तक बैरीकेडिंग करके महिला और पुरुष श्रद्धालुओं की अलग अलग लाइन लगवा कर दर्शन कराया जाता है। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने नगर निगम को निर्देश दिया कि मंदिर परिसर के आस पास साफ सफाई की पर्याप्त व्यवस्था को सुनिश्चित कराया जाए। साथ ही निर्देश दिया कि बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आवागमन के दृष्टिगत पार्किंग स्थलों को चिन्हित करते हुए पार्किंग प्लान और क्राउड मैनेजमेंट प्लान बनाना सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने मनकामेश्वर पुलिस चौकी व मंदिर प्रांगण पर पुलिस,अपर नगर मजिस्ट्रेट,नगर निगम, स्वास्थ्य विभाग, विद्युत विभाग आदि विभागों के अधिकारियों को राउंड द क्लाक तैनाती कर इंट्रीग्रेटेड कंट्रोल रूम की स्थापना के निर्देश भी दिए। श्रद्धालुओं के आने जाने की पर्याप्त जगह, स्थानीय दुकानदारों के साथ पहले ही बैठक कर जगह निर्धारित करने को भी कहा। जिलाधिकारी ने कहा कि दर्शन को आने वाले किसी भी श्रद्धालु को कोई असुविधा न होने पाए।

जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य को मंदिर के पास एम्बुलेंस की व्यवस्था और मेडिकल कैम्प और नगर निगम से पेयजल के टैंकरों की व्यवस्था को भी सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। बुद्धेश्वर चौराहे से मंदिर तक नो व्हीकल जोन रहता है। चौराहे से मंदिर तक श्रद्धालुओं का आवागमन पैदल होता है। गेट नंबर एक से एंट्री और गेट नंबर तीन से निकास है। प्रवेश गेट पर महिला पुरुष की अलग अलग लाइन लगा कर प्रवेश दिया जाता है। जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान संपूर्ण मंदिर परिसर भ्रमण किया नगर निगम को साफ सफाई और मार्ग प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए। उप जिलाधिकारी सदर ने बताया कि मंदिर परिसर स्थित जिला प्रशासन कैम्प कार्यालय में पुलिस और जिला प्रशासन का संयुक्त कंट्रोल रूम बनाया गया है, जहां परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की लाइव फीड के द्वारा मॉनिटरिंग की जाती है। जिलाधिकारी ने सीसीटीवी कैमरों की संख्या बढ़ाने की आवश्यकता होने पर उसे बढ़ाए जाने के साथ ही मेन गेट के बाहर जो दुकानें है उनके नीचे की ड्रेन की सफाई कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण में नगर आयुक्त गौरव कुमार, अपर जिलाधिकारी नगर पूर्वी, डीसीपी पश्चिम विश्वजीत श्रीवास्तव, उप जिलाधिकारी सदर मनोज सिंह, अपर नगर आयुक्त ललित सिंह, अधिशासी अभियंता विद्युत, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग, जोनल अधिकारी नगर निगम सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

टूर्नामेंट टीम के चयन में होगा बदलाव,ज्यादा से ज्यादा स्थानीय खिलाड़ियों को मिलेगा मौका

यूपीसीए के दिशानिर्देशों पर होगी लखनऊ प्रीमियर लीग

विश्ववार्ता संवाददाता

लखनऊ। बहुप्रतीक्षित क्रिकेट की लखनऊ प्रीमियर लीग में अब ज्यादा से ज्यादा स्थानीय खिलाड़ियों को खेलने का मौका मिलेगा। एक फ्रेंचाइजी की 20 सदस्यीय टीम होगी। इसमें 18 खिलाड़ी लखनऊ के हैं या विभिन्न टूर्नामेंट के लिए लखनऊ में ट्रायल देते हों। यह फैसला उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन की गाइडलाइन आने के बाद किया गया है। इसके अलावा लीग में अन्य कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। लीग अपने निर्धारित समय यानी सात मार्च से शुरू होगी।

मंगलवार को बीबीडी बैडमिन्टन अकादमी स्थित सीएएल के मुख्यालय में इस संबंध में एक उच्च स्तरीय बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता सीएएल के अध्यक्ष डॉ. नवनीत सहगल ने की। इसमें लीग के कमिश्नर एसपी मिश्रा, सीएएल के सचिव केएम खान समेत कई लोग मौजूद थे। बैठक के बाद डॉ. नवनीत सहगल ने बताया कि लीग के संबंधित

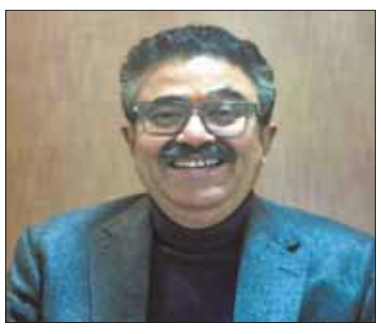

यूपीसीए के दिशानिर्देश उन्हें प्राप्त हुए हैं। यूपीसीए जिन दिशा निर्देशों पर यूपीटी-20 लीग कराता है उन्हीं के आधार पर अब लखनऊ प्रीमियर लीग होगी। इससे अब टीमों के चयन में बदलाव किया गया है।

अब टीमों का फार्मेट ऐसे तय होगा

पिछले माह एलपीएल के लिए खिलाड़ियों की नीलामी हुई थी। इसके आधार पर टीमों का स्वरूप निर्धारित किया गया। दिशा निर्देश के बाद इसमें बदलाव किया गया है। टीम में पहले की ही तरह 20 खिलाड़ी होंगे। पहले चुनी गई टीमों से उन खिलाड़ियों को अलग किया जाएगा जो लखनऊ के बाहर के हैं। फ्रेंचाइजी को इन खिलाड़ियों में सिर्फ दो ही टीम में शामिल करने की अनुमति होगी। यानी दो खिलाड़ी लखनऊ के बाहर के हो सकते हैं। बाकी खिलाड़ियों की जगह उन खिलाड़ियों की नीलामी की जो पहले की सूची में शामिल हैं।

लखनऊ में ट्रायल देने वाले स्थानीय माने जाएंगे

खिलाड़ी चाहे बाहर के हों लेकिन यदि वे लखनऊ में पंजीकृत होकर विभिन्न प्रतियोगिता के चयन ट्रायल में हिस्सा लेते हैं तो उन्हें लखनऊ का माना जाएगा। साथ ही यदि खिलाड़ी स्थानीय है और किसी अन्य जिले में पंजीकरण कराकर ट्रायल देता हे तो उसे लखनऊ का नहीं माना जाएगा।

आज होगी फ्रेंचाइजियों के साथ बैठक

एलपीएल की संचालन समिति और फ्रेंचाइजी के मालिकों के साथ बुधवार को एक बैठक बीबीडी बैडमिंटन अकादमी में होगी। इसमें फ्रेंचाइजी को बताया जाएगा कि लीग यूपीसीए के दिशानिर्देशों के आधार पर ही होगी। बैठक में फ्रेंचाइजियों के विचार और सुझाव पर भी विचार किया जाएगा। सात मार्च से केडी सिंह बाबू स्टेडियम में लीग शुरू होगी, उद्घाटन और फाइनल के दिन एक-एक मैच होंगे, अन्य दिनों में दो-दो मैच खेले जाएंगे। 18 मैच कुल होंगे जिसमे छह टीमें हिस्सा ले रही हैं।

एक नजर

अज्ञात वाहन की टक्कर से स्कूटी सवार की मौत

लखनऊ। सरोजनी नगर थाना क्षेत्र में रविवार देर शाम अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल हुए स्कूटी सवार युवक की मंगलवार को निजी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। सूचना के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक माल थाना क्षेत्र के भरावन स्थित भुलभुला गांव का रहने वाला शैलेंद्र सिंह (27) कुछ समय से बंथरा के बनी स्थित एक फार्म हाउस में रहकर नौकरी करता था। परिजनों का कहना है कि बीते रविवार देर शाम शैलेंद्र अपनी स्कूटी से दोस्त सुशील के साथ किसी काम से जा रहा था। तभी सरोजनी नगर में कानपुर रोड स्थित दरोगा खेड़ा के पास किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आकर दोनों घायल हो गए। गंभीर हालत में पुलिस ने शैलेंद्र को ट्रामा सेंटर पहुंचाया और इसकी सूचना उसके परिजनों को दी। सूचना के बाद परिजनों ने शैलेंद्र को ट्रामा सेंटर से रेफर करा लिया और ठाकुरगंज स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां मंगलवार को शैलेंद्र की इलाज के दौरान मौत हो गई। जबकि उसका दोस्त सुशील बंथरा के कटी बगिया स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती है। इस मामले में शैलेंद्र के भाई अंकित ने पुलिस से उसके दोस्त सुशील से पूछताछ करने की मांग की है। वहीं शैलेंद्र की मौत के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और आगे की कार्रवाई कर रही है।

गाली गलौज मारपीट और जान से मारने की धमकी देने की रिपोर्ट दर्ज

लखनऊ। बिजनौर थाना क्षेत्र के परवर पश्चिम स्थित बलसिंह खेड़ा निवासी रामकुँवर ने गांव के ही दिलीप यादव पर गाली गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़ित रामकुँवर के मुताबिक दिलीप यादव जेल से छूटने के बाद लगातार उसे मां-बहन की भद्दी गालियां दे रहा है। विरोध करने पर आरोपी मारपीट पर आमादा हो जाता है और जान से मारने की धमकी देता है। पीड़ित का कहना है कि बीती 29 जनवरी को आरोपी ने उसके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की और गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। घटना के बाद पीड़ित ने थाना बिजनौर पहुंचकर मामले की शिकायत दर्ज कराई। फिलहाल पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

ट्रांसफार्मर में आई तकनीकी खराबी, आपूर्ति ठप

लखनऊ। बिजनौर थाना क्षेत्र के माती स्थित ठकुराइन खेड़ा गांव में बीती रात विद्युत ट्रांसफार्मर में आई तकनीकी खराबी के चलते पूरे गांव की विद्युत आपूर्ति ठप हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि शारदा नगर विस्तार पावर हाउस से जुड़े इस गांव में सोमवार रात करीब 11 बजे अचानक बिजली गुल हो गई, जिससे उन्हें भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। ग्रामीणों का आरोप है कि बिजली गुल होने के बाद उन्होंने संबंधित अवर अभियंता को कई बार फोन कर सूचना देने का प्रयास किया, लेकिन फोन रिसीव नहीं किया गया। बीती रात से आज दोपहर बाद तक करीब साढ़े 16 घंटे गांव में अंधेरा छाया रहा। लंबे समय तक बिजली न होने से उनके समरसेबल और मोटर नहीं चल सके। जिससे उनके सामने पानी की भारी समस्या खड़ी हो गईपानी न होने के कारण मंगलवार सुबह उन्हें नहाने धोने और खाना बनाने में काफी दिक्कत हुई। इसके बाद परेशान ग्रामीणों ने मंगलवार दोपहर मामले की जानकारी उपखंड अधिकारी को दी। सूचना मिलते ही एसडीओ ने विद्युत कर्मियों को मौके पर भेजा। कड़ी मशक्कत के बाद मंगलवार दोपहर करीब 3:30 बजे खराबी दूर कर विद्युत आपूर्ति बहाल की जा सकी। इस मामले में उपखंड अधिकारी मोहनलालगंज सौरभ ने बताया कि एलटी लाइन में फॉल्ट आने के कारण ठकुराइन खेड़ा में लगे 100 केवीए विद्युत ट्रांसफार्मर का फ्यूज उड़ गया था। सूचना मिलने पर तुरंत कर्मियों को भेजकर फॉल्ट ठीक कराया गया और गांव की बिजली सप्लाई चालू कर दी गई।

घरेलू कलह में महिला ने फांसी लगाकर दी जान

मोहनलालगंज, लखनऊ। मंगलवार की सुबह मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के रहीमनगर भदेसुआ में एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां एक विवाहिता महिला ने घरेलू विवाद से क्षुब्ध होकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक जांच-पड़ताल की।पुलिस के अनुसार ग्राम रहीमनगर भदेसुआ निवासी 35 वर्षीय ललिता यादव पत्नी राममिलन का शव उनके घर के कमरे में छत पर लगे पंखे के कुंदे से साड़ी के सहारे लटका हुआ मिला। घटना के समय मृतका के मायके पक्ष के लोग भी मौके पर मौजूद थे। पुलिस ने शव को फंदे से उतरवाकर नियमानुसार पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी की तथा अग्रिम विधिक कार्रवाई हेतु शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया।थाना प्रभारी निरीक्षक बृजेश त्रिपाठी ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला घरेलू कलह का प्रतीत हो रहा है। मौके से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।परिजनों के अनुसार मृतका की शादी को लगभग सात वर्ष हो चुके थे। वह अपने पीछे दो मासूम बच्चों को छोड़ गई है—एक पुत्र जिसकी उम्र करीब 03 वर्ष तथा एक पुत्री जिसकी उम्र करीब 01 वर्ष 08 माह बताई जा रही है। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है और गांव में शोक का माहौल है। पुलिस का कहना है कि मामले की हर एंगल से जांच की जा रही है तथा यदि किसी प्रकार की तहरीर प्राप्त होती है तो उसके आधार पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

अभिषेक को बड़ी राहत, आफआईआर रद्द

एक करोड़ की रिश्वत मामले में पलटा बिजनेसमैन कहा गलतफहमी में दर्ज कराई थी शिकायत

विधि संवाददाता

लखनऊ। एक करोड़ की रिश्वत मांगने के हाई-प्रोफाइल केस में आरोपी निकांत जैन को बड़ी राहत मिली है। लखनऊ हाईकोर्ट ने अवैध वसूली और भ्रष्टाचार के आपराधिक मामले को रद्द कर दिया है। यह वही मामला है जिसने आईएएस अभिषेक प्रकाश निलंबित चल रहे है।मामला सामने आने पर यूपी की नौकरशाही में भूचाल आ गया था। सोलर उपकरण बनाने वाली कंपनी से मोटी रकम की मांग की गई थी।

न्यायमूर्ति राजीव सिंह की एकल पीठ ने निकांत जैन की याचिका पर यह आदेश पारित किया। हाईकोर्ट ने पाया कि भारतीय न्याय संहिता और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रथम दृष्टया कोई अपराध नहीं बनता है। इसके बाद न्यायालय ने 15 मई 2025 को दाखिल चार्जशीट और 17 मई 2025 के तलबी आदेश को भी निरस्त कर दिया। मुकदमा रद्द होने के बाद अब आईएएस अभिषेक प्रकाश बहाल हो सकते हैं।

आरोप है कि अभिषेक प्रकाश ने निकांत जैन के जरिए बिजनेसमैन से कमीशन की डिमांड की थी। बिजनेसमैन विश्वजीत दत्ता ने इसकी शिकायत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से की थी। उन्होंने मामले की एसटीएफ से जांच कराई थी। इसके बाद सब कार्रवाई हुई थी। कोर्ट के सामने बिजनेसमैन विश्वजीत दत्ता ने स्वयं यह स्वीकार किया है कि उसने शिकायत गलतफहमी के चलते दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि सोलर मैन्युफैक्चरिंग परियोजना की मंजूरी के लिए परियोजना लागत के पांच प्रतिशत की रिश्वत मांगी गई। निकांत जैन की ओर से न्यायालय को बताया गया कि ये आरोप अस्पष्ट, साक्ष्य विहीन और कारोबारी प्रतिद्वंद्विता व प्रशासनिक भ्रम का नतीजा है। बचाव पक्ष ने यह भी तर्क दिया कि न तो कोई धनराशि दी गई, न कोई संपत्ति या मूल्यवान चीज सौंपी गई। न ही किसी प्रकार की धमकी देने की बात सामने आई। जांच के दौरान नजरी नक्शा नहीं बनाया गया। कथित एक करोड़ रुपए नकद की कोई बरामदगी भी नहीं हुई। न्यायालय ने पाया कि रिकॉर्ड पर ऐसा कोई साक्ष्य नहीं है जिससे यह साबित हो कि अभियुक्त ने किसी लोक सेवक को अनुचित लाभ देने की पेशकश की है।

किसानों व युवाओं की आमदनी बढ़ाने के ठोस प्रयास : केशव मौर्य

- खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र मे रोजगार की अपार संभावनाएं
- स्थानीय किसानों को मिलेगा लाभ, गांव-गांव तक पहुंचेगा औद्योगिक समन्वय

विश्ववार्ता ब्यूरो

लखनऊ। खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र मे किसानो व उद्यमियो की आमदनी बढ़ाने तथा युवाओं के लिए रोजगार की अपार सम्भावनायें है। यह बात उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कही। उन्होंने खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अधिकारियो को निर्देश दिए हैं कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति के तहत दी जा रही सुविधाओं तथा प्रदत्त व प्राविधानित अनुदान आदि के बारे मे लोगो को जागरूक व प्रेरित किया जाय, ताकि अधिक से अधिक उद्यम स्थापित हो सकें। इस दिशा मे खाद्य प्रसंस्करण विभाग बहुत तेजी से कार्य कर रहा है।उन्होंने निर्देश दिए हैं कि खाद्य प्रसंस्करण को बढ़ावा देकर किसानो के उत्पादो का अधिक से अधिक दाम दिलायें।विकसित भारत के निर्माण मे खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर का बहुत बड़ा योगदान रहेगा।

उपमुख्यमंत्री श्री मौर्य के मार्गदर्शन में खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को लगातार स्वीकृति मिल रही है और प्रदेश निवेशकों की पसंद बन रहा है। खाद्य प्रसंस्करण से किसानो व युवाओं की आमदनी बढ़ाने के लिए सरकार के ठोस प्रयास किये जा रहे हैं। उप्र खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 से उद्यमियों को नये आयाम मिल रहे हैं।खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र मे रोजगार की अपार सम्भावनायें हैं। नीति से स्थानीय किसानों को लाभ मिलेगा और गांव-गांव तक औद्योगिक समन्वय पहुंच रहा है।

महिलाओं की सुरक्षा को लेकर राधे खेड़ा में किया जागरूकता कार्यक्रम

विश्ववार्ता संवाददाता

बंथरा। उत्तर प्रदेश सरकार के मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत, जो महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन और सशक्तिकरण पर केंद्रित है, थाना बंथरा (लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट) की टीम ने मंगलवार को ग्राम पंचायत राधे खेड़ा में एक महत्वपूर्ण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।

इस कार्यक्रम में महिलाओं, बालिकाओं तथा पुरुषों को साइबर सुरक्षा, महिला एवं बाल संबंधित पुलिस हेल्पलाइन नंबर (जैसे 112, 1090, 181, 1076, 1930, 102, 108), यूपी 112 आपात सेवाएं, महिला हेल्प डेस्क, पिंक बूथ, साइबर क्राइम से बचाव के उपाय, तथा मिशन शक्ति केंद्र की सेवाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।साइबर सुरक्षा जागरूकता — ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव, OTP/व्यक्तिगत जानकारी साझा न करने, संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करने तथा फ्रॉड की स्थिति में 1930 पर तुरंत संपर्क करने की सलाह।

कानूनी जागरूकता- गुड टच-बैड टच, POCSO एक्ट, महिला उत्पीड़न से संबंधित कानूनी प्रावधानों की जानकारी।

सरकारी योजनाओं की जानकारी- महिलाओं के सशक्तिकरण एवं सुरक्षा से जुड़ी विभिन्न योजनाओं का परिचय।

उद्देश्य- महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ाना, उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करना तथा सुरक्षित समाज की नींव रखना। कार्यक्रम का संचालन महिला उपनिरीक्षक गुलाबकली, महिला उपनिरीक्षक नेहा यादव तथा उपनिरीक्षक रमेश चंद्र (थाना बंथरा) द्वारा किया गया।

भारतीय किसान यूनियन की किसान यात्रा का सरोजनीनगर में समापन

- राष्ट्रीय अध्यक्ष भानु सिंह ने किया किसानों का आह्वान

विश्ववार्ता संवाददाता

लखनऊ। भारतीय किसान यूनियन उत्तर प्रदेश के प्रदेश प्रभारी ऋषि मिश्रा के नेतृत्व में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से होकर निकली 10 दिवसीय किसान यात्रा का समापन मंगलवार को सरोजनी नगर क्षेत्र के वृंदावन में किया गया। समापन अवसर पर भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष भानु सिंह ने किसानों को संबोधित करते हुए यात्रा को प्रभारी नेतृत्व में सफल बताते हुए संगठन की एकजुटता को समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष भानु सिंह ने कहा कि यह यात्रा किसानों की जमीनी समस्याओं, अधिकारों और लंबित मांगों को मजबूती से उठाने का सशक्त माध्यम बनी है। उन्होंने कहा कि जब तक किसान संगठित नहीं होंगे, तब तक उनकी आवाज़ को दबाया जाता रहेगा। उन्होंने किसानों और संगठन के पदाधिकारियों से मतभेद भुलाकर एकजुट होकर संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंडल महामंत्री गोविंद ने कहा कि किसान हितों की लड़ाई तभी प्रभावी होगी, जब संगठन का हर कार्यकर्ता और पदाधिकारी एकजुटता के साथ मैदान में डटा रहेगा। उन्होंने कहा कि यह यात्रा संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूती देने की दिशा में एक अहम कदम साबित हुई है। वहीं जिला अध्यक्ष अन्नू ने कहा कि संगठन की असली ताकत गांव-गांव में बसे किसानों से आती है। उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए संगठन जमीनी स्तर पर लगातार संघर्ष करता रहेगा और किसानों की आवाज़ को पूरी ताकत से उठाया जाएगा।

प्रदेश प्रभारी ऋषि मिश्रा ने यात्रा के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि किसानों की समस्याओं को सरकार तक पहुंचाने, संगठन को गांव स्तर तक मजबूत करने और किसानों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से यह यात्रा आयोजित की गई थी। उन्होंने कहा कि यह यात्रा किसानों के बीच संगठन की मजबूती और विश्वास को बढ़ाने में मील का पत्थर साबित हुई है।

समापन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसान, संगठन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हर घर जल नल योजना की जल जीवन मिशन की टोटीयां बनी शोपीस

दो वर्षो से अब टक नहीं हो सकी टंकी से पानी की सप्लाई, ग्रामीणों मे विभागियो अधिकारियो व सरकार के प्रति काफ़ी आक्रोश

विश्ववार्ता संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ की विकास खंड सरोजनी नगर की ग्राम पंचायत लोनहा मे ग्रामीणों को पेय जल के लिए हर घर जल नल की जल जीवन मिशन योजना के तहत बनाई गई पानी की टंकी से जल सप्लाई के लिए गाँव और उसके मजरा गड़रियान खेड़ा मे दौडाई गई पानी की प्लास्टिक पाइप लाइन और सप्लाई के लिए हर घर के सामने एक एक टोटी लगा दी गई वह भ अभी आधी अधूरी ही छोड़ कर चले गए।

ग्रामीणों को पानी सप्लाई के लिए पुरे गाँव मे पानी भेज टेस्ट जरूर कर लिया। इसके लिए न तो अभी तक बिजली का कनेक्शन किया गया हैं और न ही सौर ऊर्जा लगा कर ही पानी सप्लाई के लिए कोई भी ब्यवस्था ही की गई। ग्रामीण परे शान हैं हमें कब पिने के लिए पानी की सप्लाई मिलेगी।जबकि पाइप लाइन पुरे गाँव मे दौड़ा दी गई और हर घर के लोगो से आधार कार्ड लेकर उनका पानी का कनेक्शन भी कर दिया गया हैं। लेकिन पानी की सप्लाई कब होगी उसका अब तक कुछ भी आता पता नहीं हसि की पानी की सप्लाई कब चालू की जाएगी। पुरे गाँव के अंदर पाइप लाइन डालने के लिए बनाई गई नाली को भी उसी तरह छोड़ दिया गया। जिससे उन्हें आने जाने मे काफ़ी दिक्क्तो का सामना करना पड़ा। विभागीय कार्य वाई की अनदेखी के चलते ग्रामीणों ने मिल कर अपने अपने घरों के सामने नाली को समतल कर चलने योग्य बना लिया हैं।जल जीवन मिशन योजना के तहत जिन लोगो को लगाया गया।

वही लोग इस पर पालिट्स लगा रहे हैं।ग्रसमीनो को शुद्ध पेय जल मुहैया कराये जाने लिए सिर्फ खाना पूर्ति ही की गई हैं। ग्रामीणों मे आसंका ब्यक्त की जा रही हैं कक भविष्य मे हमें कब शुद्ध पेय उपलब्ध होगा। बावजूद इसके ही ग्रामीणों ने विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारियों से अतिशीघ्र जाँच पड़ताल कर शीघ्र ही पेय जल उपलब्ध कराया जाय।

परसनलिटी डेवलपमेंट फॉर प्रोफेसनल ग्रोथ ऑफ़ टीचर विषय पर एक दिवसीय सेमिनर आयोजित

विश्ववार्ता संवाददाता

लखनऊ। वृंदावन स्थित श्री कृष्ण दत्त अकैडमी के शिक्षा विभाग में "पर्सनैलिटी डेवलपमेंट फॉर प्रोफेशनल ग्रोथ ऑफ टीचर" विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन अकैडमी के शिक्षा विभाग द्वारा किया गया। जिसमें शिक्षक व्यक्तित्व विकास एवं व्यावसायिक दक्षता को सशक्त बनाने पर विशेष चर्चा हुई। सेमिनार का संयोजन आयोजन समिति के अंतर्गत रूबी सिंह, पवन कुमार बिश्नोई द्वारा किया गया। प्रशासनिक अधिकारी सुभाष त्रिपाठी, असिस्टेंट प्रोफेसर योगेंद्र नाथ तिवारी नए कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में शिक्षिका एवं सामाजिक कार्यकर्ता रीना त्रिपाठी ने अपने प्रेरक विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने शिक्षकों के लिए सकारात्मक सोच, संप्रेषण कौशल, भावनात्मक संतुलन तथा नवाचार आधारित शिक्षण पद्धतियों के महत्व पर प्रकाश डाला।

मुख्य वक्ता ने कहा कि शिक्षक का व्यक्तित्व ही विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की आधारशिला होता है। बदलते शैक्षिक परिवेश में शिक्षकों को तकनीकी दक्षता के साथ-साथ आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और नैतिक मूल्यों का विकास करना आवश्यक है। कार्यक्रम में अकैडमी के शिक्षकगण, प्रशिक्षु अध्यापक एवं शिक्षा क्षेत्र से जुड़े अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सेमिनार के अंत में प्रतिभागियों ने इस आयोजन को अत्यंत उपयोगी बताते हुए भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने का आग्रह किया। आयोजन समिति ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

मोहनलालगंज में दो दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य एवं पंजीकरण शिविर, एक हजार से अधिक लोगों को मिला लाभ

विश्ववार्ता संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। जननायक सुजीत पांडे मेमोरियल ट्रस्ट एवं सहयोगी संस्था लक्ष्य यूथ फाउंडेशन के तत्वावधान में पांडेय कॉम्प्लेक्स, मोहनलालगंज में भारत सरकार की राष्ट्रीय वयोश्री योजना के अंतर्गत दो दिवसीय निःशुल्क पंजीकरण शिविर एवं स्वास्थ्य जांच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिविर में सरदार पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेदिक मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च सेंटर, कनकहा के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर दवाइयों का वितरण किया गया।

शिविर के दौरान प्रधानमंत्री दिव्याशा केंद्र, लखनऊ तथा भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम के अधिकारियों की उपस्थिति में 500 से अधिक वृद्धजनों एवं दिव्यांगजनों का निःशुल्क सहायक उपकरणों के वितरण हेतु पंजीकरण किया गया। पंजीकरण में कान की मशीन, कमर बेल्ट, व्हीलचेयर, छड़ी, गर्दन कॉलर, वॉकर, सिलिकॉन तकिया, नी ब्रेस, स्पाइनल सपोर्ट, सर्वाइकल कॉलर, ट्राईसाइकिल, मोटर ट्राईसाइकिल सहित अन्य आवश्यक सहायक उपकरण शामिल रहे।दो दिवसीय इस शिविर में 1000 से अधिक लोगों ने निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं दवाइयों का लाभ प्राप्त किया। बड़ी संख्या में ग्रामीण क्षेत्रों से आए बुजुर्गों व दिव्यांगजनों ने शिविर की सुविधाओं की सराहना की।

इस अवसर पर जननायक सुजीत पांडे मेमोरियल ट्रस्ट के प्रबंधक एवं नारेडको राष्ट्रीय रियल एस्टेट विकास परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष, समाजसेवी डॉ. अजय पांडे 'सत्यम' ने कहा कि ट्रस्ट क्षेत्र के समस्त दिव्यांगजनों एवं वृद्धजनों को सम्मानजनक जीवन प्रदान करने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है और उन्हें आवश्यक सहायक उपकरण उपलब्ध कराना ट्रस्ट की प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से यह दो दिवसीय पंजीकरण शिविर आयोजित किया गया।

वहीं लक्ष्य यूथ फाउंडेशन के प्रबंधक एवं राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेता अवधेश कुमार साहू ने बताया कि शिविर में लगभग 500 से अधिक लोगों का पंजीकरण किया गया है और शीघ्र ही उनकी आवश्यकता के अनुसार सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे।शिविर को सफल बनाने में प्रधानमंत्री दिव्याशा केंद्र, लखनऊ से प्रोस्थेटिस्ट एवं ऑर्थोटिस्ट श्याम मोहन शुक्ला, ऑडियोलॉजिस्ट श्रीकांत सिंह, यू.एस.डब्ल्यू. लिपू दलाई, शिवम साहू एवं विपिन यादव का विशेष योगदान रहा।स्थानीय नागरिकों ने आयोजकों के इस प्रयास को सराहते हुए इसे जनसेवा की दिशा में एक सराहनीय कदम बताया।

बक्शी का तालाब इंटर कालेज को जिला सीनियर खो-खो चैंपियनशिप में दोहरा खिताब

विश्ववार्ता संवाददाता

लखनऊ। बक्शी का तालाब इंटर (बीकेटी कालेज की बालक और बालिका टीमों ने केडी सिंह बाबू स्टेडियम में आयोजित दो दिवसीय जिला सीनियर खो-खो चैंपियनशिप में अपना वर्चस्व कायम किया। बीकेटी इंटर कालेज की बालक और बालिका टीम ने लखनऊ जिला खो-खो एसोसिएशन प्रतियोगिता में खिताबी जीत दर्ज की। उत्तर प्रदेश ओलिंपिक एसोसिएशन के संयुक्त सचिव टीपी हवेलिया ने चैंपियनशिप का समापन किया। पुरुष वर्ग में छह और महिला वर्ग में आठ टीमों ने इसमें भाग लिया।

पुरुष वर्ग के फाइनल में

बीकेटी इंटर कालेज ब्ल्यू ने सेंट्रल पब्लिक स्कूल रेड को एक अंक (11-10) पराजित किया। सेमीफाइनल में सेंट्रल पब्लिक स्कूल ब्लू ने पिंटो मेमोरियल सूर्य अकादमी को और सेंट्रल पब्लिक न्यू बाल भारती पब्लिक स्कूल को हराया हराया। बालकों में बीकेटी इंटर कालेज के देवराज को श्रेष्ठ रनर, सेंट्रल पब्लिक स्कूल के इरफान को श्रेष्ठ चेजर और बीकेटी इंटर कालेज के Archit को श्रेष्ठ ऑलराउंडर घोषित किया गया। सीनियर बालिका वर्ग के फाइनल में बीकेटी इंटर कालेज ने सेंट्रल पब्लिक स्कूल को दस अंक से हराया। सेमीफाइनल में बीकेटी इंटर कालेज ब्लू ने रेड को और सेंट्रल पब्लिक स्कूल ने बीएसएनवी इंटर कॉलेज को पराजित किया।

सीनियर बालिका वर्ग में

बीकेटी इंटर कालेज की राखी को श्रेष्ठ रनर, सेंट्रल पब्लिक स्कूल की शहरीन को चेजर और बीकेटी इंटर कालेज की कामिनी को श्रेष्ठ ऑलराउंडर घोषित किया गया। बक्शी का तालाब इंटर कालेज को जिला सीनियर खो-खो चैंपियनशिप में दोहरा खिताब

स्वास्थ्य पेट के कीड़ों से छुटकारा, सेहतमंद भविष्य हमारा पर जोर

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर बच्चों को खिलाई गई कीड़े की दवा

विश्ववार्ता संवाददाता

लखनऊ। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर मंगलवार को गोसाईगंज के आंगनवाड़ी केंद्रों और स्कूलों में बच्चों को कृमि नाशक दवा खिलाई गई। पेट के कीड़ों से छुटकारा, सेहतमंद भविष्य हमारा के पर जोर देकर बच्चों को पेट के कीड़ों की दवा खिलाते हुए जानकारी दी गई कि बच्चों में खून की कमी का एक कारण पेट के कीड़े भी हैं। गोसाईगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अंतर्गत आने वाले आंगनवाड़ी केंद्रों और स्कूलों में पंजीकृत और गैरपंजीकृत एक से 19 वर्ष तक के बच्चों के लिए करीब 84 हजार खुराक दवा दी गई।

बताया गया कि आंगनवाड़ी केंद्रों के पंजीकृत और गैर पंजीकृत बच्चों के लिए 25 हजार खुराक दवा आंगनवाड़ी केंद्रों को और 59 हजार खुराक दवा स्कूलों के बच्चों के लिए दी गई। मंगलवार को आंगनवाड़ी और आशा कार्यकत्रियों सहित टीचरों द्वारा बच्चों को पेट के कीड़ों की दवा एलबेंडाजोल खिलाई गई।

बच्चों को दवा खिलाने के कार्यक्रम की जानकारी लेने निकले गोसाईगंज के बाल विकास परियोजना अधिकारी राकेश कुमार शर्मा ने जानकारी दिया कि पेट के कीड़े बच्चों में खून की कमी का एक कारण होते हैं। उन्होंने बताया कि पेट में कीड़े होने के कई कारण होते हैं। कीड़ों से मुक्ति दिलाने के लिए 10 फरवरी को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस मनाते हुए 19 साल तक के बच्चों को कीड़े की दवा सरकार द्वारा मुफ्त में खिलाने की व्यवस्था होती है। उन्होंने बताया कि हर अभियान में अभिभावकों को अपने बच्चों को दवा खिलाने से चूकना नहीं चाहिए।

एक से दो साल के बच्चों को आधी गोली पीस कर खिलाई गई जबकि दो से तीन साल के बच्चों को एक गोली चूरा बना कर खिलाई गई। तीन से उन्नीस साल वालों को एक गोली चबा कर खाने के लिए दी गई। गोसाईगंज के स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी लक्ष्मी नारायण यादव और प्रतिरक्षण अधिकारी शैलेंद्र कुमार ने बताया कि दवा खाने से छूट गए बच्चों को 13 फरवरी को मापक राउंड में दवा खिलाई जाएगी। बताया गया कि जिन अस्वस्थ बच्चों को कृमि मुक्ति दिवस पर दवा नहीं खिलाई गई है उनको स्वस्थ होने के बाद दवा खिलाई जाएगी। बची हुई दवाई वापस ले ली जाती है।

मकान में चोरों ने की चोरी की घटना को अंजाम

लखनऊ। बिजनौर थाना क्षेत्र में बीते दिनों नवनिर्मित मकान में चोरों ने चोरी की घटना अंजाम दी। जानकारी होने के बाद मकान मालिक ने मामले की बिजनौर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। बस्ती जिले के लालगंज थाना अंतर्गत ताड़ीजोत गांव निवासी मनोज कुमार पांडेय के मुताबिक उन्होंने बिजनौर थाना क्षेत्र के औरंगाबाद जागीर स्थित अवध रेजीडेंसी में नया मकान बनवाया है।

मनोज कुमार का कहना है कि इस समय मकान में पुट्टी और पेंट का कार्य चल रहा है। पीड़ित का कहना है कि 7 फरवरी शाम करीब 5:30 बजे पेंटर काम खत्म करने के बाद मकान बंद करके चले गए। तभी रात में मकान की दूसरी मंजिल के जगले की ग्रिल काटकर अंदर घुसे अज्ञात चोर पूरी इलेक्ट्रिक वायरिंग के तारों के साथ मार्बल लगाने की मशीन चोरी कर ले गये।

सरोजनी नगर के कानपुर पीएसी मध्य जोन क्लस्टर प्रतियोगिता का शुभारम्भ

विश्ववार्ता संवाददाता

लखनऊ। कानपुर रोड स्थित 32वीं वाहिनी पीएसी परिसर में मंगलवार को तृतीय अंतर वाहिनी पीएसी मध्य जोन क्लस्टर प्रतियोगिता - 2026 का शुभारंभ हुआ। इसके तहत भारोत्तोलन, योगा एवं पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि सेनानायक 32वीं वाहिनी पीएसी प्राची सिंह (आईपीएस) ने किया। इस दौरान सहआयोजन सचिव एवं उपसेनानायक जितेन्द्र कुमार ने उनका पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। साथ ही 32वीं वाहिनी पीएसी लखनऊ के बैण्ड द्वारा मार्च पास्ट के जरिए मुख्य अतिथि को मान-प्रणाम दिया गया। प्रतियोगिता में पीएसी मध्य जोन की 2वीं, 11वीं, 27वीं (सीतापुर), 10वीं (बाराबंकी), 30वीं (गोण्डा), 26वीं (गोरखपुर), 32वीं एवं 35वीं वाहिनी पीएसी लखनऊ के साथ-साथ एसडीआरएफ की कुल नौ टीमों के लगभग 138 खिलाड़ी प्रतिभाग कर रहे हैं।

उद्घाटन समारोह में उपसेनानायक प्रथम वाहिनी विशेष सुरक्षा बल लखनऊ वीरेंद्र कुमार, सहायक सेनानायक नवीन कुमार नायक, सूबेदार शिविरपाल अमित शुक्ल, सूबेदार सैन्य सहायक संजय कुमार सिंह सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी, सेवानिवृत्त कर्मी और तमाम खेल प्रेमी मौजूद रहे। पहले दिन हुए भारोत्तोलन मुकाबलों में 60 किग्रा वर्ग में 32वीं वाहिनी के अंकित कुमार, 65 किग्रा में आनंद कुमार वर्मा, 71 किग्रा में मंजीत यादव, 79 किग्रा में 35वीं वाहिनी के नवीन रावत, 88 किग्रा में 26वीं वाहिनी के विशाल सिंह, 94 किग्रा में बंटी गौतम, 110 किग्रा में शाहजहां खान तथा 110+ वर्ग में अभिजीत सिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

एक नजर

महिला किसानों की आत्मनिर्भरता पर मंथन गौरा सैलक में सशक्तिकरण का संदेश

फतेहपुर-बाराबंकी। क्षेत्र के गौरा सैलक गांव में मंगलवार को महिला किसान सम्मेलन का भव्य आयोजन हुआ। सम्मेलन में एक्सिस बैंक फाउंडेशन, उजाला महिला महासंघ तथा ट्रस्ट कम्युनिटी लाइवलीहुड्स के संयुक्त तत्वावधान में महिला किसानों की आत्मनिर्भरता, सशक्तिकरण और आजीविका सुदृढ़ करने पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में जिला कृषि अधिकारी राजित राम, टीसीएल प्रमुख विनोद जैन, जिला उद्यान अधिकारी प्रज्ञा उपाध्याय, पशु चिकित्साधिकारी डॉ. नीतीश राय सहित विशेषज्ञों ने अपने विचार रखे। वक्ताओं ने एकता जैविक इकाई केंद्र की उपयोगिता बताते हुए जैविक खेती अपनाने पर जोर दिया। कहा गया कि इससे कम लागत में उत्पादन, मिट्टी की उर्वरता में वृद्धि और सुरक्षित कृषि उत्पाद संभव हैं। इसके साथ ही बकरी दाना इकाई को पशुपालन आधारित आय सृजन का प्रभावी साधन बताया गया, जिससे ग्रामीण महिलाओं की आमदनी बढ़ सकती है। समापन पर महिलाओं ने उजाला महिला महासंघ को और मजबूत करने तथा सामूहिक प्रयासों से आत्मनिर्भर बनने का संकल्प लिया। सम्मेलन में ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुईं। इस अवसर पर एडीओ कृषि सूर्यप्रकाश, एडीओ समाज कल्याण राजकुमार, डीडीसी पूजा सिंह, राजेश सिंह सहित कई ग्राम प्रधान व गणमान्य लोग मौजूद रहे।

आंखों में आंसू, दिलों में सपने, टिकरा में यादगार फेयरवेल, मुबाशिर बोलेयहीं से बनेगा भविष्य

बाराबंकी। नेशनल फाउंडेशन एकेडमी, पनिहल में आयोजित विदाई समारोह भावनाओं और उम्मीदों से भरा रहा। रंगीन सजावट और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बीच फेयरवेल पार्टी ने बच्चों, अभिभावकों और अतिथियों को भावुक कर दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बसपा नेता मो. मुबाशिर ने कहा कि टिकरा जैसे गांव में शिक्षा का उजाला जलाना बड़ी उपलब्धि है। यही बच्चे आगे चलकर गांव और समाज का नाम रोशन करेंगे। विशिष्ट अतिथि सीएससी अधीक्षक नीतीश कुमार सिंह ने बच्चों को मेहनत और अनुशासन का संदेश दिया। समारोह में 20 सीनियर विद्यार्थियों के सम्मान में जूनियर्स ने गुडलक पार्टी आयोजित की। बच्चों ने डांस, नाटक, कविता, शायरी और म्यूजिकल प्रस्तुतियों से तालियां बटोरीं। "मिस्टर-मिस फेयरवेल", रैंप वॉक, गेम्स और मोमेंटो वितरण ने माहौल को खास बना दिया। भावुक क्षण तब आए जब सीनियर छात्रों ने पौधरोपण कर जूनियर्स को उसकी देखभाल की जिम्मेदारी सौंपी। अंत में विद्यालय के प्रबंधक मो. मसीद ने आभार जताते हुए कहा कि स्कूल को डिग्री कॉलेज का दर्जा मिलने से बच्चों को अब बाहर नहीं जाना पड़ेगा।

परीक्षित जन्म व सुखदेव आगमन प्रसंग सुन भावविभोर हुए श्रद्धालु

बड्डूपुर-बाराबंकी। विकास खंड निंदूरा क्षेत्र की ग्राम पंचायत बड्डूपुर स्थित मूर्त स्वामी आश्रम धाम, ग्राम मूरतपुर में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन कथा व्यास राम सहारे दास ने परीक्षित जन्म व सुखदेव आगमन की कथा का भावपूर्ण वर्णन किया। कथा व्यास ने बताया कि गुरु द्रोणाचार्य के वध से क्रोधित अश्वत्थामा ने पांडवों के विनाश के लिए ब्रह्मास्त्र का प्रयोग किया, जिसके प्रभाव से अभिमन्यु की गर्भवती पत्नी उत्तरा के गर्भ से परीक्षित का जन्म हुआ। आगे कथा में बताया गया कि समृद्ध राज्य और सुख-संपन्न जीवन जीने वाले राजा परीक्षित 60 वर्ष की आयु में क्रमिक मुनि के आश्रम पहुंचे। कथा में शिव प्रताप सिंह, मनोज सिंह, शिव प्रसाद सिंह, भानु प्रताप सिंह, कीर्ति वर्धन सिंह, संतोष सिंह, दिनेश चंद वर्मा, मुकेश सिंह, राहुल सिंह, डीएम सिंह, विजय सिंह, उत्तम कुमार यादव सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

संदिग्ध व अराजकतत्वों पर रखें कड़ी नजर

लोधेश्वर फाल्गुनी मेले पर प्रशासन की पैनी नजर, एडीजी से डीएम तक ने संभाली कमान

विश्ववार्ता संवाददाता

रामनगर-बाराबंकी। रामनगर तहसील स्थित सुप्रसिद्ध तीर्थस्थल लोधेश्वर महादेव धाम में फाल्गुनी मेले की व्यवस्थाओं को लेकर मंगलवार शाम उच्चस्तरीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान एडीजी जोन लखनऊ प्रवीण कुमार, मंडलायुक्त अयोध्या राजेश कुमार, डीआईजी सोमेंद्र वर्मा, जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी और पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय सहित प्रशासन व पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने संयुक्त रूप से मेला क्षेत्र का भ्रमण कर सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण और श्रद्धालुओं की सुविधाओं की गहन समीक्षा की।

अधिकारियों ने मंदिर के पीछे बने प्रवेश द्वार से बैरिकेडिंग व्यवस्था का निरीक्षण किया और इसके बाद मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं व कांवड़ियों से संवाद कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली। सभी अधिकारियों ने लोधेश्वर महादेव का विधि-विधान से जलाभिषेक कर लोक कल्याण की कामना की। इसके उपरांत शिव अभरण सरोवर पहुंचकर सुरक्षा, स्वच्छता और यातायात व्यवस्था का जायजा लिया गया।

एडीजी प्रवीण कुमार ने थाना प्रभारी रामनगर अनिल कुमार पांडे को निर्देश दिए कि मेला क्षेत्र में किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो और संदिग्ध व अराजक तत्वों पर कड़ी निगरानी रखी जाए। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरों के साथ-साथ ड्रोन से लगातार निगरानी की जा रही है। मेले में लगभग एक हजार पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है और पूरे क्षेत्र को चार जोन व आठ सेक्टरों में बांटकर प्रभावी नियंत्रण व्यवस्था लागू की गई है।

कॉरिडोर निर्माण को लेकर पूछे गए सवाल पर मंडलायुक्त राजेश कुमार ने बताया कि भूमि से संबंधित कार्य प्रगति पर है, जिसके कारण निर्माण में समय लग रहा है, लेकिन कार्य को शीघ्र गति दी जाएगी।

इस दौरान सीडीओ अन्ना सुदन, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट गुंजिता अग्रवाल, सीओ गरिमा पंत, एसएसआई प्रमोद कुमार यादव, दारोगा अजय कुमार सिंह, उपनिरीक्षक सुभाषचंद्र, फूड सेफ्टी ऑफिसर अरुण कुमार सहित कई प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

चलती कार पर बदमाशों ने मारी गोली, बाल-बाल बचे डॉक्टर

फतेहपुर-बाराबंकी। मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र में सोमवार रात बेखौफ बदमाशों ने कार सवार एक डॉक्टर पर जानलेवा फायरिंग कर दी। गोली कार के अगले शीशे में जा लगी, जिससे शीशा टूट गया, लेकिन सौभाग्य से डॉक्टर की जान बच गई। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया, वहीं पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

घटना मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र के दोहाई मोड़ के पास की है। अमेरा गांव निवासी डॉ. गोविंद झंझरा चौराहे पर निजी क्लीनिक चलाते हैं। पीड़ित डॉक्टर के अनुसार वह सोमवार रात करीब आठ बजे क्लीनिक बंद कर कार से घर लौट रहे थे। जैसे ही वह दोहाई मोड़ के पास पहुंचे, पीछे से आई लाल रंग की कार में सवार बदमाशों ने उन पर फायर झोंक दिया। गोली चलती कार के शीशे में लगी, जिससे शीशा चकनाचूर हो गया। स्थिति भांपते हुए डॉक्टर ने तुरंत कार की रफ्तार बढ़ाई और डायल-112 पर सूचना दी। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन और परिचित थाने पहुंच गए। डॉक्टर ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ तहरीर देकर =कार्रवाई की मांग की है।

इस संबंध में थाना प्रभारी आशुतोष मिश्रा ने बताया कि तहरीर प्राप्त हो गई है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर हमलावरों की कार की पहचान की जा रही है। जल्द ही घटना का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

अंबानी पर पर्यावरण तबाही का आरोप जिला न्यायालय में आमने-सामने दो पक्ष

विश्ववार्ता संवाददाता

बाराबंकी। मनीष मेहरोत्रा बनाम उत्तर प्रदेश सरकार, रिलायंस इंडस्ट्रीज एवं मुकेश अंबानी से जुड़े मामले की सुनवाई मंगलवार को जिला न्यायाधीश के न्यायालय में हुई। इस दौरान मुकेश अंबानी की ओर से उनके अधिवक्ता रजत गंगवार ने पुनरीक्षण याचिका पर अपनी लिखित आपत्ति जिला एवं सत्र न्यायाधीश के समक्ष दाखिल की।

शिकायतकर्ता मनीष मेहरोत्रा की ओर से अधिवक्ता रणधीर सिंह सुमन ने न्यायालय में दलील देते हुए आरोप लगाया कि रिलायंस इंडस्ट्रीज द्वारा अपने औद्योगिक कचरे को वन विभाग की भूमि और किसानों के खेतों में फैलाया जा रहा है, जिससे जल, जंगल, जमीन और मानव जीवन को गंभीर क्षति पहुंच रही है। उनका कहना था कि कंपनी के उत्पादों और कचरे के कारण लगभग पांच किलोमीटर की परिधि में जलस्रोत प्रभावित हो रहे हैं।

रिवीजनकर्ता के अधिवक्ता ने यह भी कहा कि मुकेश अंबानी की ओर से दाखिल की गई आपत्ति में कोई ठोस विधिक आधार नहीं है और यह केवल मामले को लंबित करने के उद्देश्य से प्रस्तुत की गई है।

सुनवाई के दौरान जिला सत्र न्यायाधीश ने रिवीजनकर्ता के अधिवक्ता रणधीर सिंह सुमन को निर्देशित किया कि वे 16 फरवरी 2026 तक मुकेश अंबानी की ओर से दाखिल आपत्ति पर अपना लिखित जवाब न्यायालय में प्रस्तुत करें। मामले में अगली सुनवाई तक न्यायालय की नजरें दोनों पक्षों की दलीलों पर टिकी हुई हैं।

थाना कुर्सी में एक सप्ताह में तीन बड़ी चोरी

चोरों के हौसले बुलंद, पुलिस गश्त पर उठे सवाल

विश्ववार्ता संवाददाता

निंदूरा-बाराबंकी। फतेहपुर सर्किल के थाना कुर्सी क्षेत्र में चोरों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं। एक सप्ताह के भीतर चोरी की दो बड़ी घटनाओं ने पुलिस की सक्रियता और रात्रि गश्त व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ताजा मामला सोमवार रात राजापुर गांव का है, जहां चोरों ने एक किसान के घर से नकदी और लाखों के जेवरात पर हाथ साफ कर दिया।

राजापुर गांव निवासी अहंकार यादव पुत्र बच्चूलाल यादव ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि सोमवार रात भोजन के बाद वह परिवार सहित ऊपर के कमरे में सोने चले गए थे। देर रात चोर छत के रास्ते नीचे कमरे में उतर आए और अलमारी व बक्सों के ताले तोड़ दिए।

चोर अलमारी में रखे 50 हजार रुपये नकद, सोने की झुमकी, बाला, गले का हार, अंगूठी, चांदी की पायल, हसुली, करधनी और पायजेब समेत लाखों रुपये के जेवरात चोरी कर ले गए। सुबह नीचे पहुंचने पर परिजनों को कमरों में बिखरा सामान मिला। पीड़ित के अनुसार चोरी गए जेवरात पुराने थे, जिनमें करीब तीन किलो चांदी और तीन तोला सोना शामिल है। इस संबंध में उमरा चौकी प्रभारी अखिलेश प्रजापति ने बताया कि तहरीर प्राप्त हुई है और मामले की जांच की जा रही है।

उल्लेखनीय है कि इससे पांच दिन पूर्व कस्बा कुर्सी की नई बस्ती में भी चोरी की बड़ी वारदात हुई थी। नई बस्ती निवासी ताज मोहम्मद, जिनकी फर्नीचर की दुकान है, ने बताया कि गुरुवार रात पोती की तबीयत खराब होने के कारण पूरा परिवार नीचे के कमरे में सो रहा था। इसी दौरान चोर छत के रास्ते ऊपर कमरे में घुसे और अलमारी व बक्सों के ताले तोड़कर 10 हजार रुपये नकद व कीमती जेवरात चोरी कर ले गए।

इसके बाद चोरों ने पड़ोस में रहने वाले जमालुद्दीन के मकान को भी निशाना बनाया। यहां भी छत के रास्ते घुसकर अलमारी का ताला तोड़ा गया और पांच हजार रुपये नकद सहित कीमती जेवरात चोरी कर लिए गए। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

फाइलेरिया उन्मूलन अभियान : 10 से 28 तक घर-घर खिलाई जाएगी दवा

16.95 लाख लोगों को दवा देने लक्ष्य, स्वास्थ्यकर्मी की मौजूदगी में ही होगा दवा सेवन

विश्ववार्ता संवाददाता

बाराबंकी। जनपद में फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम (आईडीए अभियान) के तहत 7 ब्लॉकों में अभियान चलाया जाएगा। इसका शुभारंभ पायनियर मोंटेसरी इंटर कॉलेज लखपेड़ाबाग में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अवधेश यादव द्वारा किया गया।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि लिम्फेटिक फाइलेरिया (हाथीपांव) एक गंभीर रोग है, जिसके लक्षण मच्छर के काटने के 5 से 15 वर्ष बाद दिखाई देते हैं। एक बार बीमारी होने पर इसका इलाज संभव नहीं है, इसलिए दवा सेवन ही बचाव का एकमात्र उपाय है।

आईडीए अभियान 10 फरवरी से 28 फरवरी तक चलेगा, जिसमें

स्वास्थ्यकर्मी घर-घर जाकर एल्बेंडाजोल, डीईसी एवं आइवरमेक्टिन की निःशुल्क दवा खिलाएंगे। यह अभियान देवा, रामनगर, दरियाबाद, सिद्धौर, हैदरगढ़, जाटा बरौली और अर्बन क्षेत्र में चलाया जाएगा।

जिला मलेरिया अधिकारी सुजाता ठाकुर ने बताया कि 7 ब्लॉकों में 2 वर्ष से अधिक आयु के 16,95,911 लोगों को दवा खिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए 1357 टीमें और 226 सुपरवाइजर तैनात किए गए हैं। निर्देश हैं कि दवा स्वास्थ्यकर्मी के सामने ही खिलाई जाएगी।

राइफल साफ करते समय ट्रिगर दबने से युवक की मौत

विश्ववार्ता संवाददाता

लखीमपुर खीरी। जिले के पड़रिया तुला में राइफल साफ करते समय ट्रिगर दबने से युवक की मौत हो गयी है। हादसे में जिस लड़के की मौत हुई है उसकी शादी 7 मार्च को होने वाली थी। मृतक की पहचान अमित खन्ना उर्फ मनी (28) पुत्र सुखदेव राज के तौर पर हुई है।

» 26 दिन बाद थी शादी, सेहरा सजने से पहले उठी अर्थी

परिजनों के अनुसार बीते सोमवार को वह रोज की तरह दुकान पर मौजूद थे। इसी दौरान वह लाइसेंसी रायफल के नवीनीकरण से जुड़े कागजों के सिलसिले में कमरे में गए थे। बताया जा रहा है कि वहीं हथियार की सफाई के दौरान अचानक गोली चल गई और अमित गंभीर रूप से घायल हो गए।

चाचा धर्मपाल ने बताया कि घर में शादी की तैयारियां अंतिम दौर में थीं। टेंटए कैटरिंग और अन्य कार्यक्रमों की बुकिंग हो चुकी थी। घर में उत्सव का माहौल थाए लेकिन एक हादसे ने सब कुछ खत्म कर दिया। अमित अपने पीछे माता.पिताए बड़े भाई और भाभी को गहरे सदमे में छोड़ गए हैं। मंगलवार को पैतृक गांव अम्बरपुरवा में उनका अंतिम संस्कार किया गयाए जहां बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

भीरा पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक स्तर पर पुलिस इसे आत्महत्या का मामला मानकर भी जांच कर रही है। हालांकि सभी पहलुओं पर पड़ताल जारी है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट व अन्य साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

हरे नीम की अवैध कटान पर कार्रवाई

दबंग ने वन विभाग की टीम से की हाथापाई, पिकअप सीज

» वन दरोगा व वन रक्षक को दी वर्दी उतरवाने की धमकी

विश्ववार्ता संवाददाता

सिद्धौर-बाराबंकी। असंद्रा थाना क्षेत्र में प्रतिबंधित वृक्षों की अवैध कटान रोकने गई वन विभाग की टीम के साथ हाथापाई किए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। कार्रवाई के दौरान लकड़ी से लदी एक पिकअप को वन विभाग ने कब्जे में लेकर सीज कर दिया है।

मामला हरख वन क्षेत्र के खाले का पुरवा मजरे बेडहरी गांव का है। मंगलवार को बिना परमिट हरे-भरे नीम के पेड़ों की कटान की सूचना मिलने पर वन दरोगा तुषार कुमार एवं वन रक्षक अनिल तिवारी मौके पर जांच करने पहुंचे थे। वहां एक पिकअप वाहन पर नीम के

बोटे लादे जा रहे थे, जिस पर विभागीय टीम ने तत्काल कार्रवाई शुरू कर दी।

आरोप है कि इसी दौरान गांव के अभय सिंह ने कार्रवाई का विरोध करते हुए वनकर्मियों से अभद्रता शुरू कर दी और देखते ही देखते हाथापाई पर उतर आए। आरोप है कि वन दरोगा और वन रक्षक को वर्दी उतरवाने तक की धमकी दी गई।

वन विभाग की टीम ने मौके से नीम की लकड़ी से लदी पिकअप को कब्जे में लेकर रेंज कार्यालय पहुंचाया, जहां उसे सीज कर दिया गया। पीड़ित वन रक्षक अनिल तिवारी ने बताया कि बिना परमिट चार हरे-भरे नीम के पेड़ काटे गए थे और जांच के दौरान कार्य में बाधा डालते हुए हाथापाई की गई।

हरख रेंजर प्रदीप सिंह ने कहा कि मामले को गंभीरता से लिया गया है और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

डिजिटल लापरवाही बन सकती है खतरा सुरक्षित इंटरनेट अपनाने का संदेश

बाराबंकी। सुरक्षित इंटरनेट दिवस के अवसर पर एनआईसी सेंटर में आयोजित गोष्ठी में डीआईओ एकांश शर्मा ने कहा कि सुरक्षित, नैतिक और जिम्मेदार इंटरनेट उपयोगकर्ता बनना आज हर नागरिक की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में जीआईसी इंटर कॉलेज के छात्रों को एआई के सुरक्षित उपयोग, सोशल मीडिया, ऑनलाइन बैंकिंग, पब्लिक वाई-फाई और व्हाट्सएप कॉल के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों की जानकारी दी गयी। डीआईओ ने बताया कि वर्ष 2026 में सुरक्षित इंटरनेट दिवस की थीम "स्मार्ट तकनीक, सुरक्षित विकल्प और जिम्मेदार उपयोग" है, जिसे विश्व के करीब 150 देशों में मनाया जा रहा है।

खाई में गिरी अनियंत्रित कार, दो युवक घायल

» साढ़ेमऊ पुल के पास कार चालक को झपकी बनी हादसे की वजह

विश्ववार्ता संवाददाता

फतेहपुर-बाराबंकी। कोतवाली फतेहपुर क्षेत्र में बीती देर रात एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। शादी समारोह से लौट रहे दो दोस्तों की कार साढ़ेमऊ पुल के पास अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी, जिससे दोनों युवक घायल हो गए। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने घायलों को बाहर निकालकर सीएचसी फतेहपुर में भर्ती कराया।

घटना रात करीब एक बजे की है। गांव गोपालपुर निवासी जितेंद्र वर्मा और गांव कंरधा निवासी हिमांशु कस्बा फतेहपुर में एक रिश्तेदार की शादी में शामिल होकर घर लौट रहे थे। साढ़ेमऊ पुल के पास पहुंचते ही कार चला रहे जितेंद्र को अचानक नींद की झपकी आ गई, जिससे वाहन नियंत्रण से बाहर हो गया और खाई में गिर पड़ा।

हादसे में हिमांशु के सिर में गंभीर चोट आई और वह लहूलुहान हो गया, जबकि चालक को मामूली चोटें आईं। कार में फंसे चालक ने किसी तरह फोन कर परिजनों को सूचना दी। मौके पर पहुंचे परिजनों ने कड़ी मशक्कत के बाद दोनों को बाहर निकाला और तत्काल सीएचसी फतेहपुर पहुंचाया।

सीएचसी प्रभारी अवनीश चौधरी ने बताया कि एक युवक को हल्की चोटें हैं, जबकि दूसरे की हालत खतरे से बाहर है और उपचार जारी है। उन्होंने शादी के मौसम में देर रात वाहन चलाते समय सतर्कता बरतने की अपील करते हुए कहा कि नींद महसूस होने पर वाहन रोककर कुछ देर आराम करना चाहिए।

अभिनंदन

प्रगति, स्वाभिमान और सफलता की ओर 2.0 बाल उत्सव आयोजित

बालिका शिक्षा को सुदृढ़ बनाने के लिए टीम भावना जरूरी

» 15 विकास खंडों से आईं बालिका नोडल शिक्षिकाओं एवं 60 चयनित बच्चों ने प्रतिभाग किया।

विश्ववार्ता संवाददाता

बाराबंकी। राजकीय इंटर कॉलेज के ऑडिटोरियम में मंगलवार को जनपद स्तरीय 'प्रगति, स्वाभिमान और सफलता की ओर 2.0' बाल उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी नवीन कुमार पाठक एवं सहायक वित्त एवं लेखाधिकारी राम लाल ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन व माल्यार्पण कर किया।

कार्यक्रम की शुरुआत कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय बंकी की छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना, स्वागत गीत और योग डांस से हुई। डीसी बालिका शिक्षा पुनीत मणि त्रिपाठी ने बुके भेंट कर मुख्य अतिथि का स्वागत किया। स्वागत उद्बोधन में उन्होंने सभी विकास खंडों से आए नोडल शिक्षकों एवं जनपद स्तर पर चयनित छात्र-छात्राओं का अभिनंदन किया।

अपने संबोधन में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी नवीन कुमार पाठक ने विभागीय नवाचारों व शैक्षिक गतिविधियों की जानकारी देते हुए कहा कि बालिका शिक्षा को सुदृढ़ व आत्मनिर्भर बनाने के लिए टीम भावना से कार्य करना आवश्यक है। उन्होंने मंडल व प्रदेश स्तर पर चयनित बच्चों को शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम में जनपद के 15 विकास खंडों से आईं बालिका नोडल शिक्षिकाओं एवं 60 चयनित बच्चों ने प्रतिभाग किया। 'मेरे बदलाव की कहानी' एवं कॉमिक्स बुक आधारित कहानी प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें जनपद से चयनित 5-5 बच्चों को मंडल स्तर पर भेजा जाएगा। सभी विजेता छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

घर में साड़ी के फंदे से लटकता मिला महिला का शव

लखीमपुर। जनपद के थाना हैदराबाद क्षेत्र के मढ़िया सड़क गांव में एक विवाहिता का शव संदिग्ध परिस्थितियों में घर के कमरे में लटका मिला। मृतका की पहचान सीमा देवी पत्नी राजकुमार के रूप में हुई है। शव 9 फरवरी को मिला था। घटना के समय महिला के दोनों बच्चे स्कूल गए थे जबकि पति राजकुमार एक शादी समारोह में शामिल होने नौगवां गए थे। स्कूल से लौटे बेटे ने मां को कमरे में साड़ी के सहारे लटका देखा। पति राजकुमार ने बताया कि महिला के पैर जमीन से लगे हुए थे। मृतका के पति राजकुमार और भाई सुरेंद्र कुमार ने हत्या की आशंका जताई है। उन्होंने पुलिस को लिखित शिकायत भी दी है। सीमा की शादी 14 वर्ष पहले हुई थी।

सीओ गोला रमेश तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही महिला की मौत के कारणों का पता चल पाएगा।

निंदूरा से 35 छात्र-छात्राओं का दल रवाना

अम्बेडकरनगर में मंडल स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में करेंगी प्रतिभाग

विश्ववार्ता संवाददाता

निंदूरा-बाराबंकी। विकासखंड निंदूरा से चयनित 35 प्रतिभागी छात्र-छात्राओं का दल मंगलवार को जनपद अंबेडकर नगर में आयोजित होने वाली मंडल स्तरीय बेसिक शिक्षा बाल क्रीड़ा प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने के लिए रवाना हुआ।

खंड शिक्षा अधिकारी सुषमा सेंगर ने बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और सभी खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। प्रस्थान के दौरान विद्यार्थियों में खासा उत्साह देखने को मिला।

प्रतिभागी छात्र-छात्राओं के साथ वरिष्ठ शिक्षक संदीप कुमार वर्मा, शिव शंकर सिंह, ब्लॉक व्यायाम शिक्षिका शालिनी ठाकुर, सुनीता पहलवान, पूजा सिंह, लता गुप्ता एवं हिमेश ठाकुर मौजूद रहे, जो खिलाड़ियों के मार्गदर्शन और समन्वय की जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

गौरतलब है कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी अयोध्या मंडल के अंतर्गत मंडल स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन जनपद अंबेडकर नगर में किया जा रहा है। इसमें विभिन्न जनपदों से अपने-अपने स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली टीमें भाग ले रही हैं। मंडल स्तर पर विजयी रहने वाली टीमें आगे प्रदेश स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करेंगी।

संपादकीय

आधी आबादी का बढ़ता प्रभाव

आधी आबादी को समर्पित आज का दिन कई मायनों में खास है। विज्ञान में महिलाओं और लड़कियों की महत्वपूर्ण भूमिका और उनके योगदान को मान्यता देने के लिए सालाना 11 फरवरी को 'विज्ञान में महिलाओं और लड़कियों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस" मनाया जाता है। 22 दिसंबर 2015 को संयुक्त राष्ट्र की महासभा में घोषित इस दिवस का मुख्य उद्देश्य विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणितज्ञ क्षेत्र में महिलाओं की समान भागीदारी को बढ़ाना और लैंगिक असमानता को दूर करना था। आज 11 फरवरी 2026 में इस दिवस का 11वां संस्करण मनाया जा रहा है। पिछले वर्ष-2025 की थीम 'भविष्य को आकार देने के लिए प्रगति की रूपरेखा तैयार करना' थी। वहीं, इस साल की थीम 'अभी सर्वश्रेष्ठ आना बाकी है पर केंद्रित है। विज्ञान क्षेत्र में महिलाओं के बढ़ते कदमों की बात करें, तो मंगल मिशन की सफलता से लेकर नासा और नोबेल पुरस्कार तक भारतीय महिलाएं वैज्ञान क्षेत्र में अपना लोहा मनवाया रही हैं। विज्ञान के वैश्विक स्तर पर भी भारतीय महिलाओं की धूम है। ये सिलसिला अब इसलिए भी रूकने वाला नहीं? क्योंकि सामाजिक बेड़ियों को तोड़कर महिलाएं दिनोंदिन विज्ञान की दुनिया में अकल्पनीय कीर्तिमान स्थापित करती जा रही हैं। एकाध दशकों के भीतर विज्ञान क्षेत्र और उसके विषय में महिलाओं की भूमिकाएं अत्यंत महत्वपूर्ण और परिवर्तनकारी के तैर पर उभरी है। आधा आबादी ने भौतिकी, रसायन विज्ञान, चिकित्सा, और अंतरिक्ष अनुसंधान जैसे चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में अपना क्रांतिकारी योगदान देकर अपने दम पर पुरूषों के साथ कदम ताल मिलाया है। मैरी क्यूरी से लेकर भारतीय अंतरिक्ष मिशनों तक, महिलाओं ने रूढ़िवादी पंरपराओं को तोड़कर अपनी प्रतिभां सिद्ध की हैं। केंद्र सरकार ने 2024-25 में विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय को 16,628 करोड़ रुपये आवंटित इसलिए किए थे, ताकि इस क्षेत्र में धन की कमी न आए। विज्ञान क्षेत्र में पुरूषों के तौर पर स्टीफन हॉकिंग, आईजैक न्यूटन, एपीजे अब्दुल कलाम, सीवी रमन जैसे महान पुरुष वैज्ञानिकों की ही छवि लोगों के जेहन में उभरती थी। पर, अब भारत में, विज्ञान और प्रौद्योगिकी में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। वर्ष-2018-19 की विभिन्न शोध परियोजनाओं में महिलाओं की हिस्सेदारी तकरीबन 28 से 30 फीसदी तक बढ़ीं। 2024-24 के आंकड़ों में और इजाफा हुआ है। गति अगर यूं ही बरकरार रही, तो साल 2047 में जब भारत पूर्ण रूप से विकसित होगा, तब विज्ञान क्षेत्र में महिलाओं की हिस्सेदारी आधी हो जाएगी। महिलाओं के लिए भारत अब बदल चुका है। क्योंकि वैश्विक औसत के हिसाब से विज्ञान क्षेत्र में भारतीय महिलाएं की रूचि ज्यादा बढ़ी है। हिंदुस्तान में लड़कियों को अब कम उम्र से ही स्टृम शिक्षा के लिए प्रोत्साहित किया जाने लगा है। यही कारण है कि स्टेम शिक्षा में महिलाओं की हिस्सेदारी अब लगभग 43 प्रतिशत तक जा पहुंची है। केंद्रीय व राज्य सरकारों द्वारा भी महिला सशक्तिकरण के प्रयासों में इंटरशिप, छात्रवृत्तियां और अन्य 11 पीठों का गठन महिला शोधकर्ताओं को बढ़ाने मकसद से शुरू किया जा चुका है। केंद्र सरकार में इसका अलग से मंत्रालय भी बनाया गया है। मंत्रालय का नाम है 'वज्ञान एवं प्रौद्योगिकी एवं पृथ्वी विज्ञान'। एक जमाना था, जब विज्ञान जैसे क्षेत्रों में गिनी चुनी महिलाओं की ही आमदगी होती थी। पर, अब इसरो के चंद्रयान और मंगलयान मिशनों की सफलता में भारतीय महिला वैज्ञानिकों का महत्वपूर्ण योगदान भी दिखने लगा है। आनंदीबाई जोशी पहली महिला डॉक्टर, असिमा चटर्जी पहली कैंसर और मिर्गी शोध, सुषमा घोष पहली चिकित्सा विज्ञान और जानकी अम्माल ने गन्ने की हाइब्रिड प्रजातियों के विकास में जो योगदान दिया, उसे कोई नहीं भूल सकता। वहीं, अन्ना मणि का सौर विकिरण और ओजोन परत के क्षेत्र में दिया उल्लेखनीय कार्य सदैव सराहनीय रहेगा। इन महिलाओं ने ये सफलताएं उस समय हासिल की थी जब महिलाओं को घरों की चारदीवारी में कैद करके रखा जाता था। बाहर निकले आजादी तक नहीं होती थी। भारतीय महिला वैज्ञानिकों ने केवल विज्ञान और चिकित्सा के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान किया, बल्कि गणित, अंतरिक्ष और खगोल शास्त्र के क्षेत्र में भी शानदार उपलब्धियाँ हासिल की हैं।

कटाक्ष ▶ हसन जैदी

जनता जान रही है कौन चाहता है देश में अराजकता

डॉ. हरिकृष्ण बड़ोदिया

अपने दामन के दागों को नजर अंदाज कर दूसरों पर कीचड़ उछालने का परिणाम क्या होता है यह कांग्रेस को तब भली भांति समझ आया होगा जब राज्यसभा में प्रधानमंत्री का भाषण सुना होगा और निशिकांत दुबे द्वारा सदन में लाई गईं पुस्तकों के संदर्भ का सामना किया होगा। जिस कांग्रेस ने देश पर 60 साल शासन किया उसे संसद में विपक्ष में रहकर कैसा व्यवहार करना चाहिए नहीं मालूम। वैसे इस बात में एक सच्चाई है कि गांधी परिवार में अहमन्यता का भाव कूट-कूट कर भरा हुआ है। हो भी क्यों नहीं जिस परिवार ने देश पर शासन किया वह आज बिना सत्ता के छटपटा रहा है। उसे लगता है प्रधानमंत्री का पद उसका दैवीय अधिकार है। उसे लगता है कोई दूसरा उस पर बैठने का अधिकारी कैसे हो सकता है।

प्रधानमंत्री की आसंदी पर केवल उसके परिवार को ही बैठना चाहिए भले ही संवैधानिक व्यवस्था लोकतांत्रिक है लेकिन प्रधानमंत्री का पद तो गांधी परिवार के स्वामान्य राजशाही व्यक्तियों द्वारा ही सुशोभित होना चाहिए। वे भूल जाते हैं कि 2014 के बाद मोदी ने प्रधानमंत्री पद जन आकांक्षाओं और संवैधानिक प्रावधानों के आधार पर प्राप्त किया है। लेकिन यह फांस की तरह चुभ रहा है। यही कारण है कि बेवजह ही संसद को बंधक बनाने की कोशिश की जाती रही है। पिछले 12 सालों से ऐसा कभी नहीं देखा गया कि कांग्रेस सहित अनेक विपक्षी दलों ने लोकहित के मोदी सरकार के कामकाजों का समर्थन किया हो। वह केवल और केवल विरोध करना जानता है। उसका बस नहीं चल रहा अन्यथा मोदी को कुर्सी से उतार दे। अगर बस चलता तो ऐसा करने में संविधान तक को धता बताने में उसे देर नहीं लगती। वैसे संसदीय इतिहास में 4 फरवरी का दिन इसी कोशिश का एक नतीजा माना जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी जब शाम 5:00 बजे लोकसभा में मोदी राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर अपना भाषण देने आने वाले थे। ऐसे में विपक्ष की 6 महिला सांसदों ने जिनमें तीन दलित वर्ग की महिलाएं थी एक बड़ा बैनर लेकर प्रधानमंत्री की आसंदी के चारों ओर घेरा बनाकर नारेबाजी शुरू कर दी।

सदन की कार्यवाही शुरू ही हुई थी कि तत्सम में इन महिला सांसदों के इस आक्रामक व्यवहार को देखते हुए स्पीकर महिला सांसद ने लोकसभा को एड्जॉर्न कर दिया। निश्चित ही यह अशोभनीय और आपत्तिजनक कृत्य किसी शातिर दिमाग की उपज ही हो सकता है। जैसा लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने कहा कि उन्हें इस कृत्य के होने की जानकारी पहले से मिल गई थी अतः उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को सदन में ना आने का निवेदन किया। स्पष्ट है कि महिला सांसदों के ऐसे कृत्य और आक्रामक रवैये से इस बात की आशंका क्यों ना मानी जाए कि उनका इरादा प्रधानमंत्री मोदी को हाथापाई से अपमानित करने का था। जो भी हो ओम बिरला ने और उन लोगों ने जिन्होंने यह सूचना स्पीकर तक पहुंचाई न केवल संसदीय गरिमा को तार-तार होने से बचा लिया बल्कि विश्व पटल पर भारत के सम्मान को धूमिल होने से बचा लिया। इस घटना के बाद पवन खेड़ा नारा दे रहे हैं कि लोकसभा तो झांकी है, पीएमओ से भगाना बाकी है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि एक चुने हुए पीएम के विरुद्ध विपक्ष किस स्तर तक जा चुका है। यही नहीं विपक्ष के नेता राहुल गांधी संसद में मोदी का विरोध करते-करते राष्ट्र विरोधी आचरण करते दिखाई देते हैं। विदेशी धरती पर मोदी की छवि खराब करते-करते वे देश की छवि खराब करते दिखाई देते हैं। आश्चर्य तो यह है कि भारत में बड़े-बड़े विश्वविद्यालय हैं जिनमें अंतरराष्ट्रीय स्तर के विद्यार्थी अध्ययन करते हैं वहां इन्हें भाषण के लिए आमंत्रित नहीं किया जाता। आमंत्रित किया जाता है तो अमेरिका ब्रिटेन और विदेशी विश्वविद्यालयों में जहां राहुल गांधी बाइक और कार के वजन से भारत की राजनीति को समझाते हैं। उपस्थित ऑडियंस क्या समझती है यह तो राहुल ही जाने लेकिन इतना तय है कि वह भारत में नकारात्मक रूप से चर्चित हो जाते हैं। वे भारत को विदेश में जितना कोस सकते हैं कोस लेते हैं और बचा खुचा कोटा वे लोकसभा में पूरा करते हैं। विपक्ष लगातार आरोप लगा रहा है कि सत्ता पक्ष राहुल गांधी को सदन में बोलने नहीं दे रहा लेकिन विपक्ष इस बात पर मौन हो जाता है कि संसदीय नियमों और परंपराओं का निर्वाह न करते हुए विपक्ष के नेता का बोलना कैसे संभव है। राहुल गांधी जब से बजट सत्र शुरू हुआ है बजट के इतर गलवान घाटी में हुई भारत और चीन के सैनिकों की झड़प पर जनरल नरवणे जी के कथनों के आधार पर अपने विचार व्यक्त करने पर अड़े हुए हैं। लोकतांत्रिक व्यवस्था में जब संवैधानिक प्रावधान यही है कि प्रमाण के लिए जो दस्तावेज या सामग्री उद्धृत की जाए वह प्रामाणिक और प्रकाशित हो। लेकिन राहुल गांधी लगातार पूर्व थलसेना अध्यक्ष जन. मनोज मुकुंद नरवणे की पुस्तक जो अभी रक्षा मंत्रालय में प्रकाशन हेतु क्लीयरेंस के लिए लंबित है तथा जिसकी सरकार की अनुशंसा प्रतीक्षित है उसके किसी अंश को पढ़कर यह कहना चाहते थे कि प्रधानमंत्री मोदी चीन और भारत की एलएसी पर होने वाले विवाद में सेना अध्यक्ष को स्पष्ट निर्देश न देकर जो उचित हो वही करो कहा। इसका विपक्ष मजाक उड़ा रहा है। जबकि इसका अर्थ फ्री हैंड देना भी होता है। लेकिन यह विपक्ष को सूट नहीं करता।

नरवणे जी के तत्समय के सारे बयान मौजूद हैं जिसमें उन्होंने कहा था कि चीन हमारी 1 इंच जमीन भी नहीं हड़प सका। अप्रकाशित किताब के प्रमाण के आधार पर ही लोकसभा अध्यक्ष ने राहुल को रोका। उसके बाद अब राहुल संसद परिसर में कुटिल मुस्कान के साथ जो उचित हो वही करो के नारे लगवाते दिखाई दे रहे हैं। इस वाक्यांश को प्रचारित करने का उद्देश्य प्रधानमंत्री को कमजोर निरूपित करने का है लेकिन वे इसमें सफल होंगे ऐसा लगता नहीं है। प्रधानमंत्री यदि कमजोर होते तो ना तो एयर स्ट्राइक होती ना सर्जिकल स्ट्राइक होती और ना ऑपरेशन सिंदूर होता। सब जानते हैं कि पिछले दो वर्षों में राहुल के नेतृत्व में विपक्ष ने देश की जनता को उकसाने, युवाओं को बरगलाने और जेन जी को भड़काते हुए सड़कों पर हिंसक वातावरण बनाने का आह्वान किया था लेकिन असफलता हाथ लगी। वस्तुतः कांग्रेस आज तक मोदी द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में किए गए कठोर निर्णयों को पचा नहीं पाई है। वे निर्णय चाहे आर्थिक क्षेत्र में हों या रक्षा क्षेत्र में या सामाजिक क्षेत्र में हों या विदेश नीति के क्षेत्र में या भारत के कश्मीर के बारे में मोदी ने कठोर निर्णय लेकर देश की साख और सम्मान को बढ़ाया है जिसका सकारात्मक प्रभाव भारत की जनता पर दिखाई देता है।

सोशल मीडिया इस बात का गवाह है कि 80 फ़ीसदी यूजर मोदी को 2029 में पुनः प्रधानमंत्री देखना चाहते हैं। घरेलू महिलाएं हों या कामकाजी महिलाएं, रेहडी लगाने वाले लोग हों या दैनिक मजदूरी करने वाले मजदूर, विद्यार्थी हों या बुद्धिजीवी, व्यापारी हों या छोटे दुकानदार या भारत का किसान हर वर्ग मोदी की अब तक की उपलब्धियों से उत्साहित, प्रसन्न और गर्वित महसूस कर रहा है। वह देख रहा है कि आज भारत की विदेश नीति या व्यापार नीति या रक्षा नीति हर क्षेत्र में भारत ने प्रगति की है। यही नहीं भारत में आज तक जितने प्रधानमंत्री हुए उन सब में मोदी की न केवल देश में ख्याति है बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दुनिया भर के देशों में उन्हें जो सम्मान मिला उतना आज तक किसी दूसरे प्रधानमंत्री को नहीं मिला। आज दुनिया के 29 देशों ने उन्हें अपने देश के सर्वोच्च सम्मानों से नवाजा है जिनमें मुस्लिम देशों की संख्या भी उल्लेखनीय है। क्या इतना सम्मान भारत के किसी प्रधानमंत्री को आज तक मिला। पिछले एक महीने में भारत में अंतरराष्ट्रीय व्यापार में जो सफलता मिली वह पहले कभी नहीं देखी गई।

पहले ब्रिटेन से व्यापार समझौता किया फिर यूरोपियन यूनियन से मदर ऑफ ऑल डील और अभी अमेरिका से ट्रेड डील और कल मलेशिया से डील हुई जो स्पष्ट करती है कि भारत पर दुनिया भर के देशों को भरोसा है और इसका सारा श्रेय नरेंद्र मोदी को जाता है। यह सब देश का विपक्ष जिसके सिरमौर राहुल गांधी हैं पचा नहीं पा रहे। विपक्ष को लग रहा है यदि देश मोदी के नेतृत्व में इसी तरह प्रगति करता रहा तो 2029 में सत्ता में वापसी का उसका सपना पूरा होना असंभव है। देश की जनता देख रही है, पहचान रही है कि कौन देश में श्रीलंका, नेपाल और बांग्लादेश जैसे अराजक हालात चाहता है और कौन देश की प्रगति और उन्नति चाहता है।

अपनी राय हमें इस मेल पर भेंजे–
vishwavarta.response@gmail.com

बदलती वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत : रणनीतिक स्वायत्तता का पुनर्पाठ

प्रो. अजय द्विवेदी

समकालीन वैश्विक अर्थव्यवस्था को अब किसी एक ढाँचे में बाँधकर समझना आसान नहीं रह गया है। व्यापार, तकनीक और भू-राजनीति अब अलग-अलग धाराओं में नहीं बहते, बल्कि एक-दूसरे के भीतर घुलते-मिलते आगे बढ़ते हैं। ऐसे में कोई भी आर्थिक निर्णय केवल बाज़ार का संकेत भर नहीं रह जाता। वह एक व्यापक रणनीतिक वक्तव्य बन जाता है। सवाल यह है कि क्या हम इन निर्णयों को उसी व्यापक संदर्भ में पढ़ पा रहे हैं, या अभी भी उन्हें अलग-अलग खाँचों में बाँटकर देखते हैं।

भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच हुआ हालिया व्यापार समझौता इसी बदलते वैश्विक परिदृश्य का एक उदाहरण है। इसे न तो तात्कालिक सफलता के उत्सव में सीमित करना उचित होगा और न ही किसी शक्ति-गुट में प्रवेश का संकेत मानना। देखने पर लगता है कि इसे भारत की आर्थिक कूटनीति में उभरते आत्मविश्वास के रूप में पढ़ना अधिक सार्थक है। ऐसा आत्मविश्वास, जो अब केवल परिस्थितियों पर प्रतिक्रिया देने तक सीमित नहीं रहा, बल्कि अपनी शर्तें तय करने की क्षमता की ओर बढ़ रहा है। पर क्या यह क्षमता संस्थागत स्तर पर टिक पाएगी। यह आत्मविश्वास चीन के संदर्भ में और भी स्पष्ट दिखाई देता है। भारत और चीन के आर्थिक संबंध विरोधाभासों से भरे हैं। एक ओर द्विपक्षीय व्यापार का स्तर ऊँचा है, दूसरी ओर बढ़ता हुआ व्यापार घाटा भारत की रणनीतिक असहजता को उजागर करता है। चीन कई महत्वपूर्ण आपूर्ति-श्रंखलाओं में गहराई से जुड़ा हुआ है। इसलिए पूर्ण अलगाव न तो व्यवहारिक है और न ही तर्कसंगत। सच यह है कि भारत का दृष्टिकोण अलगाव का नहीं, बल्कि जोखिम को सीमित करने का है। निर्भरता को विवेकपूर्ण ढंग से संतुलित करना और विकल्पों का निर्माण करना। लेकिन यह संतुलन कितनी दूर तक संभव है, यह प्रश्न खुला है।

यहीं पर भारत की समकालीन रणनीति की बारीक रेखाएँ उभरती दिखाई देती हैं। एक ओर अमेरिका और अन्य पश्चिमी अर्थव्यवस्थाओं के साथ निर्यात, निवेश और तकनीकी सहयोग को विस्तार दिया जा रहा है। दूसरी ओर चीन के संदर्भ में यथार्थवाद और सतर्कता को प्राथमिकता दी जा रही है। यह दोहरी नीति किसी असमंजस का संकेत नहीं लगती। बल्कि यह उस परिपक्वता को दर्शाती है, जहाँ यह समझ विकसित हो चुकी है कि बहुध्रुवीय विश्व में न तो स्थायी मित्र होते हैं और न ही स्थायी प्रतिद्वंद्वी। केवल स्थायी हित होते हैं। पर क्या इस समझ को रोज़मर्रा की नीति-निर्माण प्रक्रिया में उतार पाना उतना ही सहज है।

इस पूरे परिदृश्य में डिजिटल व्यापार एक निर्णायक मोड़ प्रस्तुत करता है। भविष्य की अर्थव्यवस्था में मूल्य का केंद्र धीरे-धीरे वस्तुओं से हटकर डेटा, एल्गोरिदम और डिजिटल सेवाओं की ओर खिसक रहा है। यहाँ प्रश्न केवल बाज़ार-पहुंच का नहीं रहेगा। यह भी पूछा जाएगा कि डेटा का नियंत्रण किसके हाथ में है और उसका रणनीतिक उपयोग कैसे किया जाता है। भारत की स्थिति यहाँ विशिष्ट है। वह एक विशाल डिजिटल बाज़ार भी है और डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना का सक्रिय निर्माता भी। इसलिए डिजिटल व्यापार से जुड़े निर्णय भारत के लिए केवल आर्थिक नहीं, बल्कि संप्रभुता और दीर्घकालिक क्षमता-निर्माण से सीधे जुड़े हुए हैं। क्या यही कारण है कि भारत इस मोर्चे पर अधिक संतुलन और सावधानी दिखाता है।

इसी तरह आपूर्ति-श्रंखला पुनर्गठन, कार्बन मानक और हरित व्यापार जैसे विषय आने वाले वर्षों में व्यापार नीति की भाषा को पूरी तरह बदल सकते हैं। कुछ देश इन्हें बाहरी बाध्यता के रूप में देख रहे हैं, तो कुछ इन्हें नए अवसर के रूप में पढ़ने की कोशिश कर रहे हैं। भारत के सामने प्रश्न यह है कि वह इन उभरते मानकों को अपने औद्योगिक और विकासात्मक लक्ष्यों से कैसे जोड़े। क्या इन्हें केवल दबाव मानकर टाल दिया जाएगा, या इन्हें दीर्घकालिक प्रतिस्पर्धा का आधार बनाया जाएगा।

इन सभी प्रवृत्तियों के बीच रणनीतिक स्वायत्तता भारत की सबसे महत्वपूर्ण पूँजी के रूप में उभरती दिखाई देती है। रणनीतिक स्वायत्तता का अर्थ न तो वैश्विक व्यवस्था से दूरी बनाना है और न ही किसी एक शक्ति-केंद्र के साथ स्थायी संरेखण। इसका आशय यह है कि भारत के पास निर्णय लेने की वह स्वतंत्रता बनी रहे, जिसमें सहयोग और दूरी दोनों विकल्प परिस्थिति के अनुसार खुले हों। समझने पर लगता है कि भारत की हालिया नीतियाँ इसी व्यावहारिक स्वायत्तता की दिशा में बढ़ रही हैं। लेकिन क्या यह स्वायत्तता दबाव के वास्तविक क्षणों में भी उतनी ही मज़बूत रह पाएगी।

अंततः भारत की वास्तविक परीक्षा केवल अंतरराष्ट्रीय समझौतों पर हस्ताक्षर करने में नहीं है। असली कसौटी उन्हें घरेलू संरचनात्मक सुधारों से जोड़ने में है। यदि अवसंरचना, लॉजिस्टिक्स, औद्योगिक क्षमता और नीति-समन्वय में ठोस प्रगति नहीं हुई, तो वैश्विक अवसर सीमित प्रभाव ही छोड़ेंगे। लेकिन यदि इन आंतरिक सुधारों को बाहरी अवसरों के साथ जोड़ने में सफलता मिली, तो भारत न केवल अपनी भूमिका को पुनर्परिभाषित कर सकता है, बल्कि नियमों की दिशा तय करने वाले देशों की श्रेणी में भी स्थान बना सकता है।

आज का भारत किसी एक शक्ति के साथ खड़े होकर दूसरे के विरुद्ध चलने वाला देश नहीं दिखता। वह एक अधिक जटिल, पर शायद अधिक टिकाऊ मार्ग चुन रहा है। ऐसा मार्ग, जहाँ समझौते साधन हैं, संतुलन कमजोरी नहीं बल्कि शक्ति है, और रणनीतिक स्वायत्तता कोई सैद्धांतिक आदर्श नहीं, बल्कि व्यवहार में उतरती नीति बनती जा रही है। सवाल यही है कि आने वाले दशक में भारत इस संतुलन को कितनी कुशलता से स्थायी आर्थिक और रणनीतिक प्रभाव में बदल पाएगा। यह लेख भारत की बदलती रणनीतिक सोच की पृष्ठभूमि को रेखांकित करता है। आगे का विमर्श इसी प्रश्न पर टिकेगा कि क्या भारत इन रणनीतिक विकल्पों को ठोस नीति और दीर्घकालिक क्षमता में रूपांतरित कर पाएगा।

(लेखक वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में प्रबंधन संकाय के पूर्व डीन हैं।)

कविता

स्मिता पाण्डेय

आज नहीं, अभी

आने वाले कल का भी कल कभी
आता नहीं,

समय बीतने के बाद, फिर वो समय
कभी आता नहीं।

हो तमन्ना, सागर पार करने की,

तो याद रखना गागर में सागर कभी
समाता नहीं।

करनी होगी किनारे से शुरुआत आज
नहीं, अभी,

मन से निकालना होगा ये वाक्य
'आज नहीं, फिर कभी'।

रफिर कभीर आता नहीं, फिर क्यूँ ये
वाक्य मन से जाता नहीं?

हो हौसला, आसमाँ को छूने का,

तो याद रखना आसमाँ खुद उतर
कर, ज़मी पर आता नहीं।

करनी होगी ज़मी से शुरुआत आज
नहीं, अभी।

आने वाले कल के कल के फेरे से
पार पाना होगा,

आज नहीं, अभी।

सदनों में जनता के प्रति जनप्रतिनिधियों का रवैया

प्रेम शर्मा

भारत में मुख्य जनप्रतिनिधियों में लोकसभा के 543 निर्वाचित सांसद और राज्यसभा के 245 (233 निर्वाचित $ 12 मनोनीत) सदस्य शामिल हैं, जो राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व करते हैं। इसके अलावा, राज्यों की विधानसभाओं में कुल 4,120 विधायक होते हैं। 18वीं लोकसभा (2024-2029) में कुल 543 सांसद चुने गए हैं। यानि देश का केन्द्र एवं राज्य स्तर पर प्रतिनिधित्व करने वालों की संख्या कम नही है। लेकिन सत्तापक्ष और विपक्ष जिस तरह से सदन में जनभावनाओं से प्रेरित, देश विकास में समर्पित मुद्दों से भटककर आरोप प्रत्यारोप में सदन का वक्त जाया करने के साथ जनता की गाढ़ी कमाई बरबाद करता है वह वाकई जनता के लिए पीड़ा कारी है। एक आकड़े के अनुसार एक घंन्टे अगर केन्द्र सरकार के सदन में हंगामा हो जाए तो 1.5 करोड़ और विधानसभाओं में लगभग 25 से 50 लाख रूपये बरबाद होते है जो जनता के टैक्स का पैसा होता है। यह स्थिति केवल संसद में नही बल्कि विधानसभाओं में भी लगातार जारी है। एक समय था कि जनप्रतिनिधि अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन दलगत पार्टी से हटकर जनहित में निभाते थे। अब योजनाओं पर विचार करने के बजाय कुछ ऐसे मुद्दों पर बस चल रही है। अब हमें यह कहने में संकोच होता है कि भारत दुनिया की सबसे बड़ी संसदीय लोकतांत्रिक व्यवस्था वाला देश है। यह वही भारतीय संसद है जहां 1950 के दशक में एक नए सांसद अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू की आलोचना पर प्रधानमंत्री जी विचलित नहीं हुए बल्कि उस युवा सांसद के पास जाकर उसके भाषण की तारीफ की और यह कह दिया कि तुम एक दिन इस देश के प्रधानमंत्री बनोगे और वही युवा सांसद अटल बिहारी वाजपेयी जब देश का विदेश मंत्री बना तो उसने देखा कि उनके कार्यालय जो साउथ ब्लॉक में स्थित था से नेहरू जी की फोटो गायब थी जिस पर उन्होंने आपत्ति जताई और पंडित नेहरू की फोटो वहां पर फिर लगवा दी गई। यह वही भारत है

जब 1991 में नरसिम्हा राव प्रधानमंत्री बने तो उन्हें संयुक्त राष्ट्र संघ में भारत का पक्ष रखने के लिए अपनी पार्टी से कोई नहीं मिला तो उन्होंने नेता विपक्ष अटल बिहारी वाजपेई को जिनेवा में भारत का पक्ष रखने के लिए भेजा। आज लोकसभा और राज्यसभा से लेकर विधानसभाओं तक में बहस का स्तर इतना गिर गया है की समझ में नहीं आ रहा कि हमारी लोकतांत्रिक प्रणाली कहां जा रही है। संसद और विधानसभओं में बेरोजगारी, बढ़ती महंगाई, बिजली और पानी की कमी, बुनियादी ढांचे, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित मुद्दों को लोकतांत्रिक और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के साथ-साथ मजबूती से उठाया जाना चाहिए।संसद में जनहित के मुद्दों पर गंभीर चर्चा होनी चाहिए, लेकिन चर्चा के बजाय हंगामा और असंबंधित बातों से कार्यवाही बाधित करना पूरी तरह गलत है। सत्ता पक्ष और विपक्ष जन मुद्दों को छोड़कर एक दूसरे के चरित्र, कमजोरी लेकर जो दंगल कर रहे है वह ठीक नही है। देश की जनता सब देख रही।

आज भारत की संसद और विधानसभाओं में हंगामा है। देश को चलाने वाले नेता एक दूसरे पर लांछन लगा रहे हैं। वे भूल रहे हैं कि लोकतंत्र को चलाना उनका दायित्व है. पहले संसद का, फिर लोकतंत्र का मखौल उड़ाकर, प्रतिष्ठा गिराकर उनका भी लाभ नहीं होगा। जनप्रतिनिधियों को सदन की गरिमा बनाए रखते हुए जनभावनाओं और जनता के विश्वास को याद रखना अनिवार्य है। उन्हें शोर-शराबे और नियोजित गतिरोध के बजाय सार्थक चर्चा और संवाद के माध्यम से व्यापक जनहित के मुद्दों का समाधान करना चाहिए। संसद और विधानसभा संवाद और विकास का मंच है, जहाँ जनप्रतिनिधियों का दायित्व जनभावनाओं को आवाज देना है, न कि व्यवधान डालना। सदनों की मर्यादा के अनुकूल आचरण करना और देश की अपेक्षाओं को पूरा करना प्रत्येक निर्वाचित सदस्य का प्राथमिक कर्तव्य है।जनकल्याण की प्रतिबद्धतारू जनप्रतिनिधियों को निर्वाचित क्षेत्र और संपूर्ण राष्ट्र के विकास के लिए समर्पित रहकर कर्म करना चाहिए। अगर ये नेता लोकतंत्र की रक्षा न कर सकें तो उन्हें सार्वभौम अधिकार लेने का कोई हक नहीं. लोकतंत्र की धज्जियां उड़ाना उनका मकसद नहीं होना चाहिए। संसद और विधानसभाओं में जाने वाली देश की प्रमुख पार्टियां हैं, जो बदल बदल कर सरकार चलाती हैं। उन्हें सदन में और सदन के बाहर अपने आचरण पर विचार करना चाहिए। देश में ही नहीं विदेशों में भी उनकी प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। वैसे तो राजनीति का अभिप्राय राजकाज चलाने वाली नीति से है। इसकामकसद समतामूलक सुसभ्य समाज का निर्माण करना और देश के चहुंमुखी विकास में योगदान देना है। लेकिन दुर्भाग्य से अपने देश में राजनीति का स्तर लगातार गिरता जा रहा है। यह क्षरण कहां जाकर थमेगा, पुख्ता तौर पर कोई नहीं कह सकता। यह गिरावट एक दिन में नहीं आयी है।

आजादी के बाद हमारे संविधान निर्माताओं और नीति नियंताओं ने काफी सोच-विचार कर समाज और देश के विकास का सपना देखा था। तब हमारी गिनती एक लुटे-पिटे गरीब देशों में होती थी। आज हम विश्व की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश होने का दावा करते हैं, लेकिन नैतिक तौर पर तेजी से पाताल की ओर गिरते जा रहे हैं। सबसे खास बॉत यह कि आज का दौर डिजीटल मीडिया और सोशल मीडिया का दौर है। इस दौर में सामान्य विधायक से लेकर खास विधायक सांसद, मंत्री, नेता सदन, नेता विपक्ष, स्पीकर तथा अन्य जिम्मेदारों की बॉत, हावभाव किसी ना किसी तरीके से आम जनता को देखने,सुनने मिल जाते है। उनका पक्षपात, जनता के प्रति गैरजिम्मेदारी भरा बयान या हरकत सबकुछ रिकार्ड होती रहती है इसके बावजूद सत्तापक्ष और जिस तरह जनविरोधी आचरण सदनों में कर रहा है वह भगवान तुल्य कहे जाने वाले मतदाता और आम जनता के साथ सीधे धोखा है। यानि इतना तय है कि जनता के प्रति अपनी जबाबदेही के लिए पक्ष विपक्ष अपने आप को अलग नही बता सकता।

खून से लथपथ मिला पांच वर्षीय बच्ची का शव, हड़कंप

मासूम की गर्दन पर रस्सी से गला कसे जाने के निशान

विश्ववार्ता संवाददाता

बिसवां, सीतापुर। बिसवां कोतवाली इलाके में सोमवार को देर रात एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां गांव के बाहर स्थित एक झोपड़ी में दोपहर 3:00 बजे से लापता एक 5 वर्षीय बच्ची का खून से लथपथ शव बरामद मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य संकलन के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। इस वारदात के बाद गांव में दहशत का माहौल है। जानकारी के अनुसार 4 वर्षीय मासूम बच्ची संध्या पुत्री रामशरण

- दोपहर तीन बजे से लापता हुई थी बच्ची, परिजनों ने जतायी हत्या की आशंका

दोपहर 3 बजे से लापता हो गई। पिता शाम 5 बजे से ग्रामीणों की मदद से उसकी तलाश की तो देर रात उसका शव गांव के बाहर बने एक झोपड़ी से खून से लथपथ शव बरामद हुआ तो हड़कंप मच गया। परिजनों ने तत्काल मामले की सूचना पुलिस को दी।

घटना की जानकारी पर पहुंची स्थानीय पुलिस के साथ फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य संकलित कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। वहीं देर रात से एसपी अंकुर अग्रवाल, एएसपी दक्षिणी दुर्गेश कुमार सिंह, सीओ बिसवा अमन सिंह ने मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया और परिजनों के बयान दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। मासूम बच्ची के गर्दन पर रस्सी से गला कसे जाने के निशान पाए गए है। वही शव पर मिले खून से मासूम की मौत का राज और अधिक गहरा हो गया। परिजनों ने मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या की आशंका जताते हुए थाने में तहरीर दी है। पुलिस मामले में एक युवक को भी हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

शिकायतों के निस्तारण में लहरपुर तहसील को लगातार चौथी बार मिला प्रथम स्थान

लहरपुर, सीतापुर। प्रदेश में मुख्यमंत्री जन सुनवाई पोर्टल आईजीआरएस में शिकायतों के निस्तारण में लहरपुर तहसील को लगातार चौथी बार प्रथम स्थान मिला है।

उपजिलाधिकारी आकांक्षा गौतम ने बताया कि माह जनवरी में आई जीआरएस के प्राप्त 304 प्रार्थना पत्रों में से 300 प्रार्थना पत्रों का गुणवत्ता के आधार पर निस्तारण किया गया। शत प्रतिशत निस्तारण के लिए माह जनवरी की प्रदेश की रैंकिंग में लहरपुर तहसील को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।

उपजिलाधिकारी आकांक्षा गौतम ने बताया आई जीआर एस के अलावा प्राथमिकता के आधार पर नियमित तहसील कार्यालय में जन सुनवाई करके उनकी समस्याओं का निस्तारण किया जाता है।सम्पूर्ण समाधान दिवस की शिकायतों का भी निस्तारण अति शीघ्र निर्धारित समय में किये जाने प्रयास किया जाता है जिससे पीड़ितों राहत मिल सके।

फार्मासिस्ट व चीफ फार्मासिस्ट को प्रतिकूल प्रविष्टि

बीपीएम का 15 दिन का वेतन कटा, स्टाफ नर्स पर अनुशासनिक कार्यवाही

- सीएचसी हरगांव के निरीक्षण में जिलाधिकारी को मिला खामियों का पुलिंदा

विश्ववार्ता संवाददाता

सीतापुर। जिलाधिकारी राजागणपति आर ने मंगलवार को सीएचसी हरगांव का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने इमरजेंसी वार्ड देखते हुये कलर कोडिंग के अनुसार बेडशीट न होने व गंदी होने पर फार्मासिस्ट आदित्य प्रकाश पांडेय को प्रतिकूल प्रविष्टि देने के निर्देश दिये। एमओआईसी संजय गौड़ के अनुपस्थित मिलने पर स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिये।

औषधि केन्द्र पहुंचकर जिलाधिकारी ने दवाओं की एक्सपायरी रजिस्टर का अवलोकन करते हुये दवाओं की भी एक्सपायरी को देखा। दवाओं का रख-रखाव सही न होने पर फार्मासिस्ट पर नाराजगी जताते हुये अनुशासनिक कार्यवाही के निर्देश दिये। दवाओं के भंडारण कक्ष में भी दवाओं का रख-रखाव सही न मिलने पर चीफ फार्मासिस्ट को भी प्रतिकूल प्रविष्टि जारी करने के निर्देश दिये।

बीपीएम राहुल बाजपेयी द्वारा कार्यों में लापरवाही करने पर 15 दिन का वेतन काटने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने एमओआईसी द्वारा अपने कार्यों एवं दायित्वों का सही निर्वहन न करने पर प्रतिकूल प्रविष्टि के साथ ही अग्रिम आदेशों तक वेतन आहरित न करने के निर्देश सीएमओ को दिये। जिलाधिकारी ने लेबर रूम रजिस्टर को देखते हुए नर्सों की संख्या की जानकारी ली। एचआरपी ट्रैकिंग रजिस्टर का अवलोकन किया, जिसमें महिला का वैक्सीनेशन न होने पर स्टाफ नर्स मंदाकिनी मिश्रा पर अनुशासनिक कार्यवाही की संस्तुति करने के निर्देश जिलाधिकारी ने दिये। एचआरपी ट्रैकिंग रजिस्टर में दर्ज मरीज से जिलाधिकारी ने दूरभाष से वार्ता करते हुये फीडबैक लिया। लेबर रूम में प्रसव की जानकारी करते हुये 545 का प्रसव का लक्ष्य है, जिसमें से कुल 324 प्रसव होने एवं आशाओं द्वारा संस्थागत प्रसव हेतु जागरुकता न फैलाये जाने पर बीसीपीएम संतोष कनौजिया का 15 दिन का वेतन काटने के निर्देश दिये।

एनबीएसयू वार्ड में रजिस्टर, रेफर रजिस्टर का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा सुरेश कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

एक नजर

सीरे से भरा टैंकर अनियंत्रित होकर खाई में पलटा

लहरपुर, सीतापुर। कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत लहरपुर तंबौर मार्ग पर ग्राम गंगा दीन पुरवा के निकट सीरे से भरा एक टैंकर अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे गहरी खाई में पलट गया। मंगलवार सुबह तंबौर की तरफ से आ रहा सीरे से भरा एक टैंकर ग्राम गंगा दीन पुरवा के निकट लहरपुर की तरफ से आ रहे एक तेज रफ्तार वाहन को बचाने के प्रयास में गहरी खाई में गिरकर पलट गया इस दुर्घटना में चालक व क्लीनर बाल–बाल बच गए और टैंकर में भरा सीरा भी सुरक्षित रहा। दुर्घटना की सूचना पर भारी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए। ज्ञातव्य है कि उक्त सीरे से भरा टैंकर हिंदुस्तान शुगर मिल बेहटा पकौरी तंबौर से जवाहरपुर मिल जा रहा था तभी यह दुर्घटना हुई। दुर्घटना के संबंध में पुलिस चौकी प्रभारी लालपुर मनोज दुबे ने बताया कि, कोहरे के चलते टैंकर सड़क के नीचे उतर कर पलट गया था, कोई भी दुर्घटना में घायल नहीं हुआ है चालक सुरक्षित है।

चोरी के मामले में हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार, गहने बरामद

सीतापुर। सकरन पुलिस ने चोरी के पंजीकृत अभियोग में प्रकाश में आये शातिर अभियुक्त हलीम पुत्र वशीर अहमद निवासी ग्राम रसूलपुर बकैया थाना सकरन को पुपुरिहा तालाब मोड़ ओडाझार के पास से गिरफ्तार कर लिया। जिसके पास से हाथ फूल, दो जोड़ी पायल व चार जोड़ी बिछुआ तथा 12 बोर तमंचा व कारतूस बरामद हुआ। उल्लेखनीय है कि हलीम शातिर अपराधी है। जिसके विरुद्ध पूर्व में भी चोरी, नकबजनी, अवैध शस्त्र जैसे अपराधों के दर्जन भर मुकदमें खीरी व सीतापुर में दर्ज हैं तथा वह सकरन थाने का हिस्ट्रीशीटर भी है। अभियुक्त ने पूछताछ में बताया कि उसने अपने साथी के साथ मिलकर 2 अक्टूबर की रात्रि मे ग्राम भंगहा मे एक घर मे घुसकर चोरी की घटना को अंजाम दिया था। पुलिस ने सम्बंधित धाराओं के तहत अभियुक्त का चालान किया है।

असलहा समेत युवक गिरफ्तार

सीतापुर। कोतवाली देहात पुलिस ने चेंकिंग के दौरान शाबान उर्फ सहबान पुत्र रहीस उर्फ मुल्ला निवासी नैपालापुर थाना कोतवाली देहात को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 315 बोर असलहा व कारतूस बरामद किया है। पुलिस ने अभियुक्त के विरुद्ध आर्म्स एक्ट के तहत कार्यवाही की है।

शारदा सहायक नहर से मिला गुमशुदा युवक का शव

महमूदाबाद, सीतापुर। लहरपुर के गुमशुदा युवक का शव महमूदाबाद के सिहारूखेड़ के पास शारदा सहायक नहर से बरामद हुआ है। लहरपुर से शव बहता हुआ यहां पहुंचा। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू की। लहरपुर के जोशी टोला के राज जोशी (23) पुत्र जनार्दन प्रसाद चार फरवरी को घर से निकले थे और उसके बाद संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गए थे। लापता के नहर में कूदने की आशंका के चलते परिजन उसे नहर पटरी पर ढूंढ रहे थे। इस दौरान मंगलवार की दोपहर राज का शव महमूदाबाद के सिहारूखेड़ा पुल के पास शारदा सहायक नहर में उतराता मिला। परिजनों ने 112 डायल पर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीण गोताखोरों की मदद से शव को बाहर निकलवाया। प्रभारी निरीक्षक महमूदाबाद अनिल सिंह व प्रभारी निरीक्षक लहरपुर अरविंद सिंह ने मौके पर पहुंच जांच–पड़ताल की। कोतवाल अनिल सिंह ने बताया पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर मौत के कारणों का पता चल सकेगा। मामले को लेकर लहरपुर कोतवाली में राज के गुमशुदा होने की सूचना दर्ज है।

यूजीसी के समर्थन में की बैठक

00

सिधौली/सीतापुर। कस्बे के बहादुरपुर मोहल्ले में स्थित अंबेडकर पार्क में संगठन डॉ. अंबेडकर संवैधानिक महासंघ के कार्यकर्ताओं ने यूजीसी के समर्थन में बैठक की और सड़कों पर पैदल मार्च कर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा बैठक में वक्ताओं ने यूजीसी को उचित ठहराते हुए उसे सुप्रीम कोर्ट से लागू करने की बात कही।राष्ट्रपति को सम्बोधित एसडीएम को सौंपे गए ज्ञापन में यूजीसी लागू किए जाने की कार्यकर्ताओं ने मांग की।इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश कुमार,अभय प्रताप सिंह त्यागी, प्रदीप अंबेडकर, मीना भारतीय, आरके आजाद,जीसी गौतम व अवधेश कुमार सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शैक्षिक भ्रमण पर सीता इंटर कालेज पहुंचे पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय के 50 विद्यार्थी

महमूदाबाद, सीतापुर। पहला के घैला के पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय के 50 विद्यार्थी मंगलवार को सीता इंटर कालेज पहुंचे। यहां विद्यार्थियों ने 'युग्मन एवं समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से प्रयोगशालाओं के साथ कक्षा–कक्ष में हो रहे विभिन्न गतिविधियों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ चल रहे पठन–पाठन को देखा। घैला विद्यालय के 50 विद्यार्थी मंगलवार की सुबह जब सीता इंटर कालेज पहुंचे तो वे काफी उत्साहित दिखे। विद्यार्थियों ने यहां रसायन, भौतिक एवं जीव विज्ञान की प्रयोगशालाएं देखी। बच्चों को विज्ञान शिक्षक अंब्रीश वर्मा, मनीष श्रीवास्तव, सुभाष वर्मा द्वारा विभिन्न प्रयोगात्मक कार्यों में प्रयोग होने वाले विभिन्न उपकरणों के बारे में जानकारी देते हुए उनकी क्रियाविधि समझाई गई। प्रयोगशालाओं में बच्चों ने दूरबीन, मानव कंकाल, विभिन्न जीव जंतुओं के कंकाल आदि दिखाए गए। बच्चों ने कंप्यूटर लैब पहुंचकर कंप्यूटर की क्रियाविधि की विस्तृत जानकारी प्राप्त करते हुए उन्हें संचालित किया। विद्यालय की शिक्षिका पूनम वर्मा द्वारा पढ़ाई में रोचकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से गीत के माध्यम से गतिविधि आधारित शिक्षण कार्य कराया जिसे बच्चों में पूरे मनोयोग के साथ सीखा। विद्यार्थियों ने कक्षा–कक्षों में पहुंचकर बच्चों के साथ पठन–पाठन की क्रिया देखी। बच्चों ने यहां वर्ष 2024 की यूपी बोर्ड हाईस्कूल में प्रदेश में पहला स्थान पाने वाली प्राची निगम, तीसरा स्थान पाने वाली नव्या सिंह तथा छठा स्थान पाने वाली वर्तिका सिंह से मुलाकात कर उनके अनुभव सुने। विद्यालय शिक्षकों द्वारा भ्रमण पर आए विद्यार्थियों का रोली–तिलक कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक अजय कुमार, पुर्णेश कुमार, अनुज यादव, हरद्वारीलाल, राधवराम, अमित शुक्ल सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

नकलविहीन व शांतिपूर्ण सम्पन्न कराएं परीक्षाएं

यूपी बोर्ड की परीक्षाओं की तैयारियों को लेकर डीएम ने की समीक्षा

विश्ववार्ता संवाददाता

सीतापुर। यूपी बोर्ड की इंटरमीडिएट व हाईस्कूल की परीक्षाएं शांतिपूर्ण व नकलविहीन सम्पन्न कराने को लेकर मंगलवार को जिलाधिकारी डा. राजागणपति आर की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक की गई। बैठक में जिले के सभी परीक्षा केंद्रों की भौतिक तैयारियों, केंद्र व्यवस्थापकों एवं कक्ष निरीक्षकों की नियुक्ति, परीक्षा कक्षों की व्यवस्था, प्रकाश, पेयजल, शौचालय, बैठने की उचित व्यवस्था सहित परीक्षार्थियों की सुविधाओं पर समीक्षा की गई। प्रश्नपत्रों की गोपनीयता, स्ट्रांग रूम की सुरक्षा, उत्तर पुस्तिकाओं के सुरक्षित संकलन, सीलिंग एवं प्रेषण व्यवस्था पर भी चर्चा की गई।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए गए कि सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे पूर्णतः क्रियाशील रहें तथा उनकी निरंतर निगरानी की जाए। नकल पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने हेतु उड़नदस्तों की प्रभावी तैनाती, संवेदनशील एवं अति संवेदनशील परीक्षा केंद्रों की पहचान कर विशेष निगरानी रखी जाये। यदि किसी प्रकार की कोई घटना घटित होती है तो इसकी तत्काल सूचना कन्ट्रोल को उपलब्ध करायी जाये। बैठक में कानून-व्यवस्था की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को परीक्षा अवधि के दौरान पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, परीक्षा केंद्रों के आसपास शांति व्यवस्था बनाए रखने तथा परीक्षा संचालन में किसी प्रकार का व्यवधान न होने देने के निर्देश दिए गए। परीक्षा ड्यूटी में लगाए गए सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों को समय से उपस्थित होकर अपने दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया कि माध्यमिक शिक्षा परिषद एवं शासन द्वारा जारी सभी दिशा-निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही, अनुशासनहीनता अथवा अनियमितता पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बैठक के बाद जिलाधिकारी ने जीआईसी सीतापुर का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखीं। जिलाधिकारी ने अधिकारी को निर्देश दिये कि विद्यालय में प्राथमिकता पर कराये जाने वाले कार्यों की सूची उपलब्ध करायी जाये। प्रोजेक्ट अलंकार के तहत कराये जा रहे कार्यों को भी देखा।

प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट में खेले गये दो मैच

लहरपुर, सीतापुर। नगर के मोहल्ला छावनी में स्थित चल रही लहरपुर प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट में 2 मैच खेले गए। मंगलवार को नगर के मोहल्ला छावनी स्थित कटहली ग्राउंड पर लहरपुर प्रीमियर लीग सीजन वन क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन मोनू खां, चाँद पहलवान, सुहेल, अनस, रकीब, शादाब के द्वारा कराया जा रहा है। क्रिकेट टूर्नामेंट में मंगलवार को मुनीर एलेवन व शिवम इलेवन के बीच मैच हुआ जिसमें शिवम एलेवन ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग करने का फैसला किया, मुनीर एलेवेन के बल्लेबाजों ने बल्लेबाजी करते हुए 8 ओवर में 133 रन का बनाये, जिसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए शिवम एलेवेन 8 ओवर में मात्र 122 रन ही बना सकी और 11 रनों से हार का सामना करना पड़ा। बेहतरीन बल्लेबाजी पर मैन ऑफ द मैच जीशान को दिया गया। दूसरा मैच मालिक गारमेंट्स व सुहेल एलेवेन के मध्य खेला गया।

पुल नहीं बना तो होगा जल सत्याग्रह : सरोजनी

- पुल निर्माण को होगा आंदोलन राजभवन को मार्च करेंगे ग्रामीण

सीतापुर। जिले के मिरचौडी स्थित सरायन नदी पर हरैया घाट पुल के निर्माण को लेकर क्षेत्र में लंबे समय से उठ रही मांग को जिला पंचायत सदस्य एवं कांग्रेस की जिला उपाध्यक्ष सुनीता चौधरी, रत्नम राठौर, सरोजनी गौतम व शिखा वर्मा ने एक बार फिर जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन कर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। सुनीता चौधरी ने ज्ञापन सौंपते हुए बताया कि पुल के अभाव में लगभग 130 ग्राम सभाओं और करीब 10 हजार की आबादी के लिए गंभीर समस्या बनी हुई है। सरोजनी गौतम ने कहा कि अगर शीघ्र पुल का निर्माण न हुआ तो सैकड़ों ग्रामीण जल सत्याग्रह शुरू करेंगे। शिखा वर्मा ने कहा कि अगर पुल की समस्या का शीघ्र निस्तारण न किया गया तो मिरचौड़ी से राजभवन लखनऊ तक नागरिक पैदल मार्च करेंगे। गौरतलब है कि बरसात के दिनों में नदी उफान पर आने से आवागमन पूरी तरह बाधित हो जाता है, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, रोजगार तथा दैनिक गतिविधियां बुरी तरह प्रभावित होती हैं। इस दौरान रत्नम राठौर ने भी प्रशासन से आग्रह किया कि जनहित को देखते हुए हरैया घाट पुल का निर्माण कार्य शीघ्र शुरू कराया जाए, ताकि ग्रामीणों को राहत मिल सके। इस दौरान सांसद राकेश राठौर के प्रतिनिधि अक्षय भाई ने भी क्षेत्र की समस्याओं व समाधान संबंधी अपने सुझाव प्रशासन के समक्ष रखे।

पात्र व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाएं

मिश्रिख सीतापुर। विकासखंड की ग्राम पंचायतों में सभी पात्र व्यक्तियों को आयुष्मान कार्ड धारकों को आयुष्मान कार्ड की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खंड विकास अधिकारी मिश्रित सुनील कुमार कौशल द्वारा स्वास्थ्य विभाग के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अधीक्षक डा. प्रखर श्रीवास्तव के साथ मीटिंग की गई।

मीटिंग में सूची के अनुसार जिन लाभार्थियों का अभी तक आयुष्मान कार्ड नहीं बना है। उनकी रिपोर्ट सम्मिलित करने के निर्देश दिए गए। ताकि कैंप लगाकर ग्राम पंचायत में अवशेष लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड की सुविधा दी जा सके। ज्ञातव्य है। कि आयुष्मान कार्ड सरकार की अत्यंत महत्वाकांक्षी योजना है। जिसके तहत परिवार के किसी भी सदस्य को बीमारी की दशा में सरकारी अस्पताल य सरकार द्वारा चिन्हित अस्पतालों में 5,00000 तक की सुबिधा का मुफ्त इलाज सरकार देती है। ग्रामीण क्षेत्र के लिए यह वरदान की तरह साबित हो रहा है। पहले जिन बीमारियों के लिए लोगों को अपने घर और जमीन गिरवी रखने पड़ते थे। आज आयुष्मान कार्ड का लाभ लेकर वह अपना इलाज कर पा रहे हैं। सभी ग्राम पंचायत के सम्मानित प्रधानों से यह अपील भी की गई। कि अपनी ग्राम पंचायत में कैंप लगाकर आयुष्मान कार्ड से वंचित परिवारों को सत प्रतिशत संतृप्त करायें।

गरीबों को न्याय दिलाने में न्यायालय व अधिवक्ताओं में सामंजस्य आवश्यक

विश्ववार्ता संवाददाता

बिसवां, सीतापुर। लायर्स एसोसिएशन के शपथ ग्रहण समारोह में बोलते हुए सिविल जज जूनियर डिवीजन कुंवर दिव्यदर्शी ने कहा- गरीबों को न्याय दिलाने में न्यायालय वह अधिवक्ताओं में सामंजस्य आवश्यक है तभी समय पर गरीबों को न्याय दिलाया जा सकता है।

उन्होंने वर्ष 2026 की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी से पूर्व की भांति सहयोग बनाए रखने की अपेक्षा की इस अवसर पर उन्होंने नवनिर्वाचित अध्यक्ष आनंद मेहरोत्रा सचिव नागेंद्र मौर्य सहित कार्यकारिणी के समस्त सदस्यों को शपथ दिलाई कार्यक्रम में तहसीलदार बिसवां उप जिलाधिकारी न्यायिक भी मौजूद रहे शपथ ग्रहण समारोह में नगर के वरिष्ठ पत्रकारों साहित्यकारों तथा वरिष्ठ

अधिवक्ताओं को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के बच्चों द्वारा सरस्वती वंदना से हुई अध्यक्ष आनंद महरोत्रा ने न्याय में के बदलते हुए स्वरूप तथा वकालत पेसे में निरंतर हो रहे अवमूल्यन पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि सिर्फ काला कोट पहने तथा डिग्री प्राप्त करना ही वकालत नहीं है जब हम कल कोट पहनते हैं तो हमारी न्याय के प्रति जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है देर से मिला न्याय न्याय नहीं होता है उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों से संगठन के साथ सामंजस्य बनाए रखने की भी अपील की। इस अवसर पर लॉयर्स एसोसिएशन के एल्डर कमेटी के अध्यक्ष लाल जी वर्मा बार एसोसिएशन के अध्यक्ष बीएन गुप्ता भी मौजूद थे कार्यक्रम का संचालन पदम कांत शर्मा व ललित शर्मा ने किया।

किसानों को प्राकृतिक खेती करने के लिए किया जागरूक

लहरपुर, सीतापुर। क्षेत्र के ग्राम केसरी गंज स्थित किसान कल्याण केन्द्र सभागार में किसानों को प्राकृतिक खेती करने के लिए जागरूक किया गया। मंगलवार को राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के अंतर्गत क्लस्टर में चयनित किसानों को प्रशिक्षण के प्रथम सत्र में ग्राम बेहड़ा कोदहरा व द्वितीय सत्र में ग्राम महुआ ताल के क्लस्टर में चयनित किसानों को प्राकृतिक खेती के प्रति जागरूक किया गया। किसानों को कृषि वैज्ञानिक डा.शिशिर कांत सिंह ने प्राकृतिक रूप से खेती करने की सलाह दी और किसानों को बिना किसी रसायन के प्रयोग किये खेती करने के लिए जागरूक किया, उन्होंने किसानों को खेती के साथ साथ पशु धन की देसी प्रजातियों को बढ़ावा देने के लिए जागरूक किया और फसल चक्र को अपनाने के साथ - साथ जीवामृत, घन जीवामृत व बीजा मृत बनाने की विधि के बारे में भी बताया।

श्री मद भागवत महापुराण सप्ताहिक ज्ञान यज्ञ में विधि विधान से किया गया सतेश्वर महादेव का रुद्राभिषेक

विश्ववार्ता संवाददाता

लहरपुर, सीतापुर। क्षेत्र के श्री अनामी ज्योति आश्रम वाटिका में चल रहे श्री मद भागवत महापुराण सप्ताहिक ज्ञान यज्ञ में आश्रम प्रांगण में स्थित श्री सतेश्वर महादेव मंदिर में विधि विधान से पूजा अर्चना कर सतेश्वर महादेव का रुद्राभिषेक किया गया। मंगलवार को इस पावन अवसर पर श्रीमद् भागवत कथा की अमृत वर्षा करते हुए कथा व्यास पंडित अखिलेश महराज ने भगवान शिव और मां पार्वती के द्वारा कथा सुनने के प्रसंग की कथा का सुंदर वर्णन किया गया,उन्होंने कहा कि श्री मद भागवत कथा सुनने से कई पीढ़ियों का तारायण हो जाता है इस मौके पर उन्होंने

कलियुग के प्रारंभ होने की कथा वर्णन किया और कहा कि इस कलि काल में श्रीमद् भागवत कथा कल्पवृक्ष के समान है जो तुरंत फल प्रदान करती है। कथा व्यास ने कहा कि जब अनेक जन्मों का पूर्ण उदय होता है तब श्रीमद् भागवत कथा सुनने का अवसर मिलता है।

मुख्य यजमान माया बेन पांड्या,बरसा बेन, रेखा ने इस पावन अवसर पर विशेष पूजन अर्चना की । श्रीमद् भागवत कथा का रसपान करने के लिए दिलीप भाई त्रिवेदी, मारुत पुरी, श्री राम कपूर, राम शरण पुरी, जानकी पुरी सहित काफी संख्या में महिलाएं श्रद्धालु उपस्थित थे।

धूमधाम से मनायी गयी भू पैमाइश के जनक राजा टोडरमल की 523वीं जयंती

लहरपुर, सीतापुर। राजा टोडरमल स्मारक समिति व राजस्व सुरक्षा सेवा दल के तत्वावधान में भू पैमाइश के जनक राजा टोडरमल की 523 वीं जयंती क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर धूमधाम से मनाई गई, जिसमें विभिन्न वक्ताओं ने उनके व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए श्रद्धा पूर्वक नमन किया। मंगलवार को भूमि पैमाइश के जनक राजा टोडरमल की 523 में जयंती के अवसर पर क्षेत्र के नगर पालिका परिषद कार्यालय, मजा शाह स्थित राजा टोडरमल स्मृति द्वार, पर उपस्थित लोगों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण पर कर उन्हें भावभीनी पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्य कार्यक्रम तहसील परिसर में स्थित राजा टोडरमल की प्रतिमा पर आयोजित किया गया जहां अधिवक्ताओं व राजा टोडरमल स्मारक समिति के पदाधिकारीयों ने माल्यार्पण कर उनके व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डाला।

मेगा शिविर को लेकर दी गयी अधिकारियों को जिम्मेदारी

- विभागों से लाभार्थियों की सूची तैयार कर भेजने के निर्देश

सीतापुर। जनपद न्यायाधीश व अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण आशीष जैन के निर्देश पर मंगलवार को सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विजय भान द्वारा 22 फरवरी को होने वाले मेगा शिविर को लेकर विकास भवन सभागार में बैठक की गई। बैठक विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट व अपर जिला जज भगीरथ वर्मा की अध्यक्षता में आहूत की गयी। बैठक में नरेन्द्र नाथ त्रिपाठी अपर जिला जज कोर्ट संख्या पांच व जिला विकास अधिकारी तथा 44 विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में अधिकारियों से 22 फरवरी को आयोजित होने वाले मेगा शिविर को सफल बनाये जाने पर विचार-विमर्श किया गया। जिला विकास अधिकारी ने सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देश दिये कि आगामी मेगा शिविर के सफल आयोजन हेतु अपने-अपने विभाग से लाभार्थियों की सूची तैयार करते हुए, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को 15 फरवरी तक भेज दें। जिससे कि इस आयोजन हेतु अग्रिम कार्यवाही जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा समय से की जा सके। अपर जिला भगीरथ वर्मा ने उपस्थित सभी अधिकारियों को निर्देश दिये कि अपने-अपने विभाग से सम्बन्धित योजनाओं व लाभार्थियों की सूची समय से प्रेषित करना सुनिश्चित करें। इसके अलावा शिविर से वापस लोगों को घर पहुंचाने के लिए कर्मचारियों की ड्यूटी लगाने कार्यवाही करें।

पेट के कीड़ों से एनीमिया के शिकार हो जाते किशोर-किशोरिया: डॉ. विकास

एनडीडी डे पर 21.40 लाख बच्चों को एल्बेंडाजॉल खिलाने का लक्ष्य, राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का हुआ शुभारंभ

विश्ववार्ता संवाददाता

सीतापुर। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस अर्थात नेशनल डीवर्मिंग डे (एनडीडी) का आयोजन मंगलवार को स्कूल, कॉलेज और आंगनबाड़ी केंद्रों पर किया गया। मुख्य आयोजन शहर के विशम्भर इंटर कॉलेज में किया गया। इस मौके पर राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरकेएसके) के नोडल डॉ. विकास मिश्रा ने फीता काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर विद्यालय में उपस्थित सभी बच्चो को शिक्षको के सामने एल्वेण्डाजोल की गोली खिलवाई गई।

इस मौके पर उन्होंने छात्र-छात्राओं को पेट में कीड़े (कृमि) होने के कारणों और दुष्परिणामों की जानकारी देते हुए कीड़े निकालने की दवा एल्बेंडाजॉल को खाने से होने वाले लाभों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पेट में कीड़े होने के चलते बच्चों और किशोरों में खून की कमी हो जाती है, दरअसल कीड़े पूरा पोषण खा जाते हैं,

जिससे बच्चे और किशोर-किशोरियां कुपोषण का शिकार होकर खून की कमी (एनीमिया) से ग्रसित हो जाते हैं। इसीलिए एक से 19 वर्ष तक के बच्चों व किशोर/किशोरियों के पेट से कीड़े (कृमि) निकालने के लिए एल्बेंडाजॉल की गोली खिलाई जा रही है। आज दवा खाने से छूटे हुए बच्चों को पांच फरवरी को मॉपअप राउंड चला कर दवा खिलाई जाएगी।

सदर पीएचसी के चिकित्साधिकारी डॉ. शानू कुमार ने बताया कि बच्चे अक्सर जमीन में गिरी चीज उठाकर खा लेते हैं। कई बार वह नंगे पैर ही घूमते हैं। इससे उनके पेट में कीड़े (कृमि) चले जाते हैं। जिससे कि शरीर में आयरन की अवशोषण क्षमता बढ़ जाती है और खून की कमी दूर होती है। राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरकेएसके) के जिला समन्वयक शिवाकांत ने बताया कि हर वर्ष, साल में दो बार अभियान चलाकर दो बार पेट के कीड़े निकालने वाली दवा खिलाई जाती है। इस अभियान के तहत जिले के 3,727 सरकारी, 2,052 निजी विद्यालयों के अलावा 4,232 आंगनबाड़ी केंद्रों को शामिल किया गया है। इस अभियान के तहत 21,40,939 बच्चों को एल्बेंडाजॉल की गोली खिलाने का लक्ष्य है।

इस मौके पर फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. पीयूष बाजपेई, जिला स्वास्थ्य शिक्षा एवं सूचना अधिकारी राज कुमार, अर्श काउंसलर रीता दीक्षित एवं कुलदीप शुक्ला, विशम्भर नारायण इण्टर कॉलेज के प्रधानाचार्य पुतान तिवारी एवं एविडेंस एक्शन से क्षितिज दीक्षित आदि उपस्थित रहे।

परिषदीय व मान्यता प्राप्त विद्यालयों में राष्ट्रीय कृमि दिवस पर वितरित की गयी दवा

सिधौली/सीतापुर। क्षेत्र के परिषदीय व मान्यता प्राप्त विद्यालयों में राष्ट्रीय कृमि दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों को कृमि नाशक टेबलेट खिलाई गयी।बेसिक शिक्षा विभाग के निर्देशन में स्वास्थ्य विभाग द्वारा विद्यालयों को एल्बेंडाजोल की टेबलेट वितरित की गई जिन्हें विद्यालयों में मंगलवार को बच्चों को खिलाया गया।खण्ड शिक्षा अधिकारी पुष्पराज सिंह ने बताया कि विद्यार्थियों व शिक्षकों को कृमि से सुरक्षित रखने के लिए दवा खिलाई गयी है,जिससे बच्चों का स्वास्थ्य बेहतर होगा। इस दौरान यूनिवर्सल पब्लिक स्कूल, अमरनाथ चिल्ड्रेन्स एकेडमी, अनफ़र्ल एजुकेशन स्कूल, बालविद्या मंदिर, नेहरू विद्यालय, एसआईडीएलआर गर्ल्स स्कूल, अशोक एकेडमी व सेक्रेड ग्रोव कान्वेंट स्कूल सहित अन्य विद्यालयों में दवा खिलाई गई।

एक नजर

युवक ने प्रधानमंत्री आवास योजना में फर्जी रिपोर्ट का लगाया आरोप

उन्नाव। पुरवा तहसील क्षेत्र के भंदनाग विकास खंड निवासी अजय कुमार तिवारी ने ग्राम विकास अधिकारी गुड्डू श्रीवास्तव पर प्रधानमंत्री आवास योजना में फर्जी रिपोर्ट लगाने का आरोप लगाया है। पीड़ित का कहना है कि कच्चे मकान को पक्का दर्शा दिया गया। जिससे वह योजना के लाभ से वंचित रह गया। पीड़ित ने मुख्यमंत्री को प्रार्थना पत्र भेजकर मामले की जांच और कार्रवाई की मांग की है।

ग्राम पंचायत जांच के चक्कर में समस्त विकास कार्य बाधित जनता परेशान

पाटन उन्नाव। बीघापुर सर्किल क्षेत्र के ब्लॉक के अंतर्गत एक ग्राम पंचायत सालों से हो रही जांचों के चक्कर में आगे के सभी विकास कार्य बाधित चल रहे हैं। जिससे जनता में रोष व्याप्त हो रहा है। सुमेरपुर ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम सभा कल्याणपुर प्रथम में पिछले कई वर्षों से लगातार जांच बैठक, जांच बैठक से ग्राम सभा की जनता परेशान हो रही है। यहां तक कि आगे के सभी विकास कार्य पूरी तरह बाधित हो गये हैं। शिकायतकर्ता भी लगातार शिकायतें करता रहता है। जबकि क्षेत्र से लेकर जिले तक लगभग एक दर्जन से भी ज्यादा अधिकारियों ने बैठक व मौके की जांच कर ली है। लेकिन इसके बाद भी शिकायतकर्ता लगातार सभी जांच अधिकारियों को भ्रष्टाचारी बता कर लगातार शिकायतें करता रहता है। यहां तक कि सोशल मीडिया के माध्यम से लगातार कानून से ऊपर जाकर आत्महत्या जैसी धमकियां देता रहता है। सोशल मीडिया पर अभी कुछ दिनों पहले उसने अभी एक वीडियो फिर वायरल किया था। जिसमें साफ साफ बोल रहा है कि मैं तो सभी प्रधानों के खिलाफ शिकायतें करता था। और जब तक मेरा मन करता है तब तक मैं शिकायतें करता हूं जब मेरा मन करेगा शिकायत करना बंद कर दूंगा यहां तक कि दिनांक 07-02-2026 दिन शनिवार को फिर एक शिकायती प्रार्थना पत्र दिया। जिसमें सभी जांच अधिकारियों को भ्रष्टाचारी बताया और एक शिकायत ऐसी भी की जिसका कई दिनों पहले निस्तारण हो चुका था। लेकिन शिकायतकर्ता का रंजिश वश शिकायतें करने का सिलसिला लगातार जारी है। बिना परमीशन जगह जगह धरने पर बैठना व सोशल मीडिया द्वारा आत्महत्या की धमकी देना कानून के अंतर्गत भी नहीं आता है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो का दैनिक विश्ववार्ता पुष्टि नहीं करता है।

दो सगे भाई गंभीर रूप से घायल

बांगरमऊ उन्नाव। क्षेत्र के ग्राम सिंगुपुर में खेत पर जा रहे दो सगे भाइयों पर मधुमक्खियों के झुंड ने अचानक हमला कर दिया। जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्राम सिंगुपुर निवासी नरेश व कन्हैया लाल पुत्रगण रामलाल आज सुबह खेत की ओर जा रहे थे। रास्ते में अचानक मधुमक्खियों के झुंड ने उन पर धावा बोल दिया। अचानक हुए हमले से दोनों भाइयों में अफरा-तफरी मच गई और वे वहीं गिर पड़े। आसपास के लोगों ने किसी तरह उन्हें बचाया और तत्काल उन्हें सरकारी अस्पताल पहुंचाया। जहां दोनों का इलाज जारी है। चिकित्सकों के अनुसार दोनों की हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है।

थाना प्रभारी की अध्यक्षता में पीस कमेटी की हुई बैठक

औरास उन्नाव। महा शिवरात्रि व होली पर्व शांति पूर्ण सम्पन्न कराने के उद्देश्य से मंगलवार को थाना प्रभारी संजीव कुमार ने थाना परिसर में पीस कमेटी की बैठक आहूत की। बैठक में उपस्थित संभ्रांत व्यक्ति व प्रधानों से संवाद स्थापित किया गया। महा शिवरात्रि पर्व पर शिव मंदिरों पर होने वाले कार्यक्रम को लेकर किसी प्रकार का कोई व्यवधान न हो इस लिए पुलिस प्रशासन को सतर्क कर दिया गया है। महा शिव रात्रि पर्व पर मंदिरों में बड़ी मात्रा में शिव भक्त जलाभिषेक व बेल पत्र चढ़ाने के लिए एकत्र होते है। जगह जगह विशाल भंडारे भी आयोजित किये जाते है। जिसे देखते हुए पुलिस की गांव गांव में गश्त करने के निर्देश दिए गए है।

घायल सुरक्षा कर्मी की इलाज के दौरान मौत

कानपुर। महाराजपुर थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार बाइक सवार ने साइकिल से ड्यूटी जा रहे बुजुर्ग को टक्कर मार दी थी। हादसे में गंभीर रूप से घायल बुजुर्ग की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने बाइक को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। चकेरी थाना क्षेत्र के अहिरवां निवासी अजय कुमार कुशवाहा एक निजी कॉलेज में गार्ड थे। परिवार में पत्नी मंजू, तीन बेटे शुभम, शिवम, प्रतीक और बेटी रचना है। बड़े बेटे शुभम के मुताबिक, अजय कुमार रोज की तरह साइकिल से ड्यूटी के लिए निकले थे। वह जैसे ही महाराजपुर स्थित केआईटी कॉलेज के पास पहुंचे, तभी पीछे से आ रही तेज रफ्तार बाइक ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि बुजुर्ग साइकिल सहित उछलकर करीब दस मीटर दूर जा गिरे। आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तो बाइक सवार वाहन छोड़कर फरार हो गया।

कार ने बाइक सवार को मारी टक्कर

विश्ववार्ता संवाददाता

मियागंज उन्नाव। आसीवन थाना क्षेत्र में मंगलवार को सुबह मियागंज संडीला मार्ग पर बाइक सवार पिता पुत्र को तेज रफ्तार कार चालक ने टक्कर मार दी जिससे दोनों गंभीर रुप से घायल हो गए दुर्घटना के बाद कार अनियंत्रित होकर पलट गई चालक गाड़ी छोड़ कर मौके से भाग निकला। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने गंभीर रुप से घायल पिता पुत्र को मियागंज अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डाक्टर ने पुत्र की हालत नाजुक होने पर ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया।

छेदीलाल खेड़ा गांव निवासी आजाद शाह मंगलवार की सुबह बेटे अयान के साथ किसी काम से हैदराबाद कस्बा जा रहे थे अभी दोनों कंजे चौराहे के पास पहुंचे थे तभी पीछे से आ रहे तेज रफ्तार कार चालक ने बाइक में टक्कर मार दी जिससे पिता पुत्र उछल कर दूर जा गिरे दुर्घटना के बाद चालक ने भागने के प्रयास में नियंत्रण खो दिया थोड़ी दूर पर कार अनियंत्रित होकर पलट गई। जिस पर चालक मौके से भाग निकला ग्रामीणों को मियागंज अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से बेटे अयान की हालत नाजुक होने पर ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया गया जबकि पिता का सीएचसी में इलाज चल रहा है।

तेज़ रफ्तार ट्रक ने रौंदा, एक की मौत

पुरवा उन्नाव। शादी का सामान लेने जीजा संग निकला 14 वर्षीय किशोर तेज़ रफ्तार ट्रक की चपेट में आ गया। सड़क सुरक्षा की अनदेखी ने अंततः उसकी जान ले ली। प्रिंस 14 पुत्र बुद्धीलाल निवासी ग्राम बैरी पोस्ट दयालपुर थाना निगोहां जिला लखनऊ, अपने बहनोई संजय कुमार रावत ग्राम घूरखेत के साथ बाइक से घर में शादी होने के कारण कुछ सामान लेने मंगत खेड़ा जा रहा था। अभी वह खरगी खेड़ा पुल के पास पहुँचे ही थे कि पीछे से आ रहे ट्रक ने पीछे से बाइक पर सीधी टक्कर मार दी जिससे दोनों लोग घायल होकर सड़क पर गिर गये। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रक तेज रफ्तार में था और चालक ने न तो हॉर्न दिया और न ही गति नियंत्रित की। टक्कर इतनी ज़ोरदार थी कि दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंचे परिजन एम्बुलेंस की मदद से घायलों को पहले बिछिया सीएचसी ले गये जहां प्रिंस की हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

जिला अस्पताल से भी गम्भीर हालत को देखते हुए हैलेट अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गयी। ट्रक ड्राइवर ट्रक को छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक प्रिंस दो भाइयों में छोटा था।

अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

विश्ववार्ता संवाददाता

सफीपुर उन्नाव। हरदोई मार्ग पर बीती रात एक कस्बे के बाहरी छोर पर एक पेट्रोल पंप की बाउंड्री वाल से टकराकर अनियंत्रित हुई कार के सवारों की मदद के लिए दौड़े एक साइकिल सवार युवक को तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल युवक को उपचार के लिए जिला अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही मौत हो गई। मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कोतवाली क्षेत्र के सराय अखियार पुर गांव निवासी अर्जुन (30) पुत्र स्वर्गीय जियालाल सोमवार को मां राम श्री को साइकिल से लेकर कस्बे में आयोजित एक तिलक समारोह में शामिल होने आया था। देर रात वह वापस गांव लौट रहा था। जब वह कस्बे के बाहरी छोर स्थित एक पेट्रोल पंप के पास पहुंचा तभी आगे जा रही एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पेट्रोल पंप की बाउंड्री वाल से टकरा कर पलट गई। हादसा देख अर्जुन ने अपनी मां को साइकिल से उतारकर सड़क किनारे खड़ा किया और कार सवारों की मदद के लिए सड़क पार करने लगा। इसी दौरान कस्बे की ओर से आ रहे तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने अर्जुन को जोरदार टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

घटना देख मौके पर पहुंचे राहगीरों ने घायल अर्जुन को सीएचसी पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। लेकिन जिला अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही अर्जुन ने दम तोड़ दिया। उधर पेट्रोल पंप की बाउंड्री से टकराई कार के एयरबैग खुल जाने से उसमें सवार युवक बाल-बाल बच गए। हादसे के बाद वे क्षतिग्रस्त कार मौके पर छोड़कर भाग खड़े हुए।

क्रिकेट टूर्नामेंट में राष्ट्रीय अध्यक्ष पुष्पेन्द्र प्रताप ने विजेता टीम को किया सम्मानित

विश्ववार्ता संवाददाता

बीघापुर उन्नाव। विकास खण्ड के अंतर्गत ग्राम सगवर में पक्का तालाब में बने छोटे स्थल में आयोजित क्रिकेट टूनामेंट के फाइनल में अहिरौरा की क्रिकेट टीम ने सगवर की टीम को 15 रनो से हराकर टूनामेंट की फाइनल ट्राफी जीती पहले बल्लेबाजी करते हुवे अहिरौंरा ने निर्धारित 10 ओवर में सात विकेट पर 101 रन बनाये टीम की ओर से फैज ने सर्वाधिक 45 रन बनाये जवाब में सगवर की टीम 8 ओवर में 86 रनो पर आल आउट हो गयी टूनामेंट में मैन ऑफ द सीरीज का खिताब व मैन ऑफ द मैच फैज रहे टूनामेंट में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे राष्ट्रीय अध्यक्ष पुष्पेन्द्र प्रताप सिंह ने विजेता व उपविजेता दोनों टीमों को ट्राफी व नगद पुरस्कार मेंडल, स्मृति चिन्ह भेंट करके सम्मानित किया। पुष्पेन्द्र प्रताप सिंह ने खेल प्रेमियों खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया राष्ट्रीय अध्यक्ष पुष्पेन्द्र प्रताप सिंह आयोजन कमेटी को भी आर्थिक सहयोग किया व भविष्य में खेल के प्रति संसाधनों में हर सम्भव मदद का भरोसा दिया। इस अवसर पर ज्ञान सिंह, मानवेन्द्र सिंह, आर के सिंह राघवेंद्र सिंह, शिवम सगवर, दुर्गेश,अमन, सनी, सचिन, बाला जी, डॉक्टर मनोज, सेनू आदि लोग मौजूद रहे।

विद्युत करंट की चपेट में आकर राजमिस्त्री गंभीर रूप से घायल

बांगरमऊ उन्नाव। क्षेत्र के ग्राम पंचू पुरवा में मकान में प्लास्टर करते समय विद्युत करंट की चपेट में आकर राजमिस्त्री गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे यहां के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सकों ने उसकी हालत गंभीर बताकर उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। नगर के मोहल्ला में मेमारनटोला निवासी मकसूद पुत्र मंसूर क्षेत्र के ग्राम पंचू पुरवा मे मकान का प्लास्टर कर रहा था। काम के दौरान लोहे की फंटी अचानक ऊपर से गुजर रहे विद्युत तार से छू गई। जिससे उसे तेज करंट लगा। करंट लगते ही राजमिस्त्री पाड़ से नीचे गिर पड़ा। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर मौजूद लोगों ने उसे तत्काल यहां के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

गंगा की तेज धार से कटान रोकने के लिए कटरी बचाओ अभियान की हुई बैठक

विश्ववार्ता संवाददाता

बांगरमऊ उन्नाव। गंगा तटवर्ती गांव खैरुद्दीनपुर के मजरा ठकुरिया पुरवा में आज मंगलवार को गंगा कटरी बचाओ अभियान की बैठक हुई। बैठक में केंद्र और प्रदेश सरकार से गंगा की तेज धारा से कटान रोकने के लिए व्यापक इंतजाम किए जाने की पुरजोर मांग उठाई गई। बैठक में प्रमुख समाजसेवी एवं हाईकोर्ट के अधिवक्ता संजीव त्रिवेदी ने कहा कि सरकार द्वारा गंगा कटान रोकने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था बनाई गई थी। किंतु बंधा गंगा की धारा में विलीन हो जाने से आम जनता की गाढ़ी कमाई के करोड़ों रुपए पानी में बह गए। नन्हेलाल निषाद ने कहा कि जबतक गंगा नदी के समानांतर कम से कम फोर लेन की ऊंची सड़क का निर्माण नहीं कराया जाएगा। तब तक गंगा के किनारे स्थित उपजाऊ जमीन की कटान रोक पाना संभव नहीं है। बैठक में कासिफ अंसारी, अमित शुक्ला, नन्हेलाल निषाद, खुशीराम निषाद, मुकेश निषाद, रणवीर यादव, सुरेंद्र यादव, मनोज बाजपेयी, पिंकू तिवारी, राधेलाल कुशवाहा, राजेश पाल आदि सहित करीब एक सैकड़ा गंगा तटवर्ती क्षेत्र के किसान शामिल रहे।

सात दिवसीय कृष्ण एवं राम लीला का आयोजन

विश्ववार्ता संवाददाता

सफीपुर उन्नाव। स्थानीय बाबा बलखंडेश्वर महादेव मंदिर परिसर में सात दिवसीय रासलीला, रामलीला व शिवलाल श्री रास बिहारी रासलीला मंडल के निर्देशक अनुभव शुक्ला के निर्देशन में रात्रि में देवकी विवाह लीला का मंचन किया गया। प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी भक्तों के सहयोग से हो रहे आयोजन में सुबह की पाली में नारद मोह लीला का मंचन किया गया। जिसमें दर्शाया कि नारद जी भगवान के भजन में इतने लीन हो जाते हैं कि इंद्र का सिंहासन हिल जाता है। सिंहासन जाने के भय के चलते इंद्र नारद के तप को भंग करने के लिए कामदेव और अप्सरा को भेजते हैं। फिर भी नारद का ध्यान भंग नहीं होता है तो कामदेव नतमस्तक हो जाते है और नारद जी से क्षमा मांगते है। इसकी जानकारी होने पर नारद को अभिमान हो जाता है कि उन्होंने कामदेव को जीत लिया है। यह जानकारी वह ब्रह्मा, विष्णु और महेश को देते हैं। नारद के अभिमान को खत्म करने के लिए भगवान विष्णु ने अपनी माया से सुंदर नगर और सुंदर राजकुमारी की रचना की। जहां पहुंचकर नारद श्रीलनिधी राजा के आग्रह पर उनकी बेटी विश्व मोहिनी की हस्तरेखा देखते हैं। हस्तरेखा देखकर नारद विश्व मोहिनी से विवाह करना चाहते हैं और भगवान विष्णु से हरि रूप लेकर आते हैं। जबकि हरि रूप में उन्हें बंदर का रूप दिया जाता है। इस दौरान भगवान विष्णु मौके पर पहुंच जाते हैं और विश्व मोहिनी से विवाह करते हैं। यहां नारद श्राप देते हैं कि जिस प्रकार मैं एक स्त्री के लिए व्याकुल हुआ हूं। उसी प्रकार आपको भी एक स्त्री के वियोग में व्याकुल होना पड़ेगा। कहा कि जिस बंदर का चेहरा दिया है। ऐसे बंदर ही पृथ्वीलोक पर आपकी मदद करेंगे। इसे विष्णु भगवान स्वीकार करते हैं और बताते हैं कि यह सब तो उनकी माया थी। बाबा बलखंडेश्वर महादेव विकास सेवा समिति के लोगो ने अधिक से अधिक लोगों को उपस्थित हो कर भक्ति मय आयोजनों का आनंद व प्रसाद ग्रहण करने की अपील की।

संदिग्ध परिस्थितियों में मिली बुजुर्ग की लाश

कानपुर। बजरिया थाना क्षेत्र में क्रिया कर्म करने वाले स्थान पर एक 58 वर्षीय बुजुर्ग का शव पड़ा हुआ मिला है, घटना की जानकारी होने पर बजरिया थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। कैलाश गौतम रामबाग स्थित क्रिया कर्म करने वाले स्थान पर रहते थे। यहीं पर वो साफ सफाई का काम करते थे। आज जहां उनका शव ईंट से कूचा हुआ चारपाई पर पड़ा हुआ मिला ।

घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने क्राइम स्पॉट को सीज कर दिया। मौके पर डॉग स्क्वायड से जांच करवाते हुए, मौके अपर मिली ईट एवं अन्य संदिग्ध चीजों को फोरेंसिक जांच करने के लिए भेजा गया है। घटना की जानकारी मिलते ही एडीसीपी सेन्ट्रल अर्चना सिंह ने बताया कि कंट्रोल रूम के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि थाना बजरिया क्षेत्रान्तर्गत चौकी पी रोड स्थित क्रियाकर्म घर में एक व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है।

अतिक्रमण की जद में आ रहे लोगों को मिली कुछ राहत एक मीटर हुआ कम

विश्ववार्ता संवाददाता

उन्नाव। अतिक्रमण के चलते चकलवंशी चौराहे पर आए दिन जाम लगता है जिसके निराकरण के लिए लोक निर्माण विभाग द्वारा चारों प्रमुख मार्गों पर सड़क चौड़ीकरण के लिए अतिक्रमण की जद मे आ रहे भवन स्वामियों को नोटिस जारी कर अतिक्रमण हटाने के निर्देशित किया गया था। जिसके तहत उन्नाव हरदोई मार्ग पर 12 मीटर परियर मियागंज मार्ग पर 10 मीटर की जद मे आ रहे भवनों को तोड़ने के लिए जिस पर अधिकांश भवन स्वामी खुद मकान तोड रहे हैं वही बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने डीएम को प्रार्थना पत्र देकर लम्बाई एक मीटर कम करने का अनुरोध किया था। मंगलवार जेई आनंद जायसवाल अन्य कर्मचारी राजू, शिव मंगल व धर्मपाल के साथ पहुंचे और फिर से नापजोख की जेई ने बताया कि अभी जो आदेश मिला है। उसके तहत उन्नाव हरदोई मार्ग पर 11 मीटर जबकि मियागंज परियर मार्ग पर 9 मीटर पर निशान लगाए हैं एक एक मीटर चौड़ाई कम हो जाने से भवन स्वामियों और दुकान संचालकों को राहत मिली है जेई ने कहा कि स्थलीय सर्वे कर रिपोर्ट शासन को प्रेषित की जायेगी वैसे अधिकांश लोगों द्वारा अपने अपने मकान दुकान स्वयं द्वारा तोड़ ली गयी है फिर भी कुछ लोगों को राहत मिलेगी।

बच्ची की मौत पर अस्पताल का लाइसेंस निलंबित

विश्ववार्ता संवाददाता

कानपुर। बिठूर स्थित राजा नर्सिंग होम का लाइसेंस निलंबित कर दिया गया है। एनआईसीयू को सील कर दिया गया। वहीं, अस्पताल के डॉक्टरों पर केस दर्ज कर लिया गया है। यह कार्रवाई डीएम के आदेश पर सीएमओ ने की। सीएमओ ने बताया कि अस्पताल में बगैर अनुमति के एनआईसीयू चल रहा था। एक्सपायर अग्निशमन यंत्र मिले है।

सीएमओ ने बताया कि एनआईसीयू यूनिट को सील कर दिया गया है। अस्पताल को पूरी तरह बंद रखने के आदेश हैं। अस्पताल प्रबंधन को नोटिस जारी कर 3 दिन में जवाब मांगा गया है। रविवार को एनआईसीयू के वॉर्मर मशीन में आग लग गई।इससे उसमें भर्ती एक मासूम बच्ची जिंदा जल गई। डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह के आदेश पर सीएमओ डॉ. हरिदत्त नेमी ने अस्पताल की जांच कराई। जब टीम अस्पताल पहुंची तो यहां पर एक चिकित्सक डॉ. तपो ज्योति आचार्य, दो स्टाफ नर्स प्रदीप गोस्वामी और तनू गौतम तथा एक वार्ड ब्वॉय अजय मिले।पता चला कि अस्पताल पंजीकृत था। मगर एनआईसीयू की अनुमति नहीं ली गई थी। इसके बाद भी अस्पताल में एनआईसीयू चल रहा था। जांच में एक्सपायर अग्निशमन यंत्र मिले है। सीएमओ ने बताया कि एनआईसीयू यूनिट को सील कर दिया गया। सीएमओ ने अस्पताल को पूरी तरह बंद रखने के आदेश दिए हैं। प्रबंधन को नोटिस जारी कर 3 दिन में जवाब मांगा गया है। साथ ही बिठूर थाने में राजा नर्सिंग होम के चिकित्सकों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। वहीं प्रशासन ने अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के निर्देश दिए हैं।

स्वास्थ्य विभाग के सूत्रों की माने तो जिस समय एनआईसीयू में आग लगी थी, उस वक्त मासूम बच्ची सो रही थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के मुताबिक, सांस नली में कार्बन के कण पाए गए हैं। पहले मासूम का धुएं से दम घुटा उसके बाद उसका शरीर 90 प्रतिशत तक जल गया।

इसके बाद परिवार को मासूम का जला हुआ शव सौंपा गया। पोस्टमार्टम हाउस पर मासूम बच्ची के फूफा और चाचा उसके शव को लेकर वापस बिठूर गए। देर शाम मासूम का अंतिम संस्कार हुआ। राजा नर्सिंग होम विवेक नाम के युवक के नाम से रजिस्टर्ड था। इस नर्सिंग होम में मेडिसिन, सर्जरी और गायनी का इलाज किया सकता था। लेकिन यहां पर एनआईसीयू अवैध रूप से चलता हुआ पाया गया। एनआईसीयू के मानकों की बात करें तो वार्ड में एक डॉक्टर और एक स्टाफ नर्स हमेशा मौजूद रहना चाहिए। जो मरीजों का ख्याल रख सके और समय पर उनका हेल्थ चेकअप करके मेडिकल हिस्ट्री तैयार करने का काम करें। नर्सिंग होम के रजिस्ट्रेशन के समय बायो वेस्टेज, अग्निशमन यंत्रों के साथ पूरा प्लांट बनाने का मानक है।

लैम्बॉर्गिनी दुर्घटना मामला आरोप-प्रत्यारोप के बीच हुआ और संवेदनशील

विश्ववार्ता संवाददाता

कानपुर। ग्वालटोली थाना क्षेत्र स्थित वीआईपी रोड पर हुए चर्चित सड़क दुर्घटना मामले में मंगलवार को नया मोड़ आ गया। आरोपी बताए जा रहे शिवम मिश्रा के पिता केके मिश्रा आज व्यापारियों और वकीलों के साथ ग्वालटोली थाने पहुंचे और विवेचक के समक्ष अपना बयान दर्ज कराया। इसके बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने पुलिस के पूरे कथानक को सिरे से खारिज करते हुए गंभीर आरोप लगाए।

केके मिश्रा ने साफ कहा कि जिस तरह से मामले को पेश किया जा रहा है, वह पूरी तरह से भ्रामक और असत्य है। उनका कहना था कि घटना के समय उनके बेटे शिवम की तबियत अचानक खराब हो गई थी, जिसके चलते परिस्थितियां बिगड़ गई थी। उन्होंने दावा किया कि दुर्घटना के समय वाहन शिवम नहीं चला रहा था, बल्कि गाड़ी ड्राइवर के हाथ में थी। यदि कोई यह कह रहा है कि गाड़ी शिवम चला रहा था, तो वह सरासर झूठ बोल रहा है।

केके मिश्रा के इस बयान ने मामले को और विवादित बना दिया है, क्योंकि इससे पहले पुलिस कमिश्नर की ओर से सार्वजनिक रूप से यह बयान सामने आ चुका है कि दुर्घटना के समय वाहन शिवम मिश्रा ही चला रहा था। पुलिस कमिश्नर ने यह भी कहा था कि इस संबंध में सीसीटीवी फुटेज मौजूद है, जिसमें स्पष्ट रूप से शिवम वाहन चलाते हुए दिखाई दे रहा हैं। पुलिस के इस दावे के उलट आरोपित शिवम मिश्रा के पिता व तम्बाकू व्यापारी केके मिश्रा का कहना है कि जो भी इस तरह की बात फैला रहा है, वह जानबूझकर झूठ बोल रहा है। उनके बयान को पुलिस पर सीधे-सीधे गंभीर आरोप के रूप में देखा जा रहा है।

गुस्साए पति ने पत्नी को मार डाला

विश्ववार्ता संवाददाता

कानपुर। बर्रा थाना क्षेत्र के करही गांव में 60 वर्षीय महिला लालती राजपूत की हत्या उनके पति ने कर दी। पुलिस जांच में सामने आया कि लालती राजपूत की हत्या उनके पति साहब राजपूत ने की है। आरोपी ने किसी ठोस वस्तु और ईंट से सिर पर वार करके वारदात को अंजाम दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के मुताबिक प्राथमिक जांच में पाया गया कि बीती रात खाना न देने और सुबह चाय न देने की वजह से 65 वर्षीय साहब सिंह ने 60 वर्षीय लालती की हत्या कर दी। मृतका और आरोपी के कुल 6 संताने हैं। मृतका की 4 बेटियों की शादी हो चुकी है। बड़ा बेटा महेंद्र राजपूत अपने परिवार के साथ दूसरी जगह रहता है। छोटा बेटा करन अपनी पत्नी के साथ रहता है।

अब पुलिस ने घटनास्थल से जरूरी साक्ष्य जुटाए गए हैं। मृतका के दो बेटे हैं, जो घटना के समय घर पर मौजूद नहीं थे और बाहर नौकरी करते हैं।

मौके पर प्रभारी निरीक्षक बर्रा, फोरेंसिक टीम और वरिष्ठ अधिकारियों ने निरीक्षण किया। पुलिस ने बताया कि अभी तक तहरीर नहीं मिली है, तहरीर मिलने पर विधिक कार्रवाई पूरी की जाएगी।

वीडिओ जारी करके महिला बैंक कर्मी ने दी सफाई, जाति के सवाल पर आया था गुस्सा

विश्ववार्ता संवाददाता

कानपुर। एचडीएफसी बैंक में 'ठाकुर हूं, ऐसी-तैसी कर दूंगी' कहने वाली महिला बैंक कर्मी सामने आ गई है। रिलेशनशिप मैनेजर आस्था सिंह ने वीडियो जारी करके सफाई दी है। उन्होंने हाथ जोड़कर कहा है कि मैंने किसी ग्राहक के साथ अभद्रता नहीं की। मेरा विवाद बैंक की एक महिला संविदा कर्मचारी के पति से हुआ था। उसने मेरी जाति पूछकर मेरे साथ अभद्रता की थी, तभी मुझे गुस्सा आ गया। मैं आज भी अपने बयान पर कायम हूं। ठाकुर हूं, मुझे गर्व है।

दरअसल, पिछले दो दिनों से आस्था का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें वह गालियां देती नजर आ रही हैं। गुस्से में वह लैपटॉप उठाकर किसी पर हमला करने का प्रयास करती भी दिखाई देती हैं। हालांकि, वीडियो 6 जनवरी का है। आस्था पनकी की एचडीएफसी ब्रांच में तैनात हैं।

एक वीडियो जारी कर आस्था ने कहा कि वीडियो को गलत संदर्भ में वायरल किया जा रहा है। महिला कर्मचारी ने इस्तीफा देकर उसी दिन रिलीविंग की मांग की थी। इस दौरान उसकी ननद सुबह से ही ब्रांच में मौजूद थी, जिससे हल्की बहस हो गई। उन्होंने कहा कि बाद में महिला कर्मचारी ने यह बात अपने पति को बताई, जो वर्किंग आवर खत्म होने के बाद बैंक आया और उसने मेरे साथ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। आस्था ने कहा कि महिला कर्मचारी के पति ने मेरी डेस्क पर आकर मेरी जाति पूछी और धमकी भरे शब्द कहे।

आस्था सिंह ने कहा, मैं मानती हूं कि मेरे कुछ शब्द गलत हो सकते हैं। सार्वजनिक सेवा में शब्दों का चयन सोच-समझकर होना चाहिए, लेकिन धमकी और अपमानजनक भाषा को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

सम्मान | भारतीय सेना और आईआईटी के आपसी सहयोग से साइबर सुरक्षा को मिलेगा नया रूप

लेफ्टिनेंट जनरल के दौरे से कानपुर का बढ़ा गौरव

विश्ववार्ता संवाददाता

कानपुर। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर को भारतीय सेना के उप सेनाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्र सिंह का संस्थान परिसर में मेजबानी करने का गौरव प्राप्त हुआ। कैंपस आगमन पर उप सेनाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल सिंह का स्वागत आईआईटी कानपुर के निदेशक प्रो. मणिंद्र अग्रवाल, डीन- अनुसंधान एवं विकास प्रो. तरुण गुप्ता तथा नोडल फैकल्टी प्रभारी प्रो. कांतेश बालानी ने किया। इस अवसर पर हुई महत्वपूर्ण चर्चाओं में भारतीय सेना में तकनीक-आधारित आधुनिकीकरण के लिए आईआईटी कानपुर और भारतीय सेना के बीच संयुक्त सहभागिता की आवश्यकता पर विशेष ज़ोर दिया गया। प्रो. मनींद्र अग्रवाल ने इस प्रकार के सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस, ऑटोनोमस सिस्टम्स और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध जैसी उभरती तकनीकें सैन्य संचालन के तरीकों को तेजी से बदल रही हैं, जिससे रक्षा तकनीकों का आधुनिकीकरण आवश्यक हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि आईआईटी कानपुर एआई, साइबर सुरक्षा और मानव-रहित ऑटोनोमस सिस्टम्स जैसे क्षेत्रों में अग्रणी अनुसंधान कर रहा है और वास्तविक सैन्य आवश्यकताओं के अनुरूप नवोन्मेषी समाधान प्रदान करने में सक्षम है अपने दौरे के दौरान उप सेनाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल सिंह ने एयरोस्पेस इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. अभिषेक के नेतृत्व में संचालित हेलीकॉप्टर एवं वीटीओएल प्रयोगशाला तथा प्रो. सुभ्रमण्यम साडेरला के नेतृत्व में यूएवी प्रयोगशाला का भी भ्रमण किया, जहाँ उन्हें आईआईटी कानपुर द्वारा ड्रोन प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में की गई प्रगति से अवगत कराया गया। उन्होंने सी3आईहब का भी दौरा किया, जहाँ उन्होंने सी3आईहब, आईआईटी कानपुर के मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी डॉ. रस द्विवेदी तथा मुख्य रणनीति अधिकारी डॉ. आनंद हांडा के साथ मिलकर नवीनतम साइबर सुरक्षा विकासों पर चर्चा की।

उप सेनाध्यक्ष ने विशिष्ट प्रौद्योगिकियों के विकास की दिशा में आईआईटी कानपुर द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की तथा विश्वास व्यक्त किया कि भारतीय सेना और आईआईटी कानपुर के बीच बढ़ती सहभागिता निकट भविष्य में अत्याधुनिक स्वदेशी रक्षा प्रौद्योगिकियों के विकास का मार्ग प्रशस्त करेगी।

यह दौरा राष्ट्रीय रक्षा नवाचार के क्षेत्र में आईआईटी कानपुर के बढ़ते योगदान को रेखांकित करते हुए भारतीय सेना के साथ गहन एवं सुदृढ़ सहयोग की नई संभावनाओं को सामने लाता है।

मां से नाराज़ युवक ने फांसी लगाकर दे दी जान

कानपुर। बर्रा विश्व बैंक कॉलोनी में मां की डांट से नाराज होकर एक 25 वर्षीय युवक ने आत्महत्या कर ली। युवक ने दुपट्टे के सहारे पंखे से फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। सुबह परिजनों को घटना का पता चला, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

बर्रा विश्व बैंक कॉलोनी निवासी विजय नारायण के बड़े बेटे आशीष शुक्ला ने यह कदम उठाया। आशीष के छोटे भाई वेद शुक्ला ने बताया कि रात में आशीष एक शादी से घर लौटा था और नशे में था। इस पर मां पिंकी शुक्ला ने उसे शराब छोड़ने के लिए डांटा था।

मां की डांट से नाराज होकर आशीष पहली मंजिल पर अपने कमरे में चला गया। रात में मां ने उसे कई बार आवाज दी, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। उन्हें लगा कि आशीष सो गया है। सुबह जब मां ने नाश्ते के लिए आवाज लगाई और फिर भी कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली।

परम्परागत तरीके से मनाएं त्योहार न डालें कोई नई परम्परा: जिलाधिकारी

विश्ववार्ता संवाददाता

अमेठी। जिलाधिकारी संजय चौहान व पुलिस अधीक्षक सरवणन टी ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में आगामी त्यौहारों महाशिवरात्रि, रमजान, होली व अन्य त्योहारों को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जनपद के अधिकारियों, विभिन्न संप्रदायों के धर्मगुरुओं, व्यापार मंडल के पदाधिकारियों व संभ्रांत नागरिकों के साथ पीस कमेटी की बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी आगामी त्यौहारों को आपसी भाईचारे के साथ शांतिपूर्ण ढंग से मनाने की अपील किया। उन्होंने कहा कि इससे पूर्व जनपद अमेठी में सभी त्योहारों को आप लोगों ने मिलजुल कर मनाया है कहीं पर भी किसी को कोई परेशानी नहीं हुई है आप सभी ने अमेठी में गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल को कायम रखा है इसी प्रकार अब आने वाले सभी त्योहारों को शांतिपूर्ण व सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाएं, सोशल मीडिया पर अफवाहों को फैलने/फैलाने से रोकें तथा कोई भी चीज को बगैर समझे शेयर ना करें, कोई भी ऐसा कृत ना करें जिससे किसी भी समुदाय की आस्था को ठेस पहुंचे, सभी त्योहारों को परंपरागत तरीके से ही मनाएं, कोई नई परंपरा ना डालें। त्योहारों के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों के साथ-साथ जनपद के लोगों की भी जिम्मेदारी बढ़ जाती है कि वह अपने आसपास के लोगों को आपसी भाईचारे के साथ-साथ सौहार्दपूर्ण माहौल में त्यौहार मनाने के लिए प्रेरणा दें। उन्होंने कहा कि त्योहारों में मूलभूत सुविधाओं के दृष्टिगत बिजली की व्यवस्था हेतु अधीक्षण अभियंता विद्युत को निर्देश दिए कि त्योहारों के दौरान कहीं पर भी बिजली की कटौती न की जाए, तथा जुलूस व होलिका दहन वाले स्थानों पर ढीले तार आदि ना हो इसका निरीक्षण कर कार्यवाही करें, अधिशासी अभियंता लोनिवि को जूलुस व मंदिरों तक जाने वाली सड़कों को ठीक कराने के निर्देश दिए। ग्रामीण क्षेत्रों में शिवालयों, मंदिरों एवं अन्य स्थानों की साफ सफाई के लिए जिला पंचायत राज अधिकारी को तथा शहरी क्षेत्रों में अधिशासी अधिकारियों को निर्देशित किया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी को महाशिवरात्रि पर्व के दृष्टिगत सभी मंदिरों के आसपास एम्बुलेंस, डॉक्टरों की टीम तथा सीएचसी, पीएससी में आवश्यक दवाओं की उपलब्धता, डॉक्टरों की उपस्थिति आदि सुनिश्चित करने को कहा। इसके अतिरिक्त खाद्य सुरक्षा विभाग को त्योहारों के दृष्टिगत मिलावटी खाद्य पदार्थ को लेकर दुकानों व प्रतिष्ठानों पर अभियान चलाकर छापेमारी करने के निर्देश दिए। आबकारी अधिकारी को जनपद में कहीं पर भी अवैध शराब का निर्माण, संचयन व बिक्री के विरुद्ध कार्यवाही करने को कहा। बैठक में पुलिस अधीक्षक ने उपस्थित लोगों से आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण ढंग से मनाने की अपील किया। उन्होंने कहा कि कोई भी सोशल मीडिया पर भ्रामक खबरों का दुष्प्रचार नहीं करेगा और ना ही कोई अफवाह फैलाएगा।

आईजीआरएस जनसुनवाई में, मंडल में प्रथम व प्रदेश में छठवें स्थान पर रहा अमेठी

विश्ववार्ता संवाददाता

अमेठी। ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर अमित विश्वकर्मा ने बताया कि जिलाधिकारी एवं अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व के प्रभावी निर्देशन में जनपद अमेठी ने IGRS जनसुनवाई के अंतर्गत माह जनवरी 2026 में एक बार फिर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इस अवधि में अमेठी ने मंडल स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि प्रदेश स्तर पर छठा स्थान हासिल करते हुए जनपद ने टॉप-10 में अपनी मजबूत उपस्थिति बनाए रखी है। उन्होंने बताया कि माह जनवरी 2026 में जनपद को कुल 5761 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनका समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया गया। उल्लेखनीय है कि इस अवधि में जनपद में डिफाल्टर की संख्या शून्य रही। साथ ही, माननीय मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा किसी भी शिकायत को 'C' श्रेणी में नहीं रखा गया, जो शिकायत निस्तारण की गुणवत्ता को दर्शाता है। ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर ने आगे बताया कि शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी प्रतिदिन रैंडम आधार पर शिकायतकर्ताओं से संवाद करते हैं। यदि किसी प्रकरण में गुणवत्तापूर्ण आख्या नहीं पाई जाती है, तो संबंधित अधिकारी से तत्काल वार्ता कर दोबारा जांच कराई जाती है, जिससे शिकायतकर्ता संतुष्टि प्रतिशत में निरंतर वृद्धि हुई है। इसके अतिरिक्त अपर जिलाधिकारी एवं प्रभारी अधिकारी IGRS द्वारा भी प्रतिदिन शिकायतकर्ताओं से संपर्क कर आख्याओं की गुणवत्ता की समीक्षा की जा रही है, जिससे जनसुनवाई व्यवस्था और अधिक प्रभावी बनी है। उन्होंने यह भी बताया कि जनपद अमेठी की तहसील मुसाफिरखाना ने उपजिलाधिकारी मुसाफिरखाना अभिनव कनौजिया के नेतृत्व में उत्कृष्ट कार्य करते हुए प्रदेश स्तर पर पुनः प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

एक नजर

आईसीटी आधारित स्मार्ट क्लास एवं डिजिटल लाइब्रेरी पर दो दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण शुरू

अमेठी। जनपद स्तरीय आईसीटी आधारित स्मार्ट क्लास, आईसीटी लैब्स एवं डिजिटल लाइब्रेरी के प्रभावी उपयोग हेतु शिक्षकों के उन्मुखीकरण पर आधारित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ विकास खंड अमेठी के बीआरसी सभागार में किया गया। प्रशिक्षण में राज्य स्तरीय संदर्भ दाता रोहित प्रताप सिंह एवं सर्वेश कुमार द्वारा शिक्षकों को आईसीटी के शैक्षणिक प्रयोग, आईएफपी पैनल, स्मार्ट बोर्ड तथा अन्य तकनीकी पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी गई। इसके साथ ही राज्य स्तर से आए एमआईसीआईआर के इंजीनियर द्वारा शिक्षकों को हैंड्स-ऑन प्रैक्टिस कराते हुए स्मार्ट बोर्ड, आईसीटी लैब्स एवं डिजिटल लाइब्रेरी के व्यावहारिक उपयोग की जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों द्वारा उठाई गई तकनीकी समस्याओं का त्वरित समाधान भी किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनपद के पाँच विकास खंड भादर, गौरीगंज, अमेठी, भेटुआ एवं बहादुरपुर के शिक्षकों ने सक्रिय सहभागिता की। शिक्षकों ने अपने शिक्षण को तकनीक के माध्यम से अधिक समृद्ध, रोचक एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने हेतु विभिन्न डिजिटल टूल्स एवं तकनीकों का अभ्यास किया तथा उनके शैक्षणिक अनुप्रयोग को समझा। प्रशिक्षण का उद्देश्य विद्यालयों में आईसीटी संसाधनों के प्रभावी उपयोग को बढ़ावा देना एवं डिजिटल माध्यमों से शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को और अधिक सशक्त बनाना है।

आईजीआरएस रैंकिंग में रायबरेली नंबर वन

रायबरेली। समन्वित शिकायत निवारण प्रणाली (आईजीआरएस) पोर्टल के अंतर्गत जनवरी 2026 की प्रदेश स्तरीय रैंकिंग में जनपद रायबरेली ने प्रथम स्थान प्राप्त कर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। इतना ही नहीं, जनपद के 18 थानों ने भी संयुक्त रूप से उत्तर प्रदेश में पहला स्थान हासिल कर पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली को नई पहचान दिलाई है। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जनपदीय पुलिस के कठिन परिश्रम, अनुशासन और सतत निगरानी का परिणाम मानी जा रही है। पुलिस के अनुसार जनवरी माह में आईजीआरएस पोर्टल पर विभिन्न माध्यमों से प्राप्त जनपद से संबंधित शिकायती प्रार्थना पत्रों की जांच संबंधित अधिकारियों द्वारा मौके पर जाकर की गई और निष्पक्ष व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित कराया गया। पुलिस प्रशासन ने शासन की मंशा के अनुरूप सभी शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया, जिससे पीड़ितों को त्वरित न्याय मिल सका। शिकायतों के प्रभावी समाधान से न केवल पीड़ितों का पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ा है, बल्कि बड़ी संख्या में शिकायतकर्ताओं ने पुलिस की कार्यशैली की सराहना भी की है। जनपद और थानों की इस संयुक्त उपलब्धि को पुलिस प्रशासन की जवाबदेही, पारदर्शिता और जनसंवेदनशीलता का प्रमाण माना जा रहा है।

एसपी ने मिल एरिया का किया निरीक्षण

रायबरेली। जिले में कानून-व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त बनाए रखने के संकल्प के साथ पुलिस अधीक्षक रवि कुमार ने मंगलवार देर शाम थाना मिल एरिया का औचक निरीक्षण कर पुलिस महकमे में अनुशासन और जवाबदेही का साफ संदेश दिया। बिना पूर्व सूचना किए गए इस निरीक्षण से थाने में तैनात पुलिसकर्मियों में हड़कंप मच गया और व्यवस्थाओं की वास्तविक स्थिति सामने आई। निरीक्षण के दौरान एसपी रवि कुमार ने थाने पर प्रचलित अभिलेखों की गहनता से जांच की। महिला हेल्प डेस्क और साइबर हेल्प डेस्क की कार्यप्रणाली का जायजा लेते हुए उन्होंने महिला एवं साइबर अपराधों से जुड़ी शिकायतों के त्वरित और संवेदनशील निस्तारण पर विशेष जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी शिकायतकर्ता को अनावश्यक रूप से थाने के चक्कर न लगाने पड़ें। एसपी ने मैस, बैरक और बंदीगृह का भी निरीक्षण कर साफ-सफाई, सुरक्षा और पुलिसकर्मियों की मूलभूत सुविधाओं का अवलोकन किया। उन्होंने व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और कहा कि अनुशासन, स्वच्छता और सतर्कता पुलिस की कार्यसंस्कृति का अभिन्न हिस्सा होनी चाहिए। रवि कुमार ने थाना स्टाफ को दो टूक शब्दों में निर्देशित किया कि कानून-व्यवस्था से किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने आमजन के साथ शालीन व्यवहार, त्वरित कार्रवाई और निष्पक्ष पुलिसिंग को सर्वोच्च प्राथमिकता देने को कहा।

एंटी करप्शन टीम में दरोगा को रंगे हाथ पकड़ा, लिया हिरासत में

विश्ववार्ता संवाददाता

सिंहपुर,अमेठी। जिले के ,इन्होंने थाने में मंगलवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब एंटी करप्शन टीम ने हाईवे किनारे स्थित साहू ढाबे पर कार्रवाई करते हुए थाने में तैनात उप निरीक्षक राजेश पाल को हिरासत में ले लिया। कार्रवाई के बाद क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं।जानकारी के अनुसार, इन्हौंना थाने में तैनात उप निरीक्षक राजेश पाल पर एक मामले में पीड़ित से अवैध धनराशि मांगने का आरोप है। मामला एक सड़क हादसे से जुड़ा बताया जा रहा है, जिसमें विवेचना के नाम पर पीड़ित से रुपये मांगे जाने की शिकायत एंटी करप्शन टीम से की गई थी। शिकायत के आधार पर टीम ने गोपनीय तरीके से जांच शुरू की और मंगलवार को ढाबे पर दबिश देकर उप निरीक्षक को हिरासत में ले लिया।कार्रवाई के बाद एंटी करप्शन टीम उप निरीक्षक को अपने साथ एक नजदीकी थाने ले गई, जहां उनसे पूछताछ की जा रही है। हालांकि, टीम की ओर से अभी तक इस संबंध में कोई विस्तृत आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।इस पूरे मामले को लेकर पुलिस विभाग भी सतर्क नजर आ रहा है।

थाना प्रभारी विवेक कुमार सिंह और क्षेत्राधिकारी दिनेश कुमार मिश्रा ने पुष्टि की है कि एंटी करप्शन टीम द्वारा उप निरीक्षक को हिरासत में लिया गया है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि रिश्वत लेने के आरोपों की अभी जांच चल रही है और फिलहाल किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी।

सुदामा चरित्र के सुंदर प्रसंग के साथ हुआ कथा विश्राम,उमड़ी भीड़

विश्ववार्ता संवाददाता

सिंहपुर ,अमेठी। क्षेत्र के सेमरौता गांव में चल रही श्रीमद भागवत कथा के सप्तम और विश्राम दिवस पर अमरकंटक मध्य प्रदेश से पधारे कथा व्यास आचार्य डॉ नरेन्द्र पाण्डेय जी महाराज ने कहा कि भगवान के प्रथम पुत्र के रूप में प्रद्युम्न जी प्रकट हुये जिन्हे सम्बरासुर नें हरण कर लिया था।भगवान उसका वध करके उसकी पुत्री सती के साथ विवाह कर द्वारिका वापस आए।

कथा व्यास ने कहा भगवान और जामवन्त में सत्ताइस दिन तक युद्ध हुआ अट्ठाइसवें दिन जामवन्त जी पहचान गए कि आप ही हमारे त्रेता के राम जी हैं और भगवान से अपनी पुत्री जांबवती का विवाह कर दिया।भगवान का तीसरा विवाह सत्यभामा,चतुर्थ विवाह कालिन्दी से, पांचवां विवाह मित्रवृन्दा, छठां विवाह सत्या,सातवां विवाह भद्रा के साथ आठवां विवाह लक्ष्मणा जी के साथ हुआ इस प्रकार भगवान की ये आठ पटरानियां हुई और भगवान का सोलह हजार एक सौ विवाह नरकासुर नामक राक्षस की कैद में बंदी राजकुमारियों के साथ हुआ कालान्तर में सभी रानियों से दस दस पुत्र और एक एक पुत्री का जन्म हुआ। और भगवान सानन्द गृहस्थ आश्रम का पालन करते हुए सानन्द रहने लगे।कथा व्यास ने कहा कि शुकदेव जी ने भगवान की मित्रता की कथा के रूप में सुदामा जी की कथा सुनाई है। भगवान के सखा और परम भक्त सुदामा जी के विशुद्ध ब्राह्मण वृत्ति से जीवन यापन करते हुए भगवान का भजन करते थे। घर में बहुत विपन्नता थी। पत्नी सुशीला के कहने पर चार मुट्ठी चावल लेकर भगवान से मिलने द्वारिका धाम गए हैं भगवान ने अपने मित्र का बहुत स्वागत किया है और उनके पत्नी के मनोभाव को समझते हुए उन्हें धनधान्य से परिपूर्ण कर दिया और अन्त में महाराज जी ने भागवत जी के महात्म्य को बताते हुए विभिन्न भजनों के माध्यम से भगवान का गुणगान करते हुए कथा को विश्राम किया। और सम्पूर्ण श्रोता आनंद से परिपूर्ण हो गए। यजमान सुरेश अग्निहोत्री व मनोज कुमारी ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ व्यास पीठ का आरती पूजन किया। इस मौक पर भाजपा उपाध्यक्ष भवानी दत्त दीक्षित , सुशील चंद्र पाण्डेय,श्रीकांत पाण्डेय, रमन बाजपेई, पंकज अवस्थी, अनुराग अग्निहोत्री ,अमित तिवारी आदि श्रोता मौजूद रहे।

कांग्रेस नेत्री किरन देवी गांव पहुंचकर चला रहीं मतदाता जागरूकता अभियान

विश्ववार्ता संवाददाता

डीह, रायबरेली। सलोन विधानसभा क्षेत्र के डीह ब्लॉक में मतदाता सूची के शुद्धिकरण और नए मतदाताओं के नाम जोड़ने को लेकर कांग्रेस नेत्री एवं अमेठी कांग्रेस की जिला उपाध्यक्ष किरन देवी ने गांव-गांव पहुंचकर जनजागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों को एकत्र कर समरी इंटेंसिव रिवीजन (SIR) प्रक्रिया के अंतर्गत फार्म 6, 7 और फार्म 8 के बारे में विस्तार से जानकारी दी। किरन देवी ने ग्रामीणों को बताया कि जिन नागरिकों की आयु 18 वर्ष पूर्ण हो चुकी है और जिनका नाम अभी मतदाता सूची में दर्ज नहीं है, वे फार्म 6 भरकर स्थानीय बीएलओ (BLO) अथवा कांग्रेस पार्टी द्वारा नियुक्त स्थानीय बीएलए-2 (BLA-2) के माध्यम से आवश्यक दस्तावेज जमा कर अपना नाम मतदाता सूची में शामिल करा सकते हैं। उन्होंने बताया कि मतदाता सूची से वंचित महिलाएं अपने दस्तावेजों के साथ माता या पिता में से किसी एक का ईपीआईसी नंबर अवश्य उपलब्ध कराएं, जिससे उनका नाम भी मतदाता सूची में दर्ज किया जा सके। इसके साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि फार्म 7 का उपयोग मृतक अथवा स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटाने के लिए किया जाएगा, जबकि फार्म 8 के माध्यम से नाम, पता अथवा फोटो में सुधार कराया जा सकता है। कांग्रेस नेत्री ने कहा कि मताधिकार लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है और प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में होना आवश्यक है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि किसी भी प्रकार की समस्या होने पर अपने स्थानीय बीएलओ अथवा कांग्रेस पार्टी के बीएलए-2 से संपर्क कर समाधान प्राप्त करें।

अपराधियों पर पुलिस का शिकंजा

रायबरेली। जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस अधीक्षक रवि कुमार के निर्देशन में वांछित और वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए गए विशेष अभियान के अंतर्गत बीते दो दिनों में कुल 16 वारंटियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार 9 और 10 फरवरी को की गई कार्रवाई में थाना कोतवाली नगर पुलिस ने 11, थाना ऊंचाहार पुलिस ने तीन तथा थाना नसीराबाद पुलिस ने दो वारंटियों को गिरफ्तार किया। सभी अभियुक्तों की गिरफ्तारी नियमानुसार की गई। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए वारंटियों के विरुद्ध संबंधित थानों पर आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी कर उन्हें न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अपराधियों के विरुद्ध इस तरह की सख्त कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

बेसिक क्रीड़ा प्रतियोगिता का भव्य समापन

विश्ववार्ता संवाददाता

अमेठी। जनपदीय बेसिक क्रीड़ा प्रतियोगिता के दो दिवसीय आयोजन के आज दूसरे दिन विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन, पुरस्कार वितरण के साथ भव्य समापन समारोह आयोजित किया गया। समापन अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विकास क्षेत्र भादर ने 205 अंक प्राप्त कर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि जगदीशपुर ने 161 अंक प्राप्त कर उपविजेता बनने का गौरव प्राप्त किया। समापन समारोह में जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. राजेश द्विवेदी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संजय तिवारी तथा जनपद के समस्त खंड शिक्षा अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति में विजेता एवं उपविजेता टीमों को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। दूसरे दिवस आयोजित खेल प्रतियोगिताओं में ऊँची कूद, लंबी कूद, रिले रेस, जिमनास्टिक, बैडमिंटन, कुश्ती, गोला फेंक, चक्का फेंक, योग एवं वॉलीबॉल जैसी प्रतियोगिताएँ प्रमुख रहीं। बैडमिंटन प्रतियोगिता में बालक वर्ग में कुर्बान तथा बालिका वर्ग में पलक ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, वहीं सृजन एवं आस्था द्वितीय स्थान पर रहे। ऊँची कूद में बालक वर्ग में आजाद प्रथम व शुभम द्वितीय स्थान पर रहे, जबकि बालिका वर्ग में सेजल ने प्रथम एवं नेहा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। लंबी कूद (जूनियर वर्ग) में भी आजाद ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम वैभव ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। रिले रेस में विकास क्षेत्र शाहगढ़ प्रथम एवं भादर द्वितीय स्थान पर रहा। जूनियर वॉलीबॉल, जिमनास्टिक एवं योग प्रतियोगिताओं में विकास क्षेत्र भादर का प्रदर्शन सर्वश्रेष्ठ रहा, जबकि योग प्रतियोगिता में जगदीशपुर द्वितीय स्थान पर रहा। गोला फेंक में बालक वर्ग में आजाद तथा बालिका वर्ग में नैंसी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, वहीं कुर्बान (बालक) एवं श्रुति (बालिका) द्वितीय स्थान पर रहीं। प्रतियोगिता के दौरान बच्चों ने पूरे उत्साह, ऊर्जा एवं खेल भावना के साथ विभिन्न खेलों में प्रतिभाग किया। जिला व्यायाम शिक्षक संदीप सिंह के नेतृत्व में ब्लॉक व्यायाम शिक्षकों, खेल अनुदेशकों एवं सहयोगी शिक्षकों ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। समारोह को संबोधित करते हुए जिला विद्यालय निरीक्षक ने सभी टीमों की सक्रिय सहभागिता, बच्चों की खेल दक्षता एवं उन्हें निखारने वाले शिक्षकों की प्रशंसा की। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने समस्त प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ देते हुए भविष्य में खेल के क्षेत्र में और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया तथा आयोजन में सहयोग देने वाले सभी अधिकारियों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं शिक्षक संगठनों का आभार व्यक्त किया।

ग्रामीण अंचल में शिक्षा की अलख जगा रहा शिव साईं पब्लिक स्कूल का वार्षिकोत्सव

विश्ववार्ता संवाददाता

डीह,रायबरेली। सलोन विधानसभा क्षेत्र1 कांग्रेस के पूर्व प्रत्याशी अर्जुन पासी ने कहा कि विद्यालय केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं होते, बल्कि ऐसे मंच होते हैं जहां बच्चों की छिपी प्रतिभा निखरकर सामने आती है। वह ग्राम त्रिलोकपुर डीह स्थित शिव साईं पब्लिक स्कूल के वार्षिकोत्सव समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उनके साथ डीह ब्लॉक अध्यक्ष शिव दर्शन पासी और न्याय पंचायत अध्यक्ष मोहम्मद इस्माइल खान भी मौजूद रहे।कार्यक्रम के दौरान नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों, नृत्य और मंचीय प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। बच्चों के आत्मविश्वास और मंच पर उनकी सहज अभिव्यक्ति को देखकर अभिभावकों सहित अतिथियों ने जमकर तालियां बजाईं।मुख्य अतिथि कांग्रेस नेता अर्जुन पासी ने अपने संबोधन में कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा की मजबूत नींव ही सामाजिक परिवर्तन की सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के वार्षिकोत्सव बच्चों के व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्वास और रचनात्मक सोच को नई दिशा देते हैं। उन्होंने बच्चों की प्रतिभा की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।अर्जुन पासी ने विद्यालय के प्रधानाचार्य रामकृष्ण श्रीवास्तव, समस्त शिक्षकगण एवं स्कूल प्रबंधन समिति के सदस्य जलकेश को सफल आयोजन के लिए हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अंचल में शिक्षा का दीप जलाए रखना आसान कार्य नहीं है, लेकिन शिव साईं पब्लिक स्कूल इस दिशा में सराहनीय भूमिका निभा रहा है।कार्यक्रम के समापन पर अतिथियों ने विद्यालय परिवार को भविष्य में भी इसी तरह बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और संस्कार देने के लिए शुभकामनाएं दीं।

आउट ऑफ स्कूल बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने पर जोर

लालगंज, रायबरेली। नगर स्थित बैसवारा डिग्री कॉलेज के ऑडिटोरियम में मंगलवार को बीआरसी के तत्वावधान में प्राथमिक व जूनियर स्तर के नोडल शिक्षकों की तीन दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। कार्यशाला में पढ़ाई से छूट चुके अथवा पिछड़ रहे बच्चों को दोबारा शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया।खंड शिक्षा अधिकारी राजीव कुमार ओझा ने बताया कि शारदा प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत ऐसे बच्चों को चिन्हित किया गया है, जिनकी संचयी अनुपस्थिति 30 दिन से अधिक है अथवा परीक्षाओं में 35 प्रतिशत से कम अंक आए हैं।

इन बच्चों को 'आउट ऑफ स्कूल' मानते हुए उनके लिए विशेष संघनित पाठ्यक्रम तैयार किया गया है, जिसे निर्धारित समय सीमा में पूरा कराया जाएगा।

तीन दिवसीय सरस मेले का हुआ शुभारंभ

स्वयं सहायता समूहों को मिला विपणन का सशक्त मंच

विश्ववार्ता संवाददाता

अमेठी। जिला पंचायत रिसोर्स सेंटर, गौरीगंज के प्रांगण में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत तीन दिवसीय जनपद स्तरीय सरस मेले का भव्य आयोजन किया गया। मेले का शुभारंभ जिलाधिकारी संजय चौहान ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं, अधिकारीगण एवं आमजन उपस्थित रहे। सरस मेले में जनपद अमेठी के सभी 13 विकासखंडों से जुड़ी स्वयं सहायता समूहों द्वारा कुल 26 स्टॉल लगाए गए हैं। इन स्टॉलों पर समूहों द्वारा निर्मित खाद्य पदार्थ, हस्तशिल्प, घरेलू उपयोग की वस्तुएं एवं अन्य उत्पाद प्रदर्शित एवं बिक्री हेतु उपलब्ध कराए गए हैं। इसके साथ ही पशुपालन विभाग एवं उद्यान विभाग द्वारा भी अपने-अपने विभागों से संबंधित जानकारी एवं उत्पादों के स्टॉल लगाए गए हैं। मेले का उद्देश्य स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार उत्पादों के प्रचार-प्रसार, विपणन और आय वृद्धि के अवसर उपलब्ध कराना है, जिससे ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया जा सके। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने उत्कृष्ट कार्य करने वाली पांच बीसी सखियों—राधा कुमारी, बीना रानी, निकिता यादव, अकाना एवं प्रतिभा—को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। साथ ही छह स्वयं सहायता समूहों—साईं बाबा, सुषमा देवी, राधिका, शिव शक्ति, राधे-राधे एवं श्रद्धा स्वयं सहायता समूह—को सामुदायिक निवेश निधि (CIF) के डेमो चेक वितरित किए गए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि सरस मेला ग्रामीण महिलाओं की कड़ी मेहनत, कौशल और आत्मनिर्भरता का जीवंत उदाहरण है। ऐसे आयोजन स्वयं सहायता समूहों को अपने उत्पादों के लिए बाजार उपलब्ध कराते हैं और उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि महिलाएं आज केवल स्वयं तक सीमित नहीं हैं, बल्कि अपने परिवार और समाज की आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। प्रशासन की ओर से समूहों को हर संभव सहयोग दिया जाएगा ताकि वे आगे बढ़कर स्थायी आजीविका का सशक्त माध्यम बन सकें। सरस मेले के दौरान उपस्थित महिलाओं एवं आमजन से भी जिलाधिकारी ने अपील की कि वे स्थानीय स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों को प्राथमिकता दें और 'लोकल से वोकल' की भावना को सशक्त करें। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने आईटी सखी और ई मार्केटिंग विकसित करने के निर्देश डीसी एनआरएलएम को दिए। इस अवसर पर प्रभारी मुख्य विकास अधिकारी वीरभानु सिंह, यादव डीईएसटीओ पन्नालाल सहित अन्य संबंधित अधिकारी, स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं, लाभार्थी एवं जनसामान्य उपस्थित रहे।

ई-रिक्शा में महिला के बैग से चांदी के जेवर चोरी

लालगंज, रायबरेली। नगर की मेन रोड पर ई-रिक्शा में सफर कर रही एक महिला के बैग से चांदी के जेवर चोरी हो गए। पीड़िता ने कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। कोतवाली क्षेत्र के मलपुरा गांव निवासी ललिता पत्नी आशीष ने बताया कि वह ई-रिक्शा से करुना बाजार चौराहा जा रही थीं। रास्ते में बेहटा चौराहे पर तीन अज्ञात महिलाएं ई-रिक्शा में सवार हुईं। पोस्ट ऑफिस के पास उतरने के बाद जब पीड़िता ने बैग देखा तो वह खुला हुआ था और उसमें रखा चांदी के जेवरों से भरा डिब्बा गायब था। पीड़िता के अनुसार चोरी हुए जेवरों की कीमत लगभग डेढ़ लाख रुपये है। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर मिलने पर मामले की जांच की जाएगी।

जनसुनवाई में सुनी गई एक बेटी की पीड़ा, डीएम की पहल से मिली राहत की राह

रायबरेली। कलेक्ट्रेट की जनसुनवाई में बीती 6 जनवरी को जब एक बेटी ने अपनी मजबूरी को शब्दों में पिरोकर जिलाधिकारी के सामने एक पत्र रखा था, तब वह सिर्फ एक आवेदन नहीं था, वह एक टूटती उम्मीद को थामे रहने की अंतिम कोशिश थी। उसी पीड़ा को संवेदना में बदलते हुए जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने ऐसा मानवीय निर्णय लिया, जिसने आज एक जरूरतमंद परिवार को राहत और सम्मान दोनों दिया।

जनसुनवाई के दौरान लक्ष्मी, पुत्री सभा दीन, निवासी ग्राम पूरे भक्तन बभनपुर, विकास खंड छतोह ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर बताया था कि उसकी माता का पहले ही निधन हो चुका है, पिता दिव्यांग हैं और वह अपने माता-पिता की इकलौती संतान है।

गठन

मिशन का मूल उद्देश्य समाज सेवा, राष्ट्र निर्माण और आध्यात्मिक मूल्यों का जन-जन तक प्रसार : डॉ. श्रीप्रकाश मिश्र

मातृभूमि सेवा मिशन रायबरेली इकाई में नई कार्यकारिणी का गठन

विश्ववार्ता संवाददाता

रायबरेली। मातृभूमि सेवा मिशन धर्मक्षेत्र-कुरुक्षेत्र (हरियाणा), अध्यात्म-प्रेरित सेवा संस्थान की रायबरेली इकाई के गठन एवं दायित्व शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन मंगलवार को शहीद स्मारक परिसर में गरिमामय एवं आध्यात्मिक वातावरण में संपन्न हुआ। दायित्व ग्रहण समारोह का शुभारंभ मिशन के संस्थापक डॉ. श्रीप्रकाश मिश्र ने भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं चित्र पर माल्यार्पण के साथ किया। नवगठित इकाई के पदाधिकारियों ने सेवा, समर्पण और राष्ट्रहित में कार्य करने की सामूहिक दायित्व ग्रहण किया। प्रातः 6 बजे से 8 बजे तक चले इस समारोह में रायबरेली इकाई की नई कार्यकारिणी की विधिवत घोषणा करते हुए संगठनात्मक दायित्व में प्रणाम पत्र सौंपे गए। इस अवसर पर डॉ. श्रीप्रकाश मिश्र ने कहा कि मातृभूमि सेवा मिशन का मूल उद्देश्य समाज सेवा, राष्ट्र निर्माण और आध्यात्मिक मूल्यों का जन-जन तक प्रसार है। उन्होंने नव-नियुक्त पदाधिकारियों से अपेक्षा जताई कि वे संगठन की गरिमा के अनुरूप अनुशासन, निष्ठा और सेवा भाव के साथ निःस्वार्थ विभेद रहित अपने अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि योग साधकों के सहयोग और समर्पण से मिशन सामाजिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रहित से जुड़े सभी क्षेत्रों में प्रभावी भूमिका निभाएगा।समारोह के दौरान इकाई की ओर से नव-नियुक्त पदाधिकारियों के सफल, सक्रिय एवं मंगलमय कार्यकाल की कामना करते हुए परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना की गई।

मातृभूमि सेवा मिशन इकाई का दायित्व ग्रहण समारोह संपन्न

रायबरेली। मातृभूमि सेवा मिशन इकाई रायबरेली की नवगठित कार्यकारिणी में प्रदीप पांडेय संयोजक ,रामानुज मिश्रा सह-संयोजक, रामराज गिरि अध्यक्ष,महेन्द्र अग्रवाल संरक्षक, अजय मिश्रा संरक्षक, प्रो. संजय सिंह संरक्षक,दिनेश मिश्रा संरक्षक, सन्त लाल मुख्य सलाहकार, योगेन्द्र मिश्रा सलाहकार, देवेन्द्रनाथ मिश्रा महामंत्री, राकेश यादव सचिव, पंकज प्रजापति उपाध्यक्ष, अवधेश सिंह उपाध्यक्ष, आशीष यादव कोषाध्यक्ष,अजय पाल सिंह, कानूनी सलाहकार; राजेश पाण्डेय मीडिया प्रभारी, प्रकाश नारायण पाठक योग शिविर संयोजक, अनूप शर्मा योग प्रशिक्षक, राज अग्रहरि योग प्रशिक्षक, सोनम गुप्ता महिला योग प्रशिक्षिका सदस्य, दिनेश पाण्डेय सदस्य, अनुज यादव सदस्य , राकेश त्रिपाठी सदस्य, राधेश्याम सिंह सदस्य, राजकुमार शाहू सदस्य, माया देवी महिला सदस्य, रश्मि पाण्डेय, महिला सदस्य को दायित्व सौंपे गए। दायित्व शपथ ग्रहण समारोह में सभी पदाधिकारियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर अंगवस्त्र एवं माल्यार्पण के साथ सम्मानित किया गया।

चलती कार में लगी आग, चालक ने कूदकर बचाई जान

लालगंज, रायबरेली। रायबरेली रोड स्थित रेलवे क्रॉसिंग संख्या 71 बी पर मंगलवार दोपहर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब क्रॉसिंग पार करते ही एक चलती कार में अचानक आग लग गई। चालक ने तत्परता दिखाते हुए कार से कूदकर अपनी जान बचाई। मौके पर मौजूद लोगों ने फायर एक्सटिंग्विशर और समर्सिबल पंप की मदद से आग पर काबू पाया। आग लगने से कुछ समय के लिए सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जली कार को हटवाकर यातायात सुचारू कराया। कार चालक उन्नाव निवासी दीपक सिंह ने बताया कि वह मंदिर दर्शन के लिए जा रहे थे, तभी अचानक कार में आग लग गई। समय रहते बाहर निकलने से बड़ा हादसा टल गया।

एक नजर

ओवरलोड गाड़ियों के खिलाफ चलाया गया छापामारी अभियान

लातेहार। जिले में बढ़ते सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और यातायात नियमों का पालन सख्ती से कराने को लेकर परिवहन विभाग के द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी के नीमित आज एक बार फिर जिला परिवहन पदाधिकारी उमेश मंडल के नेतृत्व में सघन वाहन जांच अभियान जिले मे मनिका प्रखंड में चलाया गया। इस दौरान बस संचालकों के द्वारा लिमिट से ज्यादा सवारियों को लेकर चलने पर डीटीओ ने सख्त हिदायत दी और कहा कि नियमों का सख्ती से पालन करें ।साथ ही ओवरलोड लेकर चल रहे ट्रक संचालकों का चालान काटा गया। आज कुल 76 वाहनों की जांच की गई, जिसमें 14 का चालान किया गया। इससे राज्य सरकार को एक लाख 43 हजार पांच रूपये का राजस्व प्राप्त हुआ।

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने की उच्च स्तरीय बैठक, ट्राफिक व्यवस्था पर हुई गहन समीक्षा

मोतिहारी। स्थानीय रोइंग क्लब स्थित ट्रैफिक डीएसपी के कार्यालय कक्ष में जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल एवं पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात के द्वारा नगर आयुक्त नगर निगम मोतिहारी, प्रशिक्षु आईपीएस हेमंत कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी मोतिहारी,अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मोतिहारी, ट्रैफिक डीएसपी एवं थाना प्रभारी टाउन थाना, छतौनी थाना, रघुनाथपुर थाना,बंजरिया थाना के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की गई जिसमें शहर को जाम से मुक्ति दिलाने एवं ट्रैफिक समस्या को दूर करने के लिए गहन मंथन किया गया। जिलाधिकारी के द्वारा निर्देश दिया गया कि ऑटो चालक संघ के साथ बैठक कर जाम से मुक्ति के संबंध में निर्णय लिया जाए साथ ही नगर निगम अपने स्तर से भी इसके लिए विकल्प की तालाश करे। मादक पदार्थों के सेवन के विरुद्ध अभियान चलाने एवं विधि व्यवस्था के मद्देनजर विशेष छापामारी दल के गठन का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि मादक पदार्थों का दुरुपयोग युवाओं में बड़ा भटकाव ला रहा है। इसके रोकथाम के लिए कारगर उपाय किए जाएं। आम लोगों से फीडबैक लेकर वैसे स्थान को चिन्हित करते हुए वहां लगातार छापेमारी की जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि मिलावटी खाद्य पदार्थ के विरुद्ध भी अभियान चलाई जाए। होटल,लॉज, हॉस्टल सहित अन्य ठहराव स्थलों की भी लगातार जांच की जाए और गड़बड़ी मिलने पर नियम संगत कठोर कार्रवाई की जाए।

हिदायतुल्ला खान ने चलाया जनसंपर्क अभियान बुजुर्गों का मिला आशीर्वाद, युवाओं ने दिया साथ

जमशेदपुर। झारखण्ड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष हाजी हिदायतुल्लाह खान ने अपनी धर्मपत्नी जुगसलाई नगर परिषद अध्यक्ष प्रत्याशी नौशीन खान के लिए जनसंपर्क अभियान के तहत पुरानी बस्ती रोड क्षेत्र का सघन दौरा किया। जनसंपर्क की शुरुआत पप्पू होटल के पास से हुई, जहाँ स्थानीय नागरिकों और विभिन्न क्लबों के सदस्यों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई इसके बाद उन्होंने कफील बिल्डिंग और हसीबुल्लाह चाचा के निवास के आसपास डोर-टू-डोर कैंपेन चलाया। जनसंपर्क के दौरान बुजुर्गों का आशीर्वाद एवं युवाओं का भरपूर साथ मिला। हाजी हिदायतुल्ला खान ने घर-घर जाकर बड़ों का अभिवादन किया और उनका मार्गदर्शन व दुआएं प्राप्त कीं ।युवा शक्ति का संवाद : विभिन्न क्लबों के सदस्यों के साथ क्षेत्र के विकास और स्थानीय मुद्दों पर चर्चा की ।जुगसलाई के समस्त क्षेत्र में मिल रहे अपार समर्थन : को देखते हुए नौशीन खान का कहना है कि लोगों से मिल रहे अपार समर्थन को सूद समेत चुकाऊंगी, जुगसलाई का विकास और आपसी सद्भावना के साथ जुगसलाई नगर परिषद क्षेत्र समस्त झारखण्ड में पहले नंबर पर आएगा।

तिलैया डैम उरवां में इको टूरिज्म के विकास पर जोर

कोडरमा। समाहरणालय सभागार में उपायुक्त ऋतुराज की अध्यक्षता में पर्यटन एवं खेल टास्क फोर्स की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों के समग्र विकास को लेकर विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक के दौरान तिलैया डैम उरवां क्षेत्र में इको-टूरिज्म के विकास, खेल मैदान एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु योजनाएं तैयार करने पर विचार-विमर्श किया गया। उपायुक्त ने संबंधित विभागों को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त, उपायुक्त द्वारा रेलवे से संबंधित विकासात्मक कार्यों के क्रियान्वयन में वन विभाग से जुड़े मामलों की समीक्षा की गई तथा लंबित विषयों के शीघ्र निष्पादन के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए ।बैठक में वन प्रमंडल पदाधिकारी सौमित्र शुक्ला, अपर समाहर्ता पूनम कुजूर, भूमि उप समाहर्ता ओमप्रकाश मंडल, जिला खेल पदाधिकारी तुषार राय सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सहायक अध्यापक मंसूर अंसारी के निधन से शिक्षा जगत में शोक की लहर

बालूमाथ। बालूमाथ प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय बसिया में पदस्थापित सहायक अध्यापक मंसूर अंसारी का बीमारी के कारण निधन हो गया। उनके निधन की खबर मिलते ही पूरे शिक्षा जगत में शोक की लहर दौड़ गई ।बसिया विद्यालय के छात्र छात्राएं अपने शिक्षक के आवास पर पहुंचे। अपने शिक्षक के इस तरह अचानक दुनिया से चले जाने से बच्चे गमगीन दीखे। मंसूर अंसारी अपने सरल स्वभाव,कुशल व्यवहार और शांत व्यक्तित्व के कारण छात्रों व सहकर्मियों के बीच बेहद लोकप्रिय थे ।अध्यापक संघ के प्रखंड अध्यक्ष उमेश साहू अपने प्रतिनिधि मंडल के साथ शोकाकुल परिजनों से मिले और अपना दुख व्यक्त किया व बसिया कब्रिस्तान में आयोजित मिट्टी मंज़िल कार्यक्रम में भी शामिल हुए। जहां गंगा जमुना तहज़ीब देखने को मिली। इस दौरान हिंदू समाज के लोग भी मिट्टी मंज़िल में शामिल होकर सामाजिक सौहार्द का संदेश देते नजर आए ।घटना की जानकारी मिलने पर लातेहार के जिला शिक्षा अधीक्षक गौतम कुमार ने भी गहरा दुख प्रकट किया। स्वर्गीय मंसूर अंसारी अपने पीछे पत्नी समेत दो पुत्रों को छोड़ गए हैं।

कांग्रेस के प्रशिक्षण कार्यक्रम में कोडरमा जिलाध्यक्ष प्रकाश रजक शामिल हुए

कोडरमा। मंगलवार को इंदिरा भवन, नई दिल्ली में संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत आयोजित जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्षों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में कोडरमा कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रकाश रजक भी शामिल हुए। वहां कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि संगठनात्मक क्षमता, नेतृत्व कौशल और ज़मीनी जुड़ाव को मजबूत करना ही कांग्रेस संगठन की मजबूती की कुंजी है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस अभियान के माध्यम से कांग्रेस पार्टी जमीनी स्तर पर और अधिक सशक्त होगी तथा जनता की आवाज को मजबूती से उठाएगी ।विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के जिला अध्यक्ष अब केवल पद के धारक नहीं रहेंगे, बल्कि संगठन को मजबूत करने की वास्तविक शक्ति भी उनके हाथों में होगी। संगठन सृजन अभियान के तहत चुने गए जिला अध्यक्षों को अब लेबल के साथ पावर दिया गया है, ताकि वे अपने-अपने जिलों में पार्टी को मजबूती प्रदान कर सकें। राहुल गांधी ने जिला अध्यक्षों से कहा कि जहां-जहां महिलाओं, दलितों, पिछड़ों, मुसलमान भाइयों और गरीबों पर आक्रमण होगा, वहां-वहां कांग्रेस पार्टी को मजबूती से खड़ा होकर संघर्ष करना होगा और जनता के अधिकारों की रक्षा करनी होगी। उन्होंने कहा कि बेहतर कार्य करने वाले जिला अध्यक्षों को आगे बढ़ाने में पार्टी कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

एक ही भवन में चल रहा चार स्कूल, एक कमरे में कई कक्षाएं संचालित

- चार कमरों में 800 बच्चे पढ़ने को मजबूर

नरेंद्र झा

मोतिहारी। बिहार सरकार और शिक्षा विभाग शिक्षा में सुधार के बड़े-बड़े दावे कर रहे हैं, लेकिन जमीनी हकीकत इन दावों की पोल खोल रही है। मोतिहारी से शिक्षा व्यवस्था की एक ऐसी तस्वीर सामने आई है, जो हैरान करने वाली है। ढाका प्रखंड के कुसमहवा उर्दू विद्यालय परिसर में स्थिति इतनी बदतर है कि महज चार कमरों के भवन में चार अलग-अलग विद्यालयों का संचालन किया जा रहा है ।यहां एक ही कमरे में एक साथ पांच कक्षाओं के बच्चे बैठकर पढ़ाई कर रहे हैं। शिक्षक भी सभी कक्षाओं को एक साथ पढ़ाने को मजबूर हैं, जिससे बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं मिल पा रही है। मौके पर पहुंची हमारी टीम ने पाया कि एक ही कमरे में अलग-अलग स्कूलों के छात्र ठूंसे हुए थे, जिससे पढ़ाई का माहौल पूरी तरह बाधित था ।विद्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, कुसमहवा वार्ड संख्या दो और तीन के छात्र एक ही कमरे में पढ़ते हैं। आधे बच्चे आगे की ओर मुंह करके बैठे होते हैं तो आधे पीछे की ओर। इस अव्यवस्थित माहौल में न तो पढ़ाई हो पाती है और न ही बच्चों को सही ज्ञान मिल पाता है ।जब इस संबंध में विद्यालय के प्रधानाध्यापक से बात करने की कोशिश की गई, तो उन्होंने कैमरे पर कुछ भी कहने से इनकार कर दिया। उनका स्पष्ट कहना था कि अगर वे कुछ बोलेंगे तो उन्हें निलंबित कर दिया जाएगा। यह स्थिति शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाती है।

233 छात्र को 11 शिक्षक पढ़ा रहे

एक कमरे के गेट पर रएनपीएस कुसमहवा वार्ड तीन और चारर लिखा हुआ मिला। पूछने पर बताया गया कि इस एक कमरे में दो विद्यालयों का संचालन किया जा रहा है, जिसमें कुल 233 छात्र नामांकित हैं और 11 शिक्षक किसी तरह से पढ़ाई करा रहे हैं। उन्हें अलग भवन उपलब्ध होने तक इसी तरह काम चलाना पड़ रहा है। इसी के बगल वाले कमरे में रनया टोला कुसमहवार विद्यालय संचालित हो रहा है, जहां 130 छात्र नामांकित हैं और केवल चार शिक्षक तैनात हैं। वहीं ऊपर के दो कमरों में उत्क्रमित मध्य विद्यालय कुसमहवा उर्दू का संचालन हो रहा है, जहां कुल 470 छात्र नामांकित हैं और मात्र छह शिक्षक पढ़ाने की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। कुल मिलाकर चार कमरों में लगभग 800 से अधिक बच्चे पढ़ने को मजबूर हैं ।ग्रामीणों का कहना है कि यह स्थिति काफी दिनों से बनी हुई है। बच्चे स्कूल तो आते हैं, लेकिन पढ़ाई के नाम पर ज्यादातर समय खेलकर ही चले जाते हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि बच्चों के भविष्य के साथ खुला खिलवाड़ हो रहा है। इस गंभीर समस्या को लेकर कई बार शिकायत भी की गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई ।मामले को लेकर जब जिला शिक्षा पदाधिकारी राजन गिरी से बात की गई तो उन्होंने बताया कि विद्यालय के लिए जमीन की तलाश की जा रही है। जैसे ही जमीन उपलब्ध होती है, वैसे ही स्कूल को अलग स्थान पर शिफ्ट कर दिया जाएगा। हालांकि सवाल यह है कि तब तक इन बच्चों का भविष्य कौन संवारेगा।

लोगों की समस्याओं को दूर करना जिला प्रशासन की प्राथमिकता: उपायुक्त

विश्ववार्ता ब्यूरो

लातेहार। उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में उपायुक्त कार्यालय कक्ष में साप्ताहिक जन शिकायत निवारण का आयोजन किया गया ।जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र से आए लोगों ने अपनी अपनी समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा। जन शिकायत निवारण के दौरान उपायुक्त ने वहां उपस्थित सभी लोगों से एक–एक कर उनकी समस्याएँ सुनी एवं अश्वासन दिया कि उनके सभी शिकायतों की जल्द से जल्द जाँच कराते हुए शिकायतों का समाधान किया जाएगा ।ग्राम नारायणपुर की निवासी श्रीमती मानो देवी द्वारा जल–नल योजना के अंतर्गत उनके घर तक पाइपलाइन नहीं जुड़ने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया गया ।आवेदन में उल्लेख किया गया कि उनके घर से लगभग 100 मीटर की दूरी पर जल मीनार स्थापित है तथा आसपास के अधिकांश घरों में पाइपलाइन के माध्यम से जलापूर्ति हो रही है, किंतु उनके घर तक अब तक पाइपलाइन कनेक्शन उपलब्ध नहीं कराया गया है, जिससे पेयजल की समस्या उत्पन्न हो रही है। इस कारण उन्हें दूर से पानी लाना पड़ रहा है।

उपायुक्त ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को आवेदन की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने तथा पात्रता के अनुसार यथाशीघ्र पाइपलाइन सुविधा उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया। साथ ही स्थानीय स्तर पर आ रही किसी भी बाधा को दूर कर योजना का लाभ सुनिश्चित करने को कहा गया ।जन शिकायत निवारण में विभिन्न आवेदन प्राप्त हुए। जन शिकायत में सभी शिकायतकर्ता की समस्याएँ को सुनने के पश्चात उपायुक्त ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को अग्रसारित कर सभी आवेदनों का भौतिक सत्यापन करते हुए, समस्याओं का समाधान जल्द से जल्द करने का निर्देश दिया।

उपायुक्त के निर्देशानुसार आमजनों की समस्याओं के समाधान और शिकायत के निष्पादन हेतु जिला, अनुमंडल, प्रखंड स्तरीय के सभी पदाधिकारियों के कार्यालय में प्रत्येक मंगलवार एंव शुक्रवार को जन शिकायत निवारण का आयोजन किया जाता है।

महाशिवरात्रि पर बालूमाथ में निकलेगी भव्य शिव बारात

विश्ववार्ता संवाददाता

लातेहार/बालूमाथ। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर प्रखंड परिसर स्थित शिव मंदिर, बालूमाथ की ओर से इस वर्ष भव्य एवं आकर्षक शिव बारात का आयोजन किया जा रहा है ।आयोजन की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं।

इस अवसर पर बनारस एवं लखनऊ से आए कलाकारों द्वारा शिव-पार्वती, नंदी महाराज सहित विभिन्न झांकियों की मनोहारी प्रस्तुति दी जाएगी ।शिव-पार्वती रथ पर विराजमान रहेंगे, जबकि उनके साथ शिव जी के बाराती नाचते-गाते चलेंगे। शिव बारात में औघड़, राक्षस एवं दैत्य स्वरूपों के साथ बड़ी संख्या में सनातनी श्रद्धालु शामिल होंगे।

कार्यक्रम में विधायक प्रकाश राम की उपस्थिति भी आयोजन की शोभा बढ़ाएगी। महाशिवरात्रि के दिन सुबह से ही प्रखंड परिसर स्थित शिव मंदिर में पूजा-अर्चना प्रारंभ होगी, जो अपराह्न 3 बजे तक चलेगी। इसके पश्चात जिला परिषद उपाध्यक्ष अनीता देवी एवं प्रवीण कुमार सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न होगा ।पूजा के उपरांत महाप्रसाद का वितरण किया जाएगा। इसके बाद शिव बारात प्रखंड परिसर से प्रारंभ होकर आदर्श नगर, मुरपा मोड़, थाना चौक, टमटम टोला शिव मंदिर होते हुए पुनः थाना चौक, मुरपा मोड़ एवं ब्लॉक मार्ग से होते हुए प्रखंड परिसर पहुंचेगी। बारात के समापन के बाद शिव-पार्वती विवाह का आयोजन किया जाएगा। विवाह उपरांत समिति की ओर से सभी बारातियों एवं श्रद्धालुओं के लिए जलपान की व्यवस्था की गई है।

कार्यक्रम को सफल बनाने में सागर राम, मुकेश सोनी, ब्रजेश कुमार, संतोष अग्रवाल, विजय कुमार, विकास कुमार शुक्ला, प्रकाश लाल सहित कई गणमान्य लोग सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं।

तेतरियाखांड कोलियरी में परियोजना पदाधिकारी के नेतृत्व में ट्रक मालिकों की हुई बैठक

विश्ववार्ता संवाददाता

लातेहार/बालूमाथ। सीसीएल कि राजहरा एरिया द्वारा संचालित बालूमाथ प्रखंड क्षेत्र स्थित तेतरियाखांड कोलियरी में मंगलवार कि दोपहर तीन बजे परियोजना पदाधिकारी जेपी रावत के द्वारा विस्थापित-प्रभावित ट्रक ऑनर की संयुक्त बैठक रखी गयी। जहां परियोजना पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि वर्तमान में कोलियरी परिसर में कोयला रखने की जगह नहीं है। वहीं स्टॉक में 10 लाख टन कोयला जमा हो गया है जिस कोयले का उठाव करना जरूरी है और जलने से बचाना है। अगर स्टॉक कोयला को जल्द से जल्द हटाया नहीं गया तो कोलियरी बंद होने की स्थिति में है। ऐसे में एकमात्र रास्ता है हाईवा से कोयला ढुलाई कराई जाए। जिसको लेकर जवाब देते हुए विस्थापित नेता गंगेश्वर यादव, राजन यादव, देवनारायण यादव, दिलमनी यादव समेत कई ट्रक मालिक ने बताया कि जमा हुए कोयला स्टॉक में तीन लाख टन बैंड पत्थर मिट्टी मिलाकर कोयला की गुणवत्ता खराब कर दिया गया है। जिस कारण कोई भी कंपनी कोयला खरीदना नही चाहती है और अब दोष यहाँ के लोगो पर लगाकर सीसीएल यहाँ हाइवा चलाना चाहती है। जबकि इसकी सूचना कई बार सीसीएल प्रबंधन को दी गयी है लेकिन कोई सुधार नही हुआ ।वही सुरेश यादव ने कहा कि हमलोग 10 लाख टन स्टॉक को लागत मूल्य में ट्रक से उठा देंगे। वही दिलीप यादव ने कहा कि कोयला स्टॉक में जमा 10 लाख टन कोयला का सैम्पलिंग कर कोयला की क्वालिटी की जांच की जाए ।तो चौंकाने वाली बात सामने आयेगी वहाँ कोयला के नाम पर राख और बैंड पत्थर मिलेगा। पीएनएमएल कंपनी सीसीएल के साथ मिलकर अच्छा कोयला में बैंड पत्थर मिलाकर अब हाइवा चलाने का दबाव डाल रही है। जो हमलोगों को कतई बर्दाश्त नही है। वही रवि यादव ने कहा कि पीएनएम कंपनी द्वारा अड़ानी पावर का कोयला भेजना था तो अच्छा कोयला बालूमाथ सायडिंग भेज दिया। जबकि कंपनी को खुद के स्टॉक से कोयला उठाना था लेकिन सीसीएल स्टॉक से बिना क्रश किया हुआ कोयला उठाव किया गया ।जो करोड़ों का घोटाला है ।मौके पर बसिया मुखिया विमला देवी, ग्राम प्रधान रामकुमार यादव, मनोज यादव, संतोष यादव, रौशन यादव, संदीप यादव, काली यादव, सुरेश उराँव, राजेंद्र यादव, दीपक यादव, प्रदीप यादव, इमेन्द्र यादव, तिवारी यादव, उपेन्द्र यादव, प्रकाश यादव, रवींद्र यादव, मंटू साब, मो० अयूब, सागर राम, राजेश राम, दीपू गुप्ता समेत सैकडो लोग उपास्थित थे।

डीएम ने दवा खाकर किया सर्वजन दवा सेवन कार्यक्रम का शुभारम्भ

जिले भर के स्वास्थ्य केंद्रों में खिलाई जा रही है दवा

05

विश्ववार्ता संवाददाता

मोतिहारी।सदर अस्पताल परिसर में लगे कैंप में जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने फाइलेरिया से बचाव हेतु सर्वजन दवा सेवन कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया इस दौरान उन्होंने स्वयं दवा का सेवन करते हुए जिले के सभी स्वस्थ्य लोगों को सर्वजन दवा सेवन करने का संदेश दिया। मौके पर उन्होंने कहा की फाइलेरिया हाथी पांव एक गंभीर बीमारी है जिससे बचाव हेतु सर्वजन दवा सेवन करना सभी के लिए बहुत जरूरी है ।उन्होंने लोगों से अपील की कि वे स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपलब्ध कराई जा रही दवाओं का सेवन करें, और अपने परिवार तथा आसपास के लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें ।सीएस डॉ दिलीप कुमार ने जानकारी देते हुए बताया की जिले भर के सभी स्वास्थ्य केंद्र पर दवा उपलब्ध है। आशा घर-घर जाकर लोगों को सामने दवा खिलाएगी, उसके बाद बूथ लगाकर स्कूलों व अन्य जगहों पर दवा उपलब्ध कराई जाएगी ।उन्होंने बताया की हल्के-फुल्के साइड इफेक्ट से घबराने की जरूरत नहीं है ।वहीं उन्होंने कहा की दवा खाली पेट नहीं लेनी है। दो वर्ष से कम आयु के बच्चों, गर्भवती महिलाओं और गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों को छोड़कर सभी को दवा दी जाएगी। डीभीडीसीओ डॉ एस सी शर्मा ने कहा की उप स्वास्थ्य केंद्रों पर भी जनप्रतिनिधि व सी एच ओ के द्वारा दवा सेवन कराया जा रहा है ।सभी को एक बात समझनी चाहिए की दवा लेने के बाद हल्का बुखार या चक्कर आना सामान्य है। दवा न लेना ही सबसे बड़ा खतरा है, क्योंकि एक संक्रमित व्यक्ति पूरे गांव के लिए जोखिम बन सकता है ।मोतिहारी सदर पीएचसी में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ दिलीप शाही के द्वारा लोगों व स्वास्थ्य कर्मियों को सर्वजन दवा सेवन कराया गया।

इस अवसर पर डीएस डॉ एस एन सत्यार्थी, चिकित्सक,डीपीएम ठाकुर विश्वमोहन, डीसीएम नंदन झा, स्वास्थ्य कर्मी एवं सहयोगी संस्था पिरामल, डब्लूएचओ, पीएसआई सिफार के प्रतिनिधि मौजूद थे।

जितना जीना है जी लो, 4 तारीख को मार दूंगा

धनबाद के डॉक्टर को जान से मारने की धमकी, ICU के बाहर चिपकाया धमकी वाला लेटर

विश्ववार्ता संवाददाता

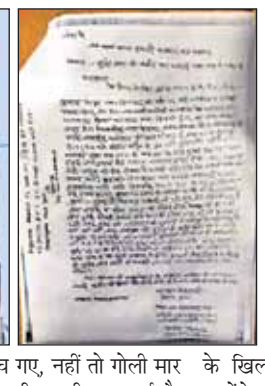

धनबाद। धनबाद के नावाडीह में बिरसा मुंडा पार्क के समीप महाकेश्वर कॉम्पलेक्स स्थित किडनी केयर क्लिनिक के संचालक डॉ. मिहिर कुमार को पत्र के माध्यम से जान से मारने की धमकी दी गई है। धमकी भरा यह पत्र क्लिनिक की आईसीयू के बाहर चिपका हुआ मिला, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। घटना 9 फरवरी की रात की बताई जा रही है ।डॉ. मिहिर ने पुलिस को दिए आवेदन में बताया कि क्लिनिक के कर्मी असलम ने सबसे पहले आईसीयू के बाहर चिपका हुआ पत्र देखा। इसके बाद उसने पत्र की तस्वीर लेकर व्हाट्सऐप के जरिए डॉ. मिहिर को भेजी। सूचना मिलते ही डॉ. मिहिर तत्काल क्लिनिक पहुंचे, जहां उन्होंने खुद आईसीयू के बाहर वह धमकी भरा पत्र चिपका हुआ पाया ।डॉ. मिहिर के अनुसार, पत्र में बेहद गंभीर और डराने वाली भाषा का इस्तेमाल किया गया है। पत्र में लिखा गया है—"डॉक्टर, तुम्हारी किस्मत अच्छी है। उस दिन ग्रुप में होने की वजह से बच गए, नहीं तो गोली मार देता। जिस तरह नीरज की हत्या हुई है, उसी तरह मारूंगा। इसे हल्के में मत लेना। जितना जीना है, जी लो, 4 तारीख को मार दूंगा। एसपी या डीएसपी के पास जाओ, तुम्हें मरना पड़ेगा।" पत्र के नीचे अंग्रेजी में "kill" शब्द भी लिखा हुआ है। इस धमकी भरे पत्र को देखकर क्लिनिक कर्मियों में दहशत का माहौल है। डॉ. मिहिर का कहना है कि पत्र की भाषा से साफ है कि भेजने वाला व्यक्ति आपराधिक प्रवृत्ति का है। पूरी योजना के तहत डराने की कोशिश कर रहा है ।डॉ. मिहिर कुमार ने धनबाद थाने में लिखित शिकायत देकर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। उन्होंने आशंका जताई है कि यह धमकी रंगदारी वसूली के उद्देश्य से दी गई हो सकती है। साथ ही उन्होंने पुलिस से अपने और क्लिनिक के कर्मचारियों की जान-माल की सुरक्षा की मांग की है।

आरोप बिहार नवनिर्माण यात्रा के क्रम में मोतिहारी के पाम रिसोर्ट में पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे जन सुराज के प्रणेता

नीट छात्रा की संदिग्ध हत्या की घटना को लेकर सरकार पर खूब बरसे प्रशांत किशोर

विश्ववार्ता संवाददाता

मोतिहारी। जन सुराज के प्रणेता प्रशांत किशोर ने पटना में नीट छात्रा के साथ हुई निर्मम घटना को लेकर सरकार पर जमकर बरसे। उन्होंने ने कहा कि सरकार इस मामले को शुरू से ही दबाने में लगी रही। पटना पुलिस इस मामले में फेल हो गई।

एसआईटी भी छात्रा की हुई मौत एवं कथित तौर पर हुई रेप की घटना से पर्दा नहीं उठा सकी। उन्होंने ने आरोप लगाया कि इस मामले को पटना पुलिस, एसआईटी और सरकार दबाने में ही लगी रही। इससे इस आशंका को बल मिलता है कि इस घटना में बड़े बड़े लोगों की संलिप्तता हो सकती है। प्रशांत किशोर ने यह भी कहा कि जन दबाव में ही इस मामले को सीबीआई को सौंप दी गई है लेकिन सीबीआई भी अबतक इस गंभीर मामले में हाथ नहीं डाला है जो सोचनीय है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी पीड़ित परिवार के साथ है और वे न्याय दिलाने के लिए इस लड़ाई को अंतिम क्षण तक लड़ेंगे।

उन्होंने ने यह भी कहा कि पटना में चल रहे हास्टल की भी समुचित निगरानी की जरूरत है। हास्टल कैसे चल रहा है। उसमें क्या सुविधाएं हैं और वह मानक के अनुरूप चल रहा है कि नहीं इसकी कोई निगरानी नहीं है। हास्टल में रह रहे बच्चे बच्चियों की सुरक्षा पर कोई संज्ञान नहीं ले रहा है। सरकार बिलकुल उदासीन रही है। सरकार को चाहिए कि हास्टलों के लिए एक मानक तय करें और उसकी निगरानी करें ताकि कोई ऐसी घटनाएं न हों लेकिन अबतक सरकार सो रही है।

प्रशांत किशोर मोतिहारी में कार्यकर्ताओं से संपर्क स्थापित कर संगठन को मजबूत करने की दिशा में राय मशविरा करने आए थे। वे प्रखंड वार कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद किया और उनकी राय जानी। उन्होंने ने कहा कि तीन महीने के भीतर संगठन को सशक्त बनाकर फिर से जनता के बीच जायेंगे और उनकी समस्याओं को लेकर मजबूती से लड़ाई लड़ेंगे।

एक नजर

सीसी सड़क का लोकार्पण,गांव को मिली बड़ी सौगात

कुड़वार - सुलतानपुर। कुड़वार विकास खंड अंतर्गत निरसहिया मेन रोड से सोहगौली गांव की ओर जिला पंचायत की पंचम राज्य वित्त योजना के तहत निर्मित सीसी सड़क का लोकार्पण किया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि एवं ब्लॉक प्रमुख शिवकुमार सिंह ने फीता काटकर सड़क का उद्घाटन किया। लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान गांव में उत्सव जैसा माहौल रहा। ग्रामीणों ने सड़क निर्माण को क्षेत्र के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। ग्रामीणों का कहना था कि सड़क बनने से आवागमन सुगम होगा और बरसात के मौसम में कीचड़ व जलभराव की समस्या से राहत मिलेगी।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि शिवकुमार सिंह ने कहा कि जिला पंचायत का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि सड़क, पेयजल और अन्य मूलभूत सुविधाओं का विकास उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। आने वाले समय में क्षेत्र में और भी विकास कार्य कराए जाएंगे,ताकि ग्रामीणों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।इस अवसर पर ग्राम प्रधान श्याम बहादुर यादव, अभय सिंह, राजवंत सिंह, चंद्रभान सिंह, सूर्य प्रताप सिंह चौहान, जितेंद्र सेठ, प्रकाश यादव, भूपेंद्र सिंह, बीडीसी सचिन मिश्र सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

एलआईसी डकैती केस का फैसला टला

सुलतानपुर। कादीपुर की एलआईसी शाखा में 17 वर्ष पूर्व हुई डकैती के मामले में न्यायाधीश संध्या चौधरी की कोर्ट में मंगलवार को फैसला नहीं हो सका। कादीपुर की एलआईसी शाखा के पूर्व प्रबंधक ईश्वर देव सिंह ने एक सितंबर 2008 को दिनदहाड़े हुई डकैती का मुकदमा दर्ज कराया था। शासकीय अधिवक्ता पवन कुमार दुबे ने बताया कि गुरुवार को फैसले की तारीख नियत हुई है।

पूर्व मंत्री और विधायक की सुनवाई टली

सुलतानपुर। प्रदेश के सरकारी अस्पतालों के बारे में विवादास्पद टिप्पणी के मामले में दिल्ली के पूर्व कानून मंत्री सोमनाथ भारती पर लम्बित मुकदमे में मंगलवार को आरोप तय नहीं हो सके। एमपी- एमएलए कोर्ट के मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा ने आरोप तय करने के लिए सोमनाथ भारती को अधिकृत आईडी से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए 25 फरवरी को हाजिर होने का आदेश दिया है। उधर प्रशासन की अनुमति के बिना चुनावी जनसभा कर आदर्श चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन करने के आरोपी लम्भुआ विधायक सीताराम वर्मा के केस में बहस के लिए 21 फरवरी की तारीख नियत हुई है।

गुंगवाछ हत्याकांड में थानाध्यक्ष की गवाही टली

सुलतानपुर। अमेठी के गुंगवाछ मौजा के राजापुर में पूर्व प्रधान समेत चार लोगों की सनसनीखेज हत्या के मामले में एडीजे जलाल मोहम्मद अकबर की कोर्ट में मंगलवार को अभियोजन साक्षी जामो थानाध्यक्ष विनोद कुमार सिंह गवाही देने नहीं पहुंचे। अधिवक्ता सन्तोष पाण्डेय ने बताया कि 19 फरवरी को फिर सुनवाई नियत हुई है। मामले में आठ आरोपियों पर मुकदमा विचाराधीन है।

चिकित्सक हत्याकांड में अन्तिम सुनवाई जारी

सुलतानपुर। चिकित्सक घनश्याम तिवारी हत्याकांड में न्यायाधीश संध्या चौधरी की कोर्ट में पक्षों का साक्ष्य पूरा होने के बाद मंगलवार को बहस शुरू हुई। बचाव पक्ष के अधिवक्ता अरविन्द सिंह राजा ने आरोपी के पक्ष में तर्क पेश किए। कोर्ट ने 13 फरवरी को शेष बहस के लिए फाइल नियत की है। शहर के शास्त्री नगर मोहल्ले में 23 सितंबर 2023 की शाम पीट पीट कर चिकित्सक की हत्या करने में मुख्य आरोपी अजय नारायण सिंह और उसके ड्राइवर दीपक सिंह पर सामान्य आशय से हत्या, आपराधिक षडयंत्र और दहशत फैलाने के आरोपों में मुकदमा विचाराधीन है।

विनोद हत्याकांड में अदालत ने आरोप तय किए

सुलतानपुर। पीपरपुर थाना क्षेत्र के टिकावर निवासी विनोद की प्रेम संबंधों में हुई हत्या के मामले में सेशन जज सुनील कुमार ने आरोपी सोनू नट और मृतक की पत्नी के विरुद्ध साजिशन हत्या के आरोप तय किए। कोर्ट ने टिकावर निवासी सोनू भारती उर्फ सोनू नट पुत्र रूपचन्द्र तथा विवेचना में प्रकाश में आई मृतक विनोद की पत्नी रामरती का विचारण प्रारम्भ करने का आदेश दिया है। मृतक के भाई सूरज कुमार की तहरीर पर 17 सितम्बर 2025 को दर्ज मुकदमे में आरोप है कि सोनू नट 16 सितंबर की रात विनोद को घर से बुलाकर ले गया। अगले दिन विनोद की लाश धम्मौर थाना क्षेत्र के जैतापुर नहर पुल के पास मिली थी। अगली सुनवाई 10 मार्च को होगी।

हत्या के प्रयास मामले में आरोपी की गिरफ्तारी पर रोक

सुलतानपुर। जयसिंहपुर थाना क्षेत्र के पटना हरिवंश निवासी मुलायम यादव पुत्र रमाशंकर की गिरफ्तारी पर सेशन जज सुनील कुमार ने रोक लगा दी है। आरोपी अधिवक्ता सन्तोष पाण्डेय ने याचिका पेश कर के अग्रिम जमानत की मांग की। बीते साल 31 दिसम्बर की शाम हुए हमले में अम्बेडकर नगर के भीटी थाना के पूरे दरबार दहेमा निवासी रवि सिंह को सिर और शरीर पर गम्भीर चोटें आई थीं। रवि की भाभी सुमिता सिंह ने अज्ञात पर मुकदमा दर्ज कराया था। चोटिल के बयान से आरोपी भोलानाथ यादव, सभाजीत और मुलायम का नाम सामने आया। साक्ष्यों और तर्कों के आधार पर कोर्ट ने अग्रिम जमानत याचिका मंजूर कर ली है।

मुख्यमंत्री इमर्जेंसी निधि से बदली जाएगी एलटी लाइन

चांदा-सुलतानपुर। विकास खण्ड-प्रतापपुर कमैचा के साढ़ापुर , भीटी, गोपालपुर, हंडिया सरपतहा, अमहा , बाभनपुर, मरछे , राजपुर गावो आधा दर्जन से ज्यादा ट्रांसफार्मर की क्षमता में वृद्धि सरायगोपाल गांव की मुस्लिम बस्ती, ब्राह्मण बस्ती एवं दलित बस्ती में एलटी लाइन को बदलने के साथ साथ केवल डालने की स्वीकृति मुख्यमंत्री इमर्जेंसी निधि मिल जाने से ग्रामीणों ने खुशी का इजहार किया। अखिल भारतीय किसान संघ, अयोध्या मंडल, के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष रामभजन के अनुरोध पर मुख्यमंत्री इमर्जेंसी निधि से एक करोड़ की धनराशि स्वीकृत किया गया है। शासन ने इस बाबत पत्र जारी कर दिया है। इसके पूर्व पतुलकी, सेमरी कला एवं खुर्द, मढ़ैया खरगीपुर, रामनगर जैसे दर्जनों गांवों में रामभजन के प्रयास पर ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि नए ट्रान्सफर की स्थापना कराई जा चुकी है। ट्रांसफार्मर की क्षमता वृद्धि से इलाकाई लोगों को जहां लो वोल्टेज की समस्या से निदान मिलेगा, वहीं ट्रांसफार्मर के बार-बार जल जाने से भी मुक्ति मिल सकेगी। सराय गोपाल के बृजेश यादव, गोपालपुर के राकेश यादव, रामनगर के पूर्वप्रमुख अखिलेश सिंह हंडिया के पंकज चौरसिया ने खुशी व्यक्त किया।

खड़ी बस में टकराई डीसीएम एक की मौत, कई घायल

पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर बस से सवारी उतारते समय हुआ हादसा

विश्ववार्ता संवाददाता

धनपतगंज-सुलतानपुर। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर माइलस्टोन 140.700 के पास बीती देर शाम भीषण सड़क हादसा हो गया, जिसमें एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई और कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।

लखनऊ से सवारियों को लेकर आजमगढ़ की ओर जा रही एक प्राइवेट बस लगभग 40 यात्रियों के साथ अचानक यात्रियों को उतारने/बैठाने के लिए ब्रेक मारकर रुक गई। पीछे से तेज रफ्तार में आ रही डीसीएम बस से टकरा गई। जोरदार टक्कर से डीसीएम सड़क पर पलट गई, जबकि बस क्षतिग्रस्त हो गयी।

हादसे में डीसीएम में सवार मोहम्मद अनीस (30), निवासी पुर बादली, थाना हैदरगढ़, जिला बाराबंकी की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घायलों में डीसीएम चालक इम्तियाज अहमद, मोहम्मद इसराइल और कंडक्टर मुदस्सिर गंभीर रूप से घायल हैं। बस में सवार शिवांगी मौर्य, रशीदा, साजिदा, लुकमान सहित अन्य यात्रियों को मामूली चोटें आईं।

सभी घायलों को तुरंत सरकारी एंबुलेंस से दोस्तपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। सूचना मिलते ही पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे। हादसे के बाद बस का चालक और कंडक्टर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने वाहनों को क्रेन से हटवाकर यातायात बहाल किया और मामले की गहन जांच शुरू कर दी है।

पशुशाला में लगी आग, 12 बकरियों की मौत

चार झुलसीं, लाखों की क्षति, आला अफसरों ने किया मौका मुआयना

जयसिंहपुर-सुलतानपुर। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में मंगलवार तड़के अज्ञात कारणों से पशुपालक की पशुशाला में भीषण आग लग गई। आग की चपेट में आने से अंदर बंधी 12 बकरियों की जलकर मौत हो गई, जबकि चार बकरियां गंभीर रूप से झुलस गईं। घटना में पशुपालक को करीब ढाई लाख रुपये का नुकसान बताया जा रहा है।

जयसिंहपुर कोतवाली क्षेत्र के मुइली चौबेपुर गांव निवासी सेतू शाह उर्फ वफाती पुत्र मो. शरीफ के घर के पास छप्परनुमा पशुशाला बनी हुई है। उनका परिवार दशकों से बकरी पालन कर आजीविका चलाता आ रहा है। प्रतिदिन की तरह सोमवार रात बकरियों को पशुशाला में बांधकर वह सोने चले गए। मंगलवार भोर में अचानक पशुशाला में आग लग गई। आग की लपटें देख ग्रामीणों ने शोर मचाया और मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक 12 बकरियों की झुलसकर मौत हो चुकी थी। वहीं चार बकरियां और उनके बच्चे गंभीर रूप से झुलस गए।

घटना की सूचना पशु चिकित्सक और हल्का लेखपाल को दी गई। सूचना पर पहुंचे पशु चिकित्सक राजेश वर्मा और विकास ने झुलसी बकरियों व उनके बच्चों का प्राथमिक उपचार किया। इस संबंध में तहसीलदार मयंक मिश्र ने बताया कि मौके पर लेखपाल को भेजा गया है। लेखपाल की रिपोर्ट और मृत बकरियों की पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर पीड़ित पशुपालक को अग्रिम सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी।

संदिग्ध हालात में राष्ट्रीय पक्षी की मौत

धनपतगंज-सुलतानपुर। धनपतगंज थाना क्षेत्र के पतुरजा पुल के निकट संदिग्ध परिस्थितियों में एक मोर का शव मिला है। राष्ट्रीय पक्षी होने के बावजूद वन विभाग को इसकी कोई जानकारी नहीं पहुंची थी। मोर का शव इतना क्षत-विक्षत था कि जंगली जानवर उसे नोच रहे थे। ग्रामीणों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर शव को सुरक्षित स्थान पर रखा और वन विभाग को सूचित करने की कोशिश की। ग्रामीणों ने बार-बार रेंजर बृजेश यादव को फोन किया, लेकिन उनका फोन नहीं उठा। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश और चिंता का विषय बन गया है। वन विभाग की लापरवाही से भी लोग नाराज हैं, क्योंकि मोर जैसे संरक्षित पक्षी की मौत पर तत्काल कार्रवाई जरूरी होती है। फिलहाल ग्रामीणों ने शव को सुरक्षित रखा है और अब विभाग से पोस्टमार्टम व जांच की मांग कर रहे हैं।

शिक्षकों ने किया प्रदर्शन, फूंका पुतला

टीईटी अनिवार्यता पर सरकार के दोहरे मापदंड का विरोध

विश्ववार्ता संवाददाता

सुलतानपुर। वर्ष 2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों की टीईटी अनिवार्यता के मामले में सरकार द्वारा शिक्षक संघ से हुई वार्ता और संसद में दिए गए उत्तर में विरोधाभास को लेकर शिक्षकों में भारी रोष व्याप्त है।

इसी क्रम में संघ के प्रांतीय नेतृत्व के निर्देश पर सरकार के दोहरे मापदंड के विरोध में सांकेतिक पुतला दहन कर विरोध ज्ञापन सौंपा गया। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की जनपद इकाई के जिलाध्यक्ष दिलीप कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में शिक्षक स्थानीय तिकोनिया पार्क में एकत्रित हुए और पुतला दहन कर अपना विरोध दर्ज कराया।

जिलाध्यक्ष दिलीप कुमार पाण्डेय ने कहा कि यदि आवश्यकता पड़ी तो यह लड़ाई जिले से लेकर दिल्ली तक लड़ी जाएगी और शिक्षकों के अधिकारों के लिए संघ हर स्तर पर संघर्ष करेगा। जिला मंत्री डॉ ह्रषिकेश भानु सिंह ने जनपद के आक्रोशित और क्षुब्ध शिक्षकों को विश्वास दिलाया कि उनके साथ किसी भी प्रकार का अन्याय नहीं होने दिया जाएगा।

इस अवसर पर जिला मंत्री डॉ. ह्रषिकेश भानु सिंह, निजाम खान प्रवक्ता,संयुक्त मंत्री प्रशांत पाण्डेय, वरिष्ठ उपाध्यक्ष वीरेंद्र नारायण मिश्र,जिला उपाध्यक्ष विनोद यादव,राम बहादुर मिश्रा, अंजनी कुमार शर्मा, डॉ रीतेश सिंह, हेमंत यादव, राज कुमार चौधरी, अरविंद कुमार पाण्डेय हिमांशु सिंह, चंद्र प्रकाश गुप्ता, हरिओम गुप्ता, संतोष कुमार सिंह, नीरज यादव,राज कुमार गुप्ता, डॉ प्रदीप मिश्रा, शिव नारायण वर्मा, प्रतिमा सिंह,अरुण कुमार शुक्ला सहित अन्य शिक्षक पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे।

संस्कारयुक्त शिक्षा से सशक्त होगा समाज का भविष्य

श्री अद्या शंकर मिश्र मेमोरियल व राजू पब्लिक इंटर कॉलेज का वार्षिकोत्सव

» मेधावी छात्र-छात्राओं का हुआ सम्मान, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां

विश्ववार्ता संवाददाता

जयसिंहपुर-सुलतानपुर। तहसील क्षेत्र के धूधू, अकोढ़ी स्थित श्री अद्या शंकर मिश्र मेमोरियल एवं राजू पब्लिक इंटर कॉलेज में मंगलवार को विद्यालय का 22वां वार्षिकोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि लोक अधिकार सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष, जयसिंहपुर ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ला तथा विशिष्ट अतिथि उपजिलाधिकारी प्रभात कुमार सिंह और रामबरन पीजी कॉलेज के प्रबंधक अजय सिंह ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर किया।

विद्यालय के प्रबंधक एवं पत्रकार नवनीत मिश्र ने अतिथियों का माल्यार्पण व बुके देकर स्वागत किया। इसके उपरांत छात्राओं ने सरस्वती वंदना और मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर कार्यक्रम को आकर्षक बना दिया। प्रमुख प्रतिनिधि प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ला रिंकू ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में विद्यालय की स्थापना करना अत्यंत पुनीत कार्य है। साथ ही बच्चों को संस्कारयुक्त और गुणवत्तापरक शिक्षा देना समाज के भविष्य को सशक्त करता है। उन्होंने विद्यालय के संस्थापक स्वर्गीय अद्या शंकर मिश्र की दूरदर्शिता और प्रबंधक नवनीत मिश्र के कुशल संचालन की सराहना की। प्रबंधक अजय सिंह ने बेटियों की शिक्षा पर विशेष जोर देते हुए समाज से शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग की अपील की। कार्यक्रम के दौरान मुख्य एवं विशिष्ट अतिथियों ने संयुक्त रूप से विद्यालय के मेधावी छात्र-छात्राओं को मेडल देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम को भाजपा नेता प्रदीप मिश्रा सरकार ने भी संबोधित किया। छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति गीत, नाटक और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। कार्यक्रम के समापन पर प्रबंधक नवनीत मिश्र ने सभी अतिथियों, अभिभावकों और सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर प्रधानाचार्य परमहंस पांडेय, रजनीश मिश्रा, पंच बहादुर वर्मा, प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष जयप्रकाश वर्मा, अजय पांडेय, विकास सोनी सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं और अभिभावक उपस्थित रहे।

विद्यालय में धोखाधड़ी की सुनवाई पर लगी रोक

सुलतानपुर। लंभुआ थाना क्षेत्र के हरिहर स्थित किसान प्राथमिक विद्यालय के पूर्व अध्यक्ष करुणा शंकर सिंह ने धोखाधड़ी की शिकायत डीएम और एसपी से की थी।

बीएसए की जांच में सामने आया कि किसान प्राथमिक विद्यालय हरिहरपुर का नाम पुतवाकर राममूर्ति चौरसिया ने माता बच्ची देवी के नाम संस्था का रजिस्ट्रेशन कराने व उस पर किसान जूनियर हाईस्कूल नाम लिखाने की कोशिश की जिस कारण वर्ष 2009 में मुकदमा दर्ज हुआ। पुलिस ने राम मूर्ति चौरसिया, राम बरन, अम्बिका, राम बहादुर वर्मा और राम मिलन और दो अन्य के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी। राम मूर्ति और तीन अन्य ने चार्जशीट और संज्ञान को हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए मुकदमा रद्द करने की मांग की है। न्यायिक मजिस्ट्रेट सत्येन्द्र मिश्र की कोर्ट में आरोपी राम बहादुर वर्मा ने सुनवाई पर रोक की जानकारी देते हुए कार्रवाई की मांग की जिस पर कोर्ट ने 10 मार्च तक सुनवाई स्थगित कर दी है।

हरियाणा को हराकर दिल्ली बनी विजेता

महाराणा प्रताप अंतर्जनपदीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता सम्पन्न

विश्ववार्ता संवाददाता

सुलतानपुर। लंभुआ तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत गरएं में आयोजित महाराणा प्रताप अंतर्जनपदीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का भव्य समापन हुआ। फाइनल मुकाबले में दिल्ली की टीम ने हरियाणा को सीधे सेटों में 25-14 और 25-23 अंकों से पराजित कर खिताब अपने नाम किया। प्रतियोगिता में हरियाणा, प्रयागराज, दिल्ली, गंगापुर जौनपुर, गोरखपुर और सिवान बिहार की टीमों ने प्रतिभाग किया। रोमांचक मुकाबलों के बीच फाइनल मैच दर्शकों के आकर्षण का केंद्र रहा,जिसमें दिल्ली की टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की।

समारोह में मुख्य अतिथि समाजसेवी एवं उद्योगपति विपिन सिंह ने कहा कि खेल खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि जीत-हार खेल का हिस्सा है, लेकिन हारने वाले खिलाड़ियों को निराश नहीं होना चाहिए। उन्होंने विजेता टीम दिल्ली को मुख्य अतिथि द्वारा ट्रॉफी और 51 हजार रुपये का चेक प्रदान कर सम्मानित किया गया,जबकि उपविजेता हरियाणा टीम को 25 हजार रुपये की पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर एमएलसी शैलेंद्र प्रताप सिंह, भाजपा नेता विकास वर्मा, रविंद्र सिंह, कृष्ण कुमार सिंह, देवी सिंह, आरिफ पठान, समर बहादुर सिंह, अनुराग सिंह, अजय सिंह, दिलीप सिंह, चित्रसेन सिंह, अतुल पाल सिंह, उमेश पांडे, रामू सिंह सहित बड़ी संख्या में खेलप्रेमी व ग्रामीण मौजूद रहे।

गबन के आरोपी ने किया आत्मसमर्पण, रिहा

सुलतानपुर। कोतवाली नगर थाना क्षेत्र के प्यारपट्टी में भूमि विक्रय की 22 लाख 75 हजार से धनराशि गबन और गाली गलौज करने के तीन साल पूर्व के मामले में आरोपी एहसान उल हक ने मंगलवार को मुख्य न्यायाधीश मजिस्ट्रेट नवनीत सिंह की कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया। अधिवक्ता शेख नजर अहमद ने आरोपी की याचिका पेश कर उसे अंतरिम जमानत देने की मांग की। कोर्ट ने याचिका मंजूर कर उसे 26 फरवरी तक जमानत पर रिहा कर दिया है जिस दिन नियमित जमानत पर सुनवाई के लिए आरोपी को फिर सरेंडर करना होगा।

श्रीमद्भागवत कथा में धूमधाम से मना कृष्ण जन्मोत्सव

गोसाईगंज-सुलतानपुर। गोसाईगंज थाना अंतर्गत उघड़पुर गांव में आयोजित संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन वृंदावन से पधारे कथावाचक बाल व्यास शिवराज पाण्डेय जी महाराज ने श्रीकृष्ण जन्म की पावन कथा का भावपूर्ण वर्णन किया। जैसे ही मध्यरात्रि जन्म प्रसंग का वर्णन हुआ, पूरा पंडाल "नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की" के जयकारों से गूंज उठा। श्रद्धालु झूम उठे और वातावरण भक्तिमय हो गया। मुख्य यजमान जगन्नाथ दुबे व उनकी पत्नी सावित्री देवी ने विधि-विधान से व्यास पीठ की आरती उतारी। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अंकित दुबे, जयप्रकाश दुबे, लालजी, पवन, आनंद प्रसाद दुबे सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

भारतीय सेना में लेफ्टीनेंट बने राजेश पाण्डेय

बल्दीराय - सुलतानपुर। तहसील के पूरे पंडित आचार्य (वडनपुर), धनपतगंज निवासी राजेश कुमार पाण्डेय ने भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट के पद पर पदोन्नति हासिल कर न केवल अपने परिवार को बल्कि पूरे जिले का मान बढ़ाया है। श्री पाण्डेय ने वर्ष 1996 में भारतीय सेना में भर्ती होकर देश उनकी इस सफलता से इलाके में खुशी और उत्साह का माहौल छा गया है। उनके पिता दशरथ प्रसाद पाण्डेय के पांच पुत्रों में राजेश सबसे छोटे हैं। वर्तमान में लेफ्टिनेंट राजेश कुमार पाण्डेय 165 फील्ड रेजीमेंट, 11 आर्टिलरी ब्रिगेड, गुजरात में तैनात हैं। उनकी इस उपलब्धि पर जनप्रतिनिधियों और शुभचिंतकों तक बधाइयों का सिलसिला जारी है।

श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं की कथा सुन मंत्रमुग्ध हुए श्रद्धालु

मोतिगरपुर-सुलतानपुर। गौरा गांव में चल रही संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा में कथा व्यास अयोध्या धाम के वेंकटेश्वर महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन कर भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने कहा कि जब मनुष्य का मन भगवान से जुड़ जाता है तो उसके भीतर का भय स्वतः समाप्त हो जाता है और जीवन में शांति का संचार होता है। कथा के दौरान महाराज ने कहा कि भगवान की लीलाएं केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि जीवन को सही दिशा देने वाली प्रेरणाएं हैं। संगीत की धुन पर भक्तिरस गीतो से शिव शंकर पांडेय ने साथियों संग मधुर भजन प्रस्तुत कर भाव विभोर किया। यजमान विजय त्रिपाठी ने सपत्नीक व्यास पीठ की आरती उतारी। कथा में पूर्व बार अध्यक्ष राम विशाल तिवारी, डॉ. अम्बरीष तिवारी, वरिष्ठ नेता लक्ष्मीकांत मिश्र, अपूर्व मंगलम तिवारी, गांधी तिवारी, पवन तिवारी, मधुर तिवारी, नीलेश सागर, विजय पाल मिश्र आदि रहे।

राष्ट्रीय पशु टीकाकरण अभियान का अपर निदेशक ने जाना हाल

सुलतानपुर। अयोध्या मंडल के अपर निदेशक (पशुपालन विभाग) डॉ. अरविंद कुमार वैश्य ने मंगलवार को जिले का दौरा कर खुरपका-मुंहपका रोग के खिलाफ चल रहे राष्ट्रीय पशु टीकाकरण अभियान की व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया। डॉ. वैश्य ने वैक्सीन की उपलब्धता, कोल्ड चेन व्यवस्था, टीकाकरण केंद्रों की तैयारी और कर्मचारियों की कार्यक्षमता की जांच की। निरीक्षण के दौरान डॉ. वैश्य ने अभियान की प्रगति पर संतोष जताया। उन्होंने मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी और टीम को हिदायत दी कि शत-प्रतिशत पशुओं का टीकाकरण सुनिश्चित कराएं।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति अभियान का औपचारिक शुभारंभ

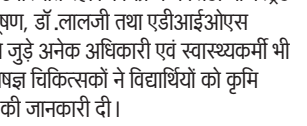

सुलतानपुर। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अवसर पर जनपद के शेम्फोर्ड फ्यूचरिस्टिक स्कूल में सोमवार को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति अभियान का औपचारिक शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम में सिटी मजिस्ट्रेट डॉ.रिदम आनंद, एसीएमओ डॉ.भारत भूषण, डॉ.लालजी तथा एडीआईओएस जटाशंकर के साथ ही चिकित्सा जगत से जुड़े अनेक अधिकारी एवं स्वास्थ्यकर्मी भी कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान विशेषज्ञ चिकित्सकों ने विद्यार्थियों को कृमि संक्रमण से होने वाली विभिन्न बीमारियों की जानकारी दी।

लक्ष्य किसान संवाद सम्मेलन में भाजपा सरकार की नीतियों का किया गुणगान

किसानों की समृद्धि से होकर जाता है विकसित भारत का रास्ता

विश्ववार्ता संवाददाता

चांदा-सुलतानपुर। केंद्र सरकार का वर्तमान बजट वर्ष 2047 के विकसित भारत के लक्ष्य को केंद्र में रखकर तैयार किया गया है, जिसका मूल उद्देश्य किसानों की आय दोगुनी करना है। विकसित भारत के निर्माण के लिए विकसित किसान का होना अनिवार्य है। यह बातें भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने स्थानीय कोथरा खुर्द मेला वाली बाग में आयोजित किसान संवाद सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में कही।

भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि भाजपा सरकार किसानों के हितों को प्राथमिकता दे रही है। केंद्र व प्रदेश सरकार किसानों की लागत घटाने, उत्पादन बढ़ाने और समर्थन मूल्य में वृद्धि कर उनकी आय बढ़ाने के लिए लगातार ठोस कदम उठाए जा रहे हैं, जिसका सीधा लाभ किसानों को मिल रहा है और इसके परिणाम अब धरातल पर दिखाई देने लगे हैं।

विशिष्ट अतिथि किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कामेश्वर सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार किसानों को बीज, खाद, सिंचाई, बीमा और तकनीकी सहायता जैसी सुविधाएं उपलब्ध करा रही है।

किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष अरुण जायसवाल ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि सरकार की किसान हितैषी योजनाओं को गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए पार्टी के कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर कार्य करना होगा।

कार्यक्रम में प्रदेश मंत्री श्रीमती मीना चौबे, ब्लॉक प्रमुख श्रीमती सुषमा जायसवाल, जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी, किसान मोर्चा काशी प्रांत अध्यक्ष काशीनाथ तिवारी सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, ग्राम प्रधान और किसान मौजूद रहे। सभा को प्रतापगढ़ के पूर्व जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश त्रिपाठी ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन विद्याधर तिवारी ने किया।

इस मौके पर घनश्याम चौहान, विजय नारायण तिवारी, अवनीश सिंह, गुड्डू, अमरदेव सिंह, प्रताप नारायण ओझा, मंडल अध्यक्ष मुकेश तिवारी, अमित त्यागी, गणपत वर्मा सहित अनेक लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में महिलाओं की भी उल्लेखनीय भागीदारी रही।

70 ली. अवैध शराब बरामद, 950 किग्रा लहन नष्ट

आबकारी विभाग की छापेमारी में दो अभियुक्त गिरफ्तार

विश्ववार्ता संवाददाता

सुलतानपुर। आबकारी विभाग ने अवैध शराब के खिलाफ सख्ती बरतते हुए विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया। जिसमें 70 लीटर अवैध कच्ची शराब और 950 किलोग्राम लहन जब्त की गयी है ।

आबकारी आयुक्त के आदेश पर चल रहे राज्यव्यापी अभियान के तहत जिलाधिकारी और उप आबकारी आयुक्त अयोध्या प्रभार के निर्देशानुसार रण विजय सिंह, आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-1 ने अपनी टीम के साथ चुनहा इलाके में छापेमारी की। टीम में आबकारी निरीक्षक साकेत राय, अंकित शर्मा, राजीव शुक्ला, ओमवीर और इरफान शामिल रहे। आबकारी निरीक्षक रण विजय सिंह ने बताया कि ग्राम चुनहा और ग्राम तिवारी का पुरवा में दबिश दी गई, जहां मौके पर 04 अभियोग दर्ज किए गए। 70 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद होने के साथ ही 950 किलोग्राम लहन को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। 02 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर कार्रवाई की जा रही है।

इसके अलावा टीम ने क्षेत्र की लाइसेंस प्राप्त आबकारी दुकानों का भी गहन निरीक्षण किया। दुकानों पर संचित स्टॉक का भौतिक सत्यापन किया गया और गुप्त रूप से टेस्ट परचेज कराकर गुणवत्ता व नियमों का पालन जांचा। आरओ प्लांट, कबाड़ियों की दुकानें और ईंट भट्ठों की भी सघन चेकिंग की गई।

बच्चों के गायब होने के पीछे कोई नेटवर्क तो नहीं

सर्वोच्च न्यायालय ने केन्द्र सरकार से पता लगाने को कहा

विश्ववार्ता ब्यूरो

नयी दिल्ली। बच्चों के लापता होने की खबरों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा है कि वह पता करे कि इसके पीछे कोई देशव्यापी नेटवर्क तो नहीं है। अदालत ने कहा कि आप देखें कि क्या पूरे देश में ऐसा कोई नेटवर्क है या फिर किसी राज्य में ही स्टेट लेवल पर ऐसा चल रहा है। बीते कुछ दिनों में बच्चों के गायब होने की खबरें काफी ज्यादा देखी गई थीं। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां ने कहा कि यह पता लगाने की जरूरत है कि ऐसी घटनाओं के पीछे कोई एक ही पैटर्न है या फिर ऐसी घटनाओं में आपस में कोई संबंध नहीं है। अदालत ने केंद्र सरकार से कहा कि वह ऐसी घटनाओं का सभी राज्यों से ब्योरा जुटाए।

इस दौरान केंद्र सरकार की ओर से

अडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्य भाटी मौजूद थीं। उन्होंने कहा कि कुछ राज्यों की ओर से बच्चों के लापता होने का डेटा दिया गया है। ऐसे मामलों में चल रहे मुकदमों का स्टेटस भी मिला है, लेकिन अब भी करीब एक दर्जन ऐसे राज्य हैं, जहां से जानकारी नहीं मिल पाई है। ऐश्वर्या ने कहा कि केंद्र सरकार को पूरा डेटा मिलने के बाद ही उसका विश्लेषण किया जा सकता है। इस पर बेंच ने भाटी से कहा, "हम यह जानना चाहते हैं कि इसके पीछे कोई राष्ट्रव्यापी नेटवर्क है या फिर राज्य स्तर पर ही ऐसा कुछ हो रहा है। यह कोई पैटर्न है या फिर इन घटनाओं में कोई आपसी ताल्लुक नहीं है।'

बेंच ने सरकार को यह सुझाव भी दिया कि जिन लोगों को किडनैपिंग से बचाया गया है, उनके इंटरव्यू करने चाहिए। इससे कुछ अंदाजा लग सकेगा कि आखिर ऐसी घटनाओं को कौन अंजाम दे रहा है। इसके अलावा बेंच ने ऐसे राज्यों के रवैये पर भी आपत्ति जताई, जिन्होंने डेटा नहीं दिया है। उन्होंने कहा कि जरूरी हुआ तो हम इस मामले में कोई सख्त आदेश भी जारी करेंगे। इस पर केंद्र सरकार की ओर से कहा गया कि हमने प्रयास शुरू कर दिए हैं। सभी राज्यों से डेटा की डिमांड की गई है। दरअसल इस मामले में एक एनजीओ की ओर से याचिका दाखिल की गई थी, जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने यह आदेश दिया है।

दरअसल अदालत ने 9 दिसंबर को ही केंद्र सरकार को आदेश दिया था कि वह बीते 6 सालों का डेटा जुटाए। इससे पता चल सकेगा कि कितने बच्चे कहां से कब किडनैप हुए हैं। होम मिनिस्ट्री को उसने आदेश दिया था कि देश भर का डेटा कंपाइल किया जाए। इसके अलावा अदालत का यह भी कहना था कि पूरे डेटा को महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की वेबसाइट पर अपलोड किया जाए। दरअसल बीते साल 18 नवंबर को एक रिपोर्ट आई थी। इसमें कहा गया था कि हर 8 मिनट पर देश में एक बच्चा गायब हो जाता है और यह गंभीर मसला है। इस पर अदालत ने कहा था कि इस मामले की जटिलता को देखते हुए सरकार डेटा जुटाए और फिर सही मेकेनिज्म तैयार किया जाए ताकि ऐसे मामलों से अच्छे से निपटा जा सके।

हिमंता शूटिंग वीडियो विवाद की सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

सीजेआई बोले- चुनाव आते ही कोर्ट भी बन जाता है राजनीति का

विश्ववार्ता ब्यूरो

नयी दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के विवादित वीडियो को लेकर सीपीआई (एम) और सीपीआई के नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमति जताई है।

वीडियो में मुख्यमंत्री मुस्लिम लोगों की ओर राइफल ताने हुए दिखाई दे रहे थे। इस वीडियो के आधार पर वामपंथी नेताओं ने मुख्यमंत्री के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। सीनियर वकील निजाम पाशा ने मंगलवार को यह मामला चीफ जस्टिस सूर्यकांत के सामने मेंशन किया। उन्होंने कहा कि असम के मौजूदा मुख्यमंत्री के भाषणों और हाल मंर सामने आए वीडियो को लेकर सुप्रीम कोर्ट के तत्काल हस्तक्षेप की जरूरत है।

निजाम पाशा ने यह भी बताया कि इस मामले में संबंधित अधिकारियों को

शिकायतें दी गई हैं, लेकिन अब तक किसी भी शिकायत पर एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। जस्टिस सूर्यकांत ने यह भी कहा कि कोर्ट इस याचिका पर सुनवाई के लिए तारीख तय करेगा। याचिका में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है।

दरअसल, 8 जनवरी को कांग्रेस ने दावा किया कि असम बीजेपी के एक्स हैंडल से एक वीडियो पोस्ट किया गया जिसमें असम सीएम हिमंत बिस्वा सरमा मुसलमानों को गोली मारते दिख रहे हैं। कांग्रेस ने कहा कि ये वीडियो अल्पसंख्यकों की टारगेटेड पॉइंट-ब्लैंक हत्या को बढ़ावा देने जैसा है। कांग्रेस का दावा है कि वीडियो डिलीट कर दिया गया है।

कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत के एक्स हैंडल पर दिख रहे वीडियो में नजर आ रहा है कि असम मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा कथित तौर पर एक राइफल से निशाना साधते और दो लोगों पर गोली चलाते हुए दिख रहे थे। निशाने में दिख रही तस्वीर में एक ने टोपी पहनी थी और दूसरे की दाढ़ी थी। इसका कैप्शन पॉइंट-ब्लैंक शॉट था।

श्रीनेत के शेयर किए गए वीडियो में असम की भारतीय जनता पार्टी का एक्स अकाउंट नजर आ रहा है। कांग्रेस प्रवक्ता ने लिखा- यही है असली बीजेपीः सामूहिक हत्यारे। यह जहर, नफरत और हिंसा आप पर है, मिस्टर मोदी। उन्होंने पूछा कि क्या अदालतें और अन्य संस्थाएं सो रही हैं?

एक नजर

बाबा सिद्दीकी मर्डर केस में 27 पर चार्ज तय

मुम्बई। मुंबई की मकोका स्पेशल कोर्ट ने महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में 27 आरोपियों पर चार्ज तय कर दिए हैं। सभी आरोपियों ने खुद को बेगुनाह बताया है। कोर्ट ने मकोका, बीएनएस, आर्म्स एक्ट और महाराष्ट्र पुलिस एक्ट की धाराओं में आरोप लगाए हैं। कोर्ट ने बताया कि चार्ज तय करना ट्रायल का पहला चरण होता है, जिसमें सबूतों के आधार पर आरोपों को औपचारिक रूप दिया जाता है। इस मामले में सभी आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट पहले ही दाखिल की जा चुकी है। बाबा सिद्दीकी की 12 अक्टूबर 2024 को मुंबई के बांद्रा ईस्ट में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस के मुताबिक जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस का भाई अनमोल इस केस में फरार है और उसी पर हत्या की साजिश रचने का आरोप है।

अंडरवियर में छिपाकर लाया था लाखों का सोना

अहमदाबाद। कस्टम विभाग ने अहमदाबाद एयरपोर्ट पर दुबई के एक शख्स को 96 लाख रुपए के सोने के साथ पकड़ा है। इस शख्स ने अपने अंडरवियर में 45 लाख का सोना छिपा रखा था। जांच के दौरान व्यक्ति के पास से 24 कैरेट शुद्धता की दो पूरी सोने की छड़ें और एक कटी हुई छड़ भी मिली। ये छड़े उनकी अपनी जेब में रखे पर्स में छिपा रखी थीं। जब्त किए गए 325 ग्राम सोने की अनुमानित बाजार कीमत करीब 52 लाख रुपए आंकी गई है। शख्स की संदिग्ध हरकतों के आधार पर कस्टम विभाग ने इस अनोखे तरीके का पर्दाफाश किया। अधिकारियों ने सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। यह पता लगाने के लिए आगे की जांच शुरू कर दी गई है कि यह सोना किसे पहुंचाना था और क्या इस मामले में कोई अन्य व्यक्ति भी शामिल है।

भूपेश बघेल, गौरव गोगोई समेत तीन पर मानहानि केस

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कांग्रेस नेताओं के आरोपों को झूठा और गलत बताते हुए कहा कि उनके खिलाफ जानबूझकर गलत बातें फैलाई जा रही हैं। इसी को लेकर सीएम सरमा ने कांग्रेस नेताओं जितेंद्र सिंह, भूपेश बघेल और गौरव गोगोई के खिलाफ 500 करोड़ रुपए का मानहानि का केस किया है। 4 फरवरी को असम कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई ने दावा किया था कि मुख्यमंत्री और उनके परिवार ने राज्य में करीब 12 हजार बीघा जमीन पर कब्जा किया है। इसके बाद अन्य कांग्रेस नेताओं ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर ये आरोप लगाए। गोगोई ने सरमा पर मुसलमानों के खिलाफ भड़काऊ बयान देने का भी आरोप लगाया था।

सुनेत्रा पवार डिप्टी सीएम की कुर्सी संभाली

मुम्बई। महाराष्ट्र की डिप्टी सीएम सुनेत्रा पवार ने आज उपमुख्यमंत्री का पदभार संभाला। पदभार संभालने से पहले वह एनसीपी नेताओं प्रफुल्ल पटेल, सुनील तटकरे और अन्य साथियों के साथ सिद्धिविनायक मंदिर और दादर चैत्यभूमि पहुंची। सुनेत्रा पवार ने 31 जनवरी को उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। 28 जनवरी को पुणे के बारामती में डिप्टी सीएम अजित पवार का विमान दुर्घटना में निधन हो गया था। इसके बाद यह पद उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार को दिया गया। कुर्सी पर बैठने से पहले सुनेत्रा ने अजित की कुर्सी को सिर झुकाकर प्रणाम किया।

अरुणाचल के पश्चिम कामेंग में भूकंप

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम कामेंग जिला में सोमवार रात 12.58 बजे 3.1 तीव्रता का भूकंप आया। अधिकारियों ने बताया कि भूकंप का केंद्र जमीन में 10 किलोमीटर नीचे था। भूकंप से किसी तरह से जान–माल के नुकसान की खबर नहीं है।

घूसखोर पंडत का बदलेगा टाइटल

नयी दिल्ली। मनोज कुमार की मूवी घूसखोर पंडत की टाइटल पर बवाल कटने के बाद अब नया अपडेट आया है। दरअसल टीजर आने के बाद इस नेटफ्लिक्स मूवी पर कई लोग भड़क गए। इतना कि इसका प्रमोशनल कॉन्टेंट तक करना पड़ा था। ब्राह्मण कम्युनिटी की आपत्ति थी कि उनकी जाति की छवि खराब हो रही है। लोग फिल्म बैन करने की मांग कर रहे हैं। इस बीच नीरज पांडेय के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में बदलाव की खबर है। फिल्म घूसखोर पंडत की टाइटल कॉन्ट्रोवर्सी ने इतना तूल पकड़ा इस पर कई जगह एफआईआर की गईं। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में पॉलिटिकल पार्टीज में नाराजगी थी। बैन की मांगों के बीच मामला दिल्ली हाई कोर्ट तक पहुंच गया था। अब लेटेस्ट रिपोर्ट यह है कि घूसखोर पंडत के मेकर्स ने दिल्ली हाई कोर्ट को सूचित किया है कि वे मूवी का टाइटल बदल देंगे। नेटफ्लिक्स ने सफाई दी है कि वे किसी की भावना को ठेस नहीं पहुंचाना चाहते थे। मूवी के नए टाइटल की घोषणा जल्द करेंगे।

जज के सामने फूट-फूटकर रोये पप्पू यादव

पटना। पूर्णिया के निर्दलीय सांसद पप्पू यादव को मंगलवार को एमपी–एमएलए कोर्ट से 31 साल पुराने मामले में जमानत मिल गई। हालांकि, वे फिलहाल जेल में ही रहेंगे। बताया जा रहा है कि कोतवाली थाना और बुद्धा कॉलोनी थाना से जुड़े मामलों में पप्पू यादव को अभी जमानत नहीं मिली है। इन मामलों में बुधवार को सुनवाई होगी। तब तक पप्पू यादव पटना के बेऊर जेल में ही रहेंगे। सुनवाई के दौरान पप्पू यादव ने जज के सामने पटना पुलिस पर दुर्व्यवहार का आरोप लगाया। अपनी बात रखते समय वे भावुक हो गए और फूट–फूटकर रोने लगे। पप्पू यादव ने दावा किया कि बेऊर जेल के अंदर उन्हें किसी तरह का इंजेक्शन देकर जान से मारने की साजिश रची जा रही है। सांसद ने जज से गुहार लगाते हुए कहा कि उन्हें पटना पुलिस पर भरोसा नहीं है।

अमृतपाल सिंह मेहरों भगोड़ा घोषित

चंडीगढ़। पंजाब की सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर रहीं कंचन कुमारी उर्फ कमल कौर भाभी की हत्या के मामले में बठिंडा कोर्ट ने सिख कट्टरपंथी नेता अमृतपाल सिंह मेहरों को भगोड़ा घोषित कर दिया है। बार–बार समन जारी होने के बावजूद वह अदालत में पेश नहीं हुआ, जिसके चलते यह कार्रवाई की गई है। भगोड़ा घोषित किए जाने से इंटरपोल के जरिए रेड कार्नर नोटिस जारी करवाने में पुलिस को मदद मिल सकेगी। बठिंडा कैंट थाने के एसएचओ दलजीत ढिल्लों ने बताया कि उन्हें अदालत का आदेश प्राप्त हो गया है। अमृतपाल सिंह मेहरों के यूएई में छिपे होने की जानकारी है। पंजाब सरकार केंद्रीय एजेंसियों के साथ समन्वय कर रही है, ताकि इंटरपोल की मदद से उसे भारत प्रत्यर्पित करवाया जा सके। इंटरपोल को सभी जरूरी विवरण भेजे जा चुके हैं और आधिकारिक जवाब का इंतजार है। मेहरों इस हत्याकांड का मास्टरमाइंड है।

प्रदेश ने खोये जमीन से जुड़े जनजातीय समाज के नेता

सीएम ने विधानसभा के दिवंगत सदस्यों को अर्पित की श्रद्धांजलि

विश्ववार्ता ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश विधानमंडल के बजट सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को दिवंगत विधायकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने शोक जताते हुए सदन में कहा कि वर्तमान विधानसभा के सदस्य प्रोफेसर श्याम बिहारी लाल का निधन 2 जनवरी 2026 को 60 वर्ष की आयु में हो गया। वह दूसरी बार विधानसभा के लिए निर्वाचित हुए थे और फरीदपुर (बरेली) से भारतीय जनता पार्टी के विधायक थे। प्रोफेसर श्याम बिहारी लाल मिलनसार और जमीन से जुड़े जनप्रतिनिधि थे। शिक्षा जगत से उनका गहरा जुड़ाव रहा। वह इतिहास संकलन समिति, बरेली के अध्यक्ष तथा जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली की कार्यसमिति के सदस्य भी रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रोफेसर श्याम बिहारी लाल ने अपने निर्वाचन क्षेत्र में बुनियादी विकास कार्यों को गति दी और पिछड़े, वंचित व गरीब वर्ग के कल्याण के लिए निरंतर काम किया। शिक्षा जगत से जुड़े विद्वान जब जनप्रतिनिधि बनते हैं तो वह लोकतांत्रिक परंपराओं को सशक्त करते हैं। उनके निधन से प्रदेश और भारतीय जनता पार्टी को अपूर्णनीय क्षति हुई है।

मुख्यमंत्री ने वर्तमान विधानसभा के वरिष्ठ सदस्य विजय सिंह गौड़ के निधन पर भी शोक व्यक्त किया। उन्होंने सदन को बताया कि समाजवादी पार्टी से विधायक विजय सिंह का निधन 8 जनवरी 2026 को 71 वर्ष की आयु में हो गया था। वह आठवीं बार विधानसभा सदस्य निर्वाचित हुए थे। वर्ष 1980 से उनका राजनीतिक सफर शुरू हुआ था। उन्होंने सर्वप्रथम वर्ष 1980, फिर 1985, 1989, 1991, 1993, 1996, 2002 में चुनाव जीता था। वर्ष 2024 के उप चुनाव में वह दुद्धी विधानसभा से निर्वाचित हुए थे। वह जनजातीय समाज की सशक्त आवाज के रूप में जाने जाते थे।

सीएम योगी ने कहा कि विजय सिंह गौड़ ने जल, जंगल, जमीन के अधिकारों के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और रोजगार जैसे बुनियादी मुद्दों को सदैव प्राथमिकता दी। उनके निधन से न केवल जनजातीय समाज, बल्कि पूरे प्रदेश ने संघर्षशील समाजसेवी और अनुभवी राजनेता को खो दिया है। मुख्यमंत्री ने दोनों दिवंगत सदस्यों के प्रति श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए ईश्वर से शोकाकुल परिजनों को संबल देने की प्रार्थना की।

भाजपा कर रही है भेदभाव की राजनीति : अखिलेश

अमेरिका से डील किसानों के हित में नहीं

विश्ववार्ता ब्यूरो

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा भेदभाव की राजनीति करती है, भाजपा न्याय दिलाने में भी भेदभाव करती है। संसद परिसर में मंगलवार को पत्रकारों से बात करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार की नीतियों से किसानों और खेती को खतरा है। उन्होंने कहा कि जब सब कुछ विदेश से आएगा तो हमारे किसान की उपज का क्या होगा? क्या हमारा किसान अपनी फसल की सही कीमत पाएगा?

श्री यादव ने कहा कि अमेरिका के साथ डील से खेती और किसानी को नुकसान है। भाजपा हमेशा किसानों के खिलाफ रहती है। भाजपा सरकार ने पहले तीन काले कानून लाकर किसानों को परेशान किया। अब देश का पूरा बाजार विदेशियों के हाथों में सौंप दिया।

अखिलेश यादव ने कहा कि जब सब कुछ विदेश से आएगा तो किसान क्या उगाएगा?क्या बेच पाएगा? क्या कमाएगा?, कैसे अपना घर बनाएगा-चलाएगा? कैसे बच्चों को पढ़ाएगा? कैसे घर के बुजुर्गों का इलाज करवाएगा? कैसे बेटियों को हँसी-ख़ुशी विदा कर पाएगा? कैसे अपने भविष्य के लिए दो पैसे जमा कर पाएगा? मतलब आज क्या खाएगा, कल के लिए क्या बचा पाएगा?

अखिलेश यादव ने कहा कि किसानों को नुक़सान पहुँचाकर, हमारे देश में कोई भी सरकार नहीं चल सकती है। किसान और किसानी विरोधी भाजपा सरकार स्पष्ट करे कि विदेशियों के

मोदी का प्लेन असम में उतर सकता है हाईवे पर

यहां पूर्वोत्तर की पहली इमरजेंसी एयरस्ट्रिप बनी

विश्ववार्ता ब्यूरो

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 14 फरवरी को असम के मोरान में हाईवे पर बनी इमरजेंसी एयरसट्रिप पर उतर सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यदि ऐसा होता है तो यह पूर्वोत्तर भारत में पहली बार होगा जब किसी पीएम का प्लेन पारंपरिक एयरपोर्ट की बजाय हाईवे पर लैंड करेगा। यह एयरसट्रिप नेशनल हाईवे 127 के डिब्रूगढ़-मोरान हिस्से पर बनाई गई है।

पीएम की मौजूदगी में राफेल और सुखोई लड़ाकू विमान एक स्पेशल एरियल डेमो करेंगे। इसमें विमान हाईवे से ही लैंडिंग और टेकऑफ दिखाएंगे। डेमो करीब 30-40 मिनट का होगा।

असम मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने उम्मीद जताई कि पीएम मोदी फाइटर एयरक्राफ्ट में मोरन हाईवे पर उतरेंगे। मुख्य सचिव रवि कोटा ने कहा कि 14 फरवरी को प्रधानमंत्री 4.4 किमी के एयरसट्रिप के उद्घाटन के लिए मोरन आएंगे। यह कार्यक्रम भारत की आपदा तैयारी, पूर्वोत्तर विकास और राष्ट्रीय सुरक्षा को दर्शाएगा। पीएम की यात्रा सिविल-मिलिट्री दोहरे उपयोग वाले इंफ्रास्ट्रक्चर और डेमो एयरसट्रिप की क्षमता पर फोकस करेगी। राफेल और सुखोई भारतीय वायुसेना के प्रमुख लड़ाकू विमान हैं।

मोरान एयरसट्रिप एनएच-127 के 4.4 किलोमीटर लंबे हिस्से पर बनाई गई है। यह भारत की पहली इमरजेंसी लैंडिंग

फैसिलिटी है, जो सेना और सिविल विमानों दोनों के लिए इस्तेमाल की जा सकती है। ईएलएफ का मतलब है कि युद्ध या आपात स्थिति में विमान हाईवे पर उतर या उड़ान भर सकते हैं।

इससे सड़क का दोहरा फायदा होता है। रोजमर्रा की ट्रैफिक के साथ-साथ सैन्य जरूरतों के लिए। यह एयरसट्रिप पूर्वोत्तर की रणनीतिक महत्व को बढ़ाती है, क्योंकि यह क्षेत्र चीन की सीमा से सटा है। सरकार ने राजस्थान, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु और अन्य जगहों पर भी ईएलएफ बनाए हैं। मोरान ईएलएफ पूर्वोत्तर को मजबूत बनाने का हिस्सा है, जहां इंफ्रास्ट्रक्चर विकास पर जोर है। सरकार ने ऐसे कई ईएलएफ पूरे देश में विकसित किए हैं, लेकिन मोरान पूर्वोत्तर का पहला है।

भारत में ईएलएफ का विचार इमरजेंसी हालात के लिए है। युद्ध में अगर एयरपोर्ट क्षतिग्रस्त हो जाएं तो हाईवे विकल्प बन सकते हैं। बाढ़ या प्राकृतिक आपदा में राहत सामग्री पहुंचाने के लिए। पूर्वोत्तर जैसे दूर दराज क्षेत्रों में यह सुरक्षा बढ़ाता है। यह यात्रा पूर्वोत्तर की रणनीतिक अहमियत पर संदेश देगी।

बॉलीवुड अभिनेता रणवीर को धमकी भरा मैसेज

मुम्बई। मुंबई से एक बड़ी खबर सामने आयी है। रोहित शेट्टी के घर पर फायरिंग के बाद अब बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह से रंगदारी की मांग की गई है। बताया जा रहा है कि रणवीर सिंह के व्हाट्सएप पर एक वॉइस नोट मिला है, जिसमें उनसे करोड़ों रुपये की फिरौती की मांग की गई है।

वहीं, धमकी भरा मैसेज आते ही रणवीर सिंह से ने मुंबई पुलिस को जानकारी दी। धमकी वाले मैसेज की जानकारी मिलते ही पुलिस मामले की जांच तेज कर दी है और अभिनेता के घर के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी है। फिलहाल पुलिस यह पता करने में जुटी है कि धमकी भरा मैसेज किसने भेजा है।

गौरतलब है कि फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी के आवास के बाहर हाल ही में हुई गोलीबारी की घटना बॉलीवुड की किसी हस्ती के लिए सुरक्षा खतरे का सामना करने का पहला मामला नहीं है। रविवार की तड़के मुंबई के जुहू इलाके में स्थित रोहित शेट्टी के घर के बाहर गोलीबारी हुई, जिसकी जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गिरोह ने ली है। पुणे पुलिस ने इस मामले में पांच लोगों को हिरासत में लिया है।

शुरुआती जांच के बाद पुलिस ने पुष्टि की है कि हिरासत में लिए गए लोग कथित रूप से लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़े हुए हैं। पुलिस के अनुसार, हमलावरों ने मुंबई के जुहू क्षेत्र में स्थित नौ मंजिला इमारत की पहली मंजिल पर रात करीब 12:45 बजे गोलीबारी की। कम से कम पांच गोलियां चलाई गईं, जिनमें से एक गोली इमारत के अंदर स्थित जिम के कांच के सामने वाले हिस्से पर लगी।

मणिपुर के उखरुल में पांच दिन के लिए इंटरनेट बंद

उपद्रवियों ने 25 घर और चार सरकारी क्वार्टर फूंके, कर्फ्यू लागू

एजेंसी

इम्फाल। मणिपुर में नयी सरकार बनने के एक हफ्ते के भीतर ही हिंसा भड़क गई। उपद्रवियों ने उखरुल जिले के लितान सरेइखोंग गांव में 25 घर और चार सरकारी क्वार्टर में आग लगा दी। हिंसा के बाद पूरे जिले में कर्फ्यू लागू कर दिया गया। 10 फरवरी की सुबह 11:30 बजे से अगले पांच दिनों के लिए इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई हैं। तांगखुल और कुकी जनजातियों के बीच हिंसक झड़प के बाद इलाके में सिक्योरिटी फोर्स मौजूद हैं।

हिंसा की शुरुआत 7 फरवरी की शाम लितान सरेइखोंग में हुए एक शराब के नशे में झगड़े से हुई थी, जिसमें तांगखुल नागा समुदाय के स्टर्लिंग नाम के व्यक्ति के साथ मारपीट हुई थी। उखरुल जिले के लितान इलाके के आसपास गांवों में उपद्रवियों ने कई घरों में आग लगा दी। पुलिस ने बताया कि हिंसा के दौरान राइफल से गोलियां भी चलाई गईं। इलाके में दहशत फैलने के बाद कर्फ्यू लागू किया गया। स्थिति फिलहाल तनावपूर्ण

है, लेकिन भारी सुरक्षा तैनाती के चलते काफी हद तक कंट्रोल में है। तनाव बढ़ने की आशंका के बीच लोगों ने बिना किसी प्रशासनिक मदद के अपने स्तर पर ही घर छोड़ना शुरू कर दिया है। अधिकारियों ने बताया कि लितान थाना पुलिस ने लोगों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित की और कानून-व्यवस्था बनाए रखी है।

हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में बीएसएफ, सीआरपीएफ और असम राइफल्स के जवानों को तैनात किया गया है, जबकि अतिरिक्त सुरक्षा बल भी भेजे गए हैं।

इंफाल से करीब 35 किलोमीटर दूर स्थित लितान एक छोटा व्यावसायिक कस्बा है, जहां तांगखुल नागा और कुकी दोनों समुदाय रहते हैं। यह आसपास के गांवों के लिए व्यापारिक केंद्र के रूप में काम करता है। सुरक्षा और समन्वय के लिए लितान पुलिस स्टेशन में जॉइंट कंट्रोल रूम बनाया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर कैंप कर रहे हैं और हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है। पुलिस ने बताया कि पिछले 24 घंटों में पूरे राज्य में कानून-व्यवस्था सामान्य रही। संवेदनशील और सीमावर्ती इलाकों में सर्च ऑपरेशन और एरिया डॉमिनेशन जारी हैं। राज्य के अलग-अलग हिस्सों में 115 नाके और चेकपोस्ट लगाए गए हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग-37 पर जरूरी सामान लदे 306 वाहनों को सुरक्षा काफिले के साथ सुरक्षित पहुंचाया गया।

सलमान खान भारतीय नागरिक नहीं है क्या : शिंदे

मुम्बई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने एक्टर सलमान खान के आरएसएस के कार्यक्रम में शामिल होने पर उठे विवाद का बचाव किया। उन्होंने कहा कि सलमान खान आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के कार्यक्रम में गए या नहीं गए, यह किस तरह का सवाल है? सलमान खान भारतीय नागरिक नहीं है क्या? वह है। शिदें ने कहा, 'सलमान खान एक भारतीय नागरिक हैं। वे घर में भगवान गणेश की स्थापना करते हैं। हमारी संस्कृति का सम्मान करते हैं और उनका परिवार भी ऐसा ही करता है।' एकनाथ शिंदे ने आगे कहा कि मोहन भागवत के कार्यक्रम में सलमान खान की उपस्थिति में कुछ भी गलत नहीं है। यह पूरी तरह उचित है। उन्होंने कहा, 'वे मुंबई के निवासी हैं। इसलिए उनके मुंबई में आयोजित किसी कार्यक्रम में शामिल होने को राजनीतिक रंग नहीं देना चाहिए।' यह टिप्पणी आरएसएस के शताब्दी समारोह से जुड़े हालिया कार्यक्रम के बाद राजनीतिक बहस के बीच आई है। सलमान खान शनिवार को मुंबई में आरएसएस के शताब्दी समारोह के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में प्रमुख मोहन भागवत के भाषण में पूरी तरह से तल्लीन दिखे। सलमान के साथ फिल्मकार सुभाष घई और गीतकार, कवि व लेखक प्रसून जोशी भी थे।

जनरल नरवणे ने तोड़ी चुप्पी, कहा- पुस्तक अभी प्रकाशित नहीं हुई

राहुल गांधी ने कहा था– या तो जनरल नरवणे झूठ बोल रहे हैं या फिर पेंगुइन

विश्ववार्ता ब्यूरो

नयी दिल्ली। पूर्व सेना प्रमुख जनरल एम एम नरवणे की आत्मकथा 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' को लेकर जारी राजनीतिक विवाद और प्रकाशक की तरफ से 24 घंटे के अंदर दो बार आए स्पष्टीकरण के बाद जनरल नरवणे ने भी अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पेंगुइन का एक नोट साझा करते हुए लिखा है, "किताब की यही स्थिति है।" एक तरह से जनरल नरवणे ने प्रकाशक पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया का बयान सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर साझा करते हुए स्पष्ट किया है कि उनकी आत्मकथा अब तक प्रकाशित नहीं हुई है और पुस्तक की कोई भी अधिकृत प्रति सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं है।

पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया ने कल एक वक्तव्य जारी कर स्थिति पर सफाई पेश की थी, जिसमें कहा गया था कि उसके पास जनरल नरवणे के संस्मरण 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' के एक्सक्लूसिव पब्लिशिंग राइट्स हैं, और किताब अभी तक किसी भी रूप में पब्लिश नहीं हुई है। पेंगुइन ने बयान में लिखा था कि यह पुस्तक अब तक न तो मुद्रित रूप में, न डिजिटल स्वरूप में प्रकाशित, वितरित या बिक्री के लिए उपलब्ध कराई गई है। प्रकाशक ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि यदि पुस्तक की कोई भी प्रति—चाहे पूर्ण हो या आंशिक, और किसी भी प्रारूप या मंच पर—प्रचलन में पाई जाती है, तो वह सीधे तौर पर कॉपीराइट उल्लंघन के दायरे में आएगी। पेंगुइन ने यह भी चेतावनी दी कि इस तरह के किसी भी अवैध या अनधिकृत प्रसार के खिलाफ कानून के तहत उपलब्ध सभी उपाय अपनाए जाएंगे।

पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया ने 24 घंटे के

अंदर मंगलवार को इस मामले में दूसरी बार सफाई पेश की और साफ शब्दों में कहा है कि किसी पुस्तक को तब तक 'प्रकाशित' नहीं माना जा सकता, जब तक वह सभी खुदरा माध्यमों पर बिक्री के लिए उपलब्ध न हो। मंगलवार को जारी अपने नए स्पष्टीकरण में पेंगुइन ने कहा कि घोषित शीर्षक, प्री-ऑर्डर लिस्टिंग और वास्तविक प्रकाशन- ये तीन अलग-अलग चरण होते हैं। केवल प्री-ऑर्डर लिंक उपलब्ध होने का अर्थ यह नहीं है कि पुस्तक प्रकाशित हो चुकी है।

ऐसे में जनरल नरवणे द्वारा इस स्पष्टीकरण को साझा किया जाना इसलिए भी अहम माना जा रहा है क्योंकि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने प्रकाशक के रुख पर सवाल उठाते हुए कथित विरोधाभास की ओर इशारा किया था। राहुल गांधी ने जनरल नरवणे के वर्ष 2023 के एक सोशल मीडिया पोस्ट का हवाला दिया था, जिसमें लिखा था- "हैलो फ्रेंड्स, मेरी किताब अब उपलब्ध है। लिंक फॉलो करें। हैप्पी रीडिंग। जय हिंद।" राहुल गांधी का दावा है कि यह संदेश दर्शाता है कि पुस्तक आम पाठकों के लिए उपलब्ध कराई जा चुकी है। उन्होंने यहां तक कहा कि या तो जनरल नरवणे या फिर पेंगुइन "सच नहीं बोल रहा।"

राहुल गांधी ने मंगलवार को लोकसभा के बाहर कहा- एमएम नरवणे ने एक्स पर पोस्ट किया है, 'हेलो दोस्तों, मेरी किताब अब अवेलेबल है। लिंक फॉलो करें। हैप्पी रीडिंग'। या तो एमएम नरवणे झूठ बोल रहे हैं, या पेंगुइन झूठ बोल रहा है। मैंने आर्मी चीफ पर विश्वास करना चुना। उन्होंने आगे कहा कि क्या आप एमएम नरवणे के बजाय पेंगुइन पर विश्वास करेंगे? किताब में कुछ ऐसी बातें हैं जो सरकार के लिए असुविधाजनक हैं। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने एक्स पर लिखा कि पेंगुइन इंडिया ने अपना ट्वीट डिलीट कर दिया है, जाहिर है वे भारी दबाव में हैं।

जयेश मीडिया प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **रोहित बाजपेयी** द्वारा दि इंडियन एक्सप्रेस लि. सी-26 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, कानपुर रोड, लखनऊ से मुद्रित और 33 कैंट रोड निकट ओडियन सिनेमा लखनऊ से प्रकाशित।
संपादक- **मनोरंजन सिंह*, उत्तराखंड कार्यालय-** जे.एन. प्लाजा कॉम्पलेक्स, तृतीय तल, जिला जज न्यायालय के सामने, हरिद्वार रोड, देहरादून
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। समस्त विवादों का निस्तारण लखनऊ न्यायालय में मान्य होगा।
RNI No. UPHIN/2008/28657 Phone No.: (BSNL) 0522-2619671, 2619672 Phone No.: (AIRTEL) 0522-4323301, 4323302, 4323303 E-Mail: vishwavarta.response@gmail.com, dailyvishwavarta@yahoo.com dailyvishwavarta@rediffmail.com